राष्ट्रीय संस्करण

भाला फेंका 87.58 मीटर

वर्ष 5 अंक 59

दैनिक जागरण

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, रविवार, 8 अगस्त, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14

फाइनल के थ्रो 87.03 | 87.58 | 76.79 | ✕ | ✕ | 84.24

स्वर्ण तिलक

नीरज चोपड़ा और 87.58 मीटर... इस नाम और आंकड़े को याद कर लीजिए। टोक्यो ओलिंपिक में इस दूरी तक पहुंचे नीरज के जेवलिन ने कमाल कर दिया। उनसे पदक की आस तो थी, लेकिन यह अविश्वसनीय रूप से सोने के तमगे से पूरी हुई। अपने आत्मविश्वास और व्यक्तित्व से राकस्टार जैसे नजर आने वाले नीरज चोपड़ा किसी शो-स्टापर की तरह से ओलिंपिक में इवेंट्स के आखिरी दिन ट्रैक एंड फील्ड के स्टेडियम में उतरे और अपने दूसरे प्रयास में ही इतना आगे निकल गए कि फाइनल में कोई उनके आसपास भी नहीं पहुंच सका। क्वालीफिकेशन राउंड में भी नंबर वन रहे नीरज का यह गोल्ड मेडल कई 'प्रथम' के कीर्तिमान रच गया। ओलिंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा की उपलब्धि अविस्मरणीय है, लेकिन नीरज की कामयाबी इस मायने में अभूतपूर्व है कि उन्होंने नए और शक्तिशाली भारत की झलक पेश की है और यह विश्वास दिलाया है कि हमारा देश शारीरिक शक्ति और क्षमता की मांग वाली खेल स्पर्धाओं में भी अव्वल रह सकता है। इसीलिए एथलेटिक्स में खिला 'नीरज' यह उम्मीद जगा रहा है कि एक नए युग का आरंभ हो गया है।

अचूक संधान
भाला फेंकने के दौरान नीरज में दिखा लक्ष्य प्राप्ति की आश्वस्ति वाला आत्मविश्वास ● रायटर

"मैं यह पदक मिल्खा सिंह को समर्पित करता हूं। वह चाहते थे कि कोई भारतीय एथलेटिक्स में ओलिंपिक पदक जीते। काश वह आज जिंदा होते और मुझे देख पाते। यह पहली बार है, जब भारत ने एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता है, इसलिए मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय लगता है। हमारे यहां अन्य (व्यक्तिगत) खेलों में सिर्फ एक स्वर्ण है। यह काफी लंबे समय के बाद हमारा पहला ओलिंपिक (स्वर्ण) पदक है। यह मेरे और मेरे देश के लिए गर्व का क्षण है। क्वालीफिकेशन राउंड में मैंने बहुत अच्छा थ्रो किया, इसलिए मुझे पता था कि मैं फाइनल में बेहतर कर सकता हूं। (लेकिन) मुझे नहीं पता था कि यह स्वर्ण होगा, लेकिन मैं बहुत खुश हूं। मैं आज अपना सर्वश्रेष्ठ देने आया था और मैंने ऐसा ही किया।"
नीरज चोपड़ा, टोक्यो में स्वर्ण पदक जीतने के बाद

नीरज के अब तक के स्वर्ण पदक

- 2020 टोक्यो ओलिंपिक
- 2018 जकार्ता, एशियाई खेल
- 2018 गोल्ड कोस्ट, राष्ट्रमंडल खेल
- 2017 भुवनेश्वर, एशियाई चैंपियनशिप
- 2016 गुवाहाटी/शिलांग, दक्षिण एशियाई खेल

खुशी मिली इतनी...

- हरियाणा सरकार नीरज को छह करोड़ रुपये, क्लास वन की नौकरी व 50% रियायती दर पर जमीन देगी। नीरज के शहर पंचकूला में एथलेटिक्स सेंटर आफ एक्सीलेंस बनेगा, जिसके वह प्रमुख होंगे
- पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने नीरज को दो करोड़ रुपये देने की घोषणा की
- महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा नीरज को एक्सयूवी 700 उपहार स्वरूप देंगे
- बीसीसीआइ नीरज को एक करोड़ रुपये, मीराबाई चानू व रवि दहिया को 50-50 लाख, पीवी सिंधु, लवलीना और बजरंग को 25-25 लाख रुपये देगा। 1.25 करोड़ रुपये पुरुष हाकी टीम को मिलेंगे
- चेन्नई सुपरकिंग्स ने नीरज को एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की
- इंडिगो एयरलाइंस नीरज को एक साल के लिए फ्री टिकट देगी

सम्मान

नीरज चोपड़ा को 2018 में अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया था। वह 2016 से भारतीय सेना में कार्यरत हैं और फिलहाल सेना की राजपूताना राइफल्स यूनिट में सूबेदार के पद पर हैं। उन्हें 2020 गणतंत्र दिवस समारोह में विशिष्ट सेवा मेडल (वीएसएम) से सम्मानित किया गया था।

संबंधित खबरें » पेज-8, 12

टोक्यो में टूटा रिकार्ड

मीराबाई चानू
पदक : रजत
स्पर्धा : भारोत्तोलन

रवि दहिया
मेडल : रजत
स्पर्धा : कुश्ती

लवलीना
पदक : कांस्य
स्पर्धा : मुक्केबाजी

पीवी सिंधु
पदक : कांस्य
स्पर्धा : बैडमिंटन

भारतीय हाकी टीम
पदक : कांस्य
स्पर्धा : हाकी

बजरंग पूनिया
पदक : कांस्य
स्पर्धा : कुश्ती

जय बजरंग बली

जब रेफरी ने बजरंग को विजेता घोषित किया तो उनके आंसू छलक गए ● एएनआइ

टोक्यो, प्रेट्र : भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया का स्वर्ण पदक जीतने का सपना तो पूरा नहीं हो पाया, लेकिन वह टोक्यो में कांस्य पदक अपने नाम करने में सफल रहे। उन्होंने शनिवार को कुश्ती के पुरुष 65 किग्रा भार वर्ग में कजाखस्तान के दौलत नियाजबेकोव को 8-0 से हराकर यह पदक जीता।

बजरंग ने पहले पीरियड में ही दो अंक बनाए और इस बीच अपने रक्षण का अच्छा नमूना पेश किया। वह दूसरे पीरियड में अधिक आक्रामक नजर आए, जिसमें उन्होंने छह अंक हासिल किए। बजरंग को पहला अंक नियाजबेकोव की निष्क्रियता के कारण मिला। भारतीय पहलवान ने दायें पैर पर आक्रमण किया, लेकिन नियाजबेकोव ने उनके सिर को पकड़ रखा था। बजरंग ने स्वयं को इससे मुक्त कराया और कजाखस्तानी पहलवान को आगे धकेलकर पहले पीरियड में 2-0 की बढ़त बनाई। उनके दायें पैर पर हमले से अंक नहीं बने, लेकिन बजरंग ने हमले जारी रखे। उन्होंने जल्द ही 6-0 की मजबूत बढ़त ले ली। इसके बाद उनके लिए जीत हासिल करना आसान रहा।

कुश्ती में ओलिंपिक पदक

पदक	खिलाड़ी	ओलिंपिक
रजत	सुशील कुमार	2012
रजत	रवि दहिया	2020
कांस्य	खशाबा जाधव	1952
कांस्य	सुशील कुमार	2008
कांस्य	योगेश्वर दत्त	2012
कांस्य	साक्षी मलिक	2016
कांस्य	बजरंग पूनिया	2020

2.50 करोड़ रुपये, सरकारी नौकरी और 50 प्रतिशत रियायती दर पर जमीन बजरंग को देगी हरियाणा सरकार। उनके गांव खुड़न में आधुनिक सुविधाओं से लैस इंडोर स्टेडियम भी बनाया जाएगा

अहा सोना... वाह नीरज... बधाई

अद्भुत प्रदर्शन से एथलेटिक्स में भारत को दिलाया पहला ओलिंपिक पदक

अभिषेक त्रिपाठी ● नई दिल्ली

पानीपत के खंडरा गांव में 80 किलोग्राम वजन वाला 13 साल का लड़का जब कुर्ता पहनकर निकलता था तो बाकी बच्चे उसे सरपंच कहकर चिढ़ाते थे। 10 साल की कड़ी लगन और मेहनत के बाद वह नीरज चोपड़ा अब भारतीय एथलेटिक्स का सरपंच हो गया है। दूध-घी के शौकीन नीरज को फिट करने के लिए जब उनके चाचा सुरेंद्र पानीपत के शिवाजी स्टेडियम में लेकर गए थे तब उन्हें भी नहीं पता था कि उनका भतीजा टोक्यो के नेशनल स्टेडियम में कुछ ऐसा काम करेगा कि बल्ले का दीवाना देश भाले की दूरी नापने लगेगा। 13 साल पहले बीजिंग ओलिंपिक में जब अभिनव बिंद्रा ने स्वर्ण पदक जीता था तब वहां पर राष्ट्रगान बजा था, इसके बाद टोक्यो में नीरज ने हमें उस गौरवपूर्ण क्षण का दोबारा अहसास कराया।

शानदार शुरुआत : शुरू से पदक के दावेदार माने जा रहे नीरज ने क्वालीफिकेशन में ही बता दिया था कि उन्हें हल्के में लेने की भूल नहीं करें। शनिवार को भाला फेंक के फाइनल में उन्होंने अपना पहला थ्रो 87.03 मीटर का किया। इसके बाद उन्होंने अपने थ्रो को बेहतर किया और 87.58 मीटर दूर भाला फेंका। यह उनके स्वर्ण पदक पर मुहर लगाने के लिए काफी था। कोई अन्य एथलीट इसे छू नहीं पाया। तीसरे प्रयास में वह 76.79 मीटर भाला ही फेंक पाए जबकि चौथे और पांचवें प्रयास में फाउल कर गए। उन्होंने छठे प्रयास में 84.24 मीटर भाला फेंका। कोई उनके पहले थ्रो के आसपास तक नहीं पहुंच पाया। नीरज ने क्वालीफाइंग राउंड में 86.65 मीटर भाला फेंका था। उन्होंने वहां भी एक ही बार भाला फेंककर क्वालीफाई किया था।

चेक गणराज्य के जाकुब वादलेच ने 86.67 मीटर के साथ रजत और उन्हीं के देश के वितेजस्लाव वेस्ली ने 85.44 मीटर की दूरी तक भाला फेंककर कांस्य पदक जीता। जर्मनी के वेटर इस स्पर्धा के फेवरेट माने जा रहे थे और उन्होंने कहा था कि मैं नीरज को स्वर्ण जीतने नहीं दूंगा लेकिन वह अंतिम-आठ में भी जगह नहीं बना पाए। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.52 मीटर का रहा।

भारत का सर्वश्रेष्ठ ओलिंपिक: भारत ने टोक्यो में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य सहित कुल सात पदक जीते। नीरज के स्वर्ण के अलावा मीराबाई चानू और रवि दहिया ने रजत व शटलर पीवी सिंधु, पहलवान बजरंग पूनिया, मुक्केबाज लवलीना बोरगेहेन और पुरुष हाकी टीम ने कांस्य पदक जीता। 2012 लंदन ओलिंपिक में भारत ने छह पदक अपने नाम किए थे। तब निशानेबाज विजय कुमार और पहलवान सुशील कुमार ने रजत जबकि निशानेबाज गगन नारंग, शटलर साइना नेहवाल, मुक्केबाज मेरी कोम व पहलवान योगेश्वर दत्त ने कांस्य जीता था।

बांस का भाला टूटने पर पड़ी थी डांट

विजय गाहल्याण ● पानीपत

10 साल पहले 13 साल की उम्र में नीरज ने शिवाजी स्टेडियम में जब पहली बार भाला फेंका तो वह 26 मीटर दूर तक गया। उनके हाथ में भाला थमाने वाले जयवीर सिंह और जितेंद्र जागलान अचरज में पड़े गए क्योंकि एक साल तक अभ्यास करने वाले एथलीट भी इतनी दूर तक भाला नहीं फेंक पाते थे।

200 रुपये का बांस का भाला टूटने पर डांट पड़ी : नीरज कभी 7000 रुपये के भाले (जेवलिन) के लिए तरसते थे। एक बार अभ्यास करते हुए उनका 200 रुपये वाला बांस का भला टूट गया। सीनियर खिलाड़ी ने नाराजगी जताई और कहा कि खेल विभाग से और भाले नहीं मिलेंगे। हम अभ्यास कैसे करेंगे। उन्होंने पलट कर जवाब तो नहीं दिया, लेकिन ठान जरूर लिया था कि ऐसा कर दिखाऊंगा कि अभ्यास के लिए महंगी जेवलिन की कमी नहीं रहेगी। अब उनके पास अभ्यास के लिए डेढ़ से दो लाख रुपये कीमत के दर्जनों भाले हैं।

हरियाणा एथलेटिक्स संघ और दैनिक जागरण ने नीरज के गांव खंडरा में एलईडी स्क्रीन लगवाई। नीरज की जीत पर जमकर झूमे ग्रामीण ● जागरण

ओलिंपिक और हम

- नीरज के भाले ने भारत को दिलाया 10वां ओलिंपिक स्वर्ण। आठ स्वर्ण पदक पुरुष हाकी से मिले हैं। निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने पहला व्यक्तिगत स्वर्ण दिलाया
- सात पदकों के साथ भारत ने ओलिंपिक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 2012 लंदन ओलिंपिक में भारत को दो रजत और चार कांस्य के साथ छह पदक मिले

जय हो

"नीरज चोपड़ा की अभूतपूर्व जीत। आपके भाला फेंक में स्वर्ण ने सभी रुकावटें तोड़ दी और इतिहास रच दिया है। आपने अपने पहले ही ओलिंपिक में भारत को पहला ट्रैक एंड फील्ड का पदक दिलाया। आपकी उपलब्धि देश के युवाओं को प्रेरित करेगी। भारत उत्साहित है। बहुत-बहुत बधाई।
राम नाथ कोविन्द, राष्ट्रपति

टोक्यो में इतिहास रचा गया। नीरज चोपड़ा ने आज जो हासिल किया है उसे हमेशा याद रखा जाएगा। युवा नीरज ने असाधारण प्रदर्शन किया। वह काफी जुनून से खेले और उन्होंने अद्वितीय संयम दिखाया। ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई।
नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

नीरज ने जेवलिन को पहुंचाया सूरज तक। भारत आज आपके कारण और भी अधिक चमक रहा है नीरज। आपके भाले ने तिरंगे को लहराया और हर भारतीय के लिए गर्व बना। क्या क्षण है ये भारतीय खेल जगत के लिए।
सचिन तेंदुलकर, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

नीरज। भारत का गोल्डन ब्वाय। भारत का ओलिंपिक इतिहास रचा गया। आपका शानदार थ्रो एक अरब खुशियों का हकदार है। आपका नाम स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा।
अनुराग ठाकुर, केंद्रीय खेल मंत्री

नीरज चोपड़ा के लिए स्वर्ण पदक। इस युवा खिलाड़ी के सामने नतमस्तक हूं। आपने देश के सपने को पूरा किया, शुक्रिया। साथ ही (स्वर्ण पदक के) क्लब में आपका स्वागत है। इसकी बहुत जरूरत थी। आप पर बहुत गर्व है। मैं आपके लिए बहुत खुश हूं।"
अभिनव बिंद्रा, बीजिंग ओलिंपिक 2008 के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय निशानेबाज

अद्वितीय अदिति

शाट लगाने के बाद गेंद को निहारती अदिति ● एपी

टोक्यो, प्रेट्र : भारत की गोल्फर अदिति अशोक मामूली अंतर से पदक से चूक गईं। खराब मौसम से प्रभावित चौथे दौर में तीन अंडर 68 का स्कोर करके चौथे स्थान पर रहीं।

अदिति का कुल स्कोर 15 अंडर 269 रहा और वह दो स्ट्रोक्स से चूक गईं। अदिति ने शनिवार की सुबह दूसरे नंबर से शुरुआत की थी, लेकिन पिछड़ गईं। रियो ओलिंपिक में 41वें स्थान पर रहीं अदिति ने आखिरी दौर में पांचवें, छठे, आठवें, 13वें और 14वें होल पर बर्डी लगाई। उन्होंने नौवें और 11वें होल पर बोगी की। दुनिया की नंबर एक गोल्फर नैली कोरडा ने दो अंडर 69 के साथ 17 अंडर का कुल स्कोर करके स्वर्ण पदक जीता। जापान की मोने इनामी और न्यूजीलैंड की लीडिया के बीच रजत पदक के लिए प्लेआफ खेला गया जिसमें इनामी ने बाजी मारी। तूफान के कारण कुछ समय खेल बाधित रहा। अदिति पूरे समय पदक की दौड़ में थीं, लेकिन दो बोगी से वह लीडिया से पीछे रह गईं जिन्होंने आखिरी दौर में नौ बर्डी लगाईं।

दिल की बात | एथलेटिक्स में ओलिंपिक का स्वर्ण पदक जीतकर युवाओं के लिए आदर्श बन गए नीरज चोपड़ा

आज मिल्खा जी भी नीरज पर गर्व कर रहे होंगे

पीटी ऊषा
उड़नपरी

टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय दल के अभियान का क्या शानदार अंत रहा। युवा नीरज चोपड़ा ने एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक जीतकर एथलेटिक्स प्रशंसकों के साथ समूचे देश के सपने को पूरा किया। मुझे इस बात को लेकर भी संदेह नहीं था कि वह टोक्यो में पदक जीतेंगे, लेकिन स्वर्ण पदक जीतना तो एक सपना ही था। मैं जब पहली बार ओलिंपिक खेलों में हिस्सा लेने 1980 में मास्को गई थी तब से मैंने यही सपना देखा था कि एक भारतीय एथलेटिक्स में पदक जीते। इसके बाद साल 1984 में मैं खुद पदक जीतने के काफी करीब पहुंची और चौथे स्थान पर रही। मैं पिछले 35 वर्षों से इसके बारे में सोचती रही हूं। आखिरकार एथलेटिक्स सभी खेलों की मां है।

मिल्खा सिंह जी और मैं ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रहे और इस प्रदर्शन के लिए पूरे देश ने हौसला बढ़ाया। आज मिल्खा जी जहां भी होंगे नीरज पर गर्व कर रहे होंगे, जैसे कि मैं कर रही हूं। मैं अपने दिल में हमेशा चाहती थी कि कोई भारतीय ओलिंपिक स्वर्ण जीते। केरल में हम आमतौर पर ट्रैक इवेंट देखते हैं, क्योंकि यहां यही लोकप्रिय है, मगर इस बार हमें नीरज से काफी उम्मीदें थीं तो इसलिए हम सभी ने मिलकर भाला फेंक का फाइनल देखा। हमने क्वालीफिकेशन भी देखे थे, जिसमें उन्होंने एक ही थ्रो में शीर्ष स्थान हासिल किया था। बेशक मैं सोच रही थी कि नीरज के पास स्वर्ण जीतने का मौका है, लेकिन जर्मनी के जोहानेस वेट्टर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक में शुमार हैं। नीरज नियमित रूप से 85 मीटर तक का मार्क छू रहे थे। फाइनल में आत्मविश्वास से भरे थे। आमतौर पर मैं इस बात को महसूस कर पाती हूं कि कोई एथलीट कब अपनी शानदार फार्म में रहता है। जिस तरह वह क्वालीफिकेशन राउंड व फाइनल में आए, उनमें वह बात दिख रही थी। नीरज पोलैंड में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में जीते थे। तब मैं कुछ ट्रैक एथलीटों के साथ बतौर कोच वहां गई थी। मैंने फिर उन्हें भारत और बाहर भी प्रदर्शन करते देखा। वह हमेशा से लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित किए हुए थे। वह कभी भी इधर-उधर की बातों में वक्त बर्बाद नहीं करते। यह अच्छी बात है। वह ट्रेनिंग करते, आराम करते, कोचों से बात करते और अन्य एथलीटों से भी चर्चा करते, लेकिन सबसे ज्यादा वक्त अपने इवेंट के बारे में सोचने पर बिताते। लगातार वीडियो देखते। वह हमेशा सीनियर्स के साथ सम्मान से बात करते और चेहरे पर मुस्कुराहट लेकर आते। वह युवाओं के लिए एक आदर्श बन गए हैं। एथलेटिक्स में उन्हें अच्छे अवसर मिले और उन्होंने इसका बेहतरीन तरीके से लाभ उठाया। उन्होंने यूरोप और अन्य जगहों पर भी ट्रेनिंग की। उनका स्वर्ण पदक इसलिए भी काफी अहम है क्योंकि वह चोट से उबरकर वापसी कर रहे थे। अब उन्होंने स्वर्ण पदकों की सूची पूरी कर ली है। विश्व जूनियर्स, कामनवेल्थ गेम्स और अब ओलिंपिक। उनकी उम्र अभी सिर्फ 23 साल की है और वह अपने इवेंट में लगातार सुधार कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वह और सुधार कर सकते हैं और विश्व चैंपियनशिप भी जीत सकते हैं। अब 2024 में पेरिस में ओलिंपिक होने हैं। उस समय उनकी उम्र 26 साल हो जाएगी। ट्रैक एंड फील्ड के कुछ स्पर्धाओं के खिलाड़ी 30 साल की उम्र तक परिपक्व होते हैं। इसको देखते हुए उनके सामने अच्छा भविष्य है और अभी से वह ओलिंपिक चैंपियन हैं। (टीसीएम)

72 नए कोरोना के मामले शनिवार को राजधानी में मिले। संक्रमण दर 0.06 फीसद से बढ़कर 0.10 फीसद हो गई है। वहीं 24 घंटे में कोरोना के 22 मरीज ठीक हुए।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 8 अगस्त, 2021

डीयू में छात्रों के लिए पौधारोपण अनिवार्य

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने पर्यावरण संरक्षण के लिए अभिनव प्रयोग किया है। आगामी सत्र से डीयू के स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल व पीएचडी के हर छात्र को एक-एक पौधा लगाना अनिवार्य होगा। यह पढ़ाई का हिस्सा होगा।

कार्यवाहक कुलपति प्रो. पीसी जोशी ने बताया कि हर वर्ष दिल्ली विश्वविद्यालय में देश के विभिन्न हिस्सों से काफी संख्या में विद्यार्थी दाखिला लेते हैं। ये छात्र हमारे जलवायु योद्धा होंगे। यह सभी जानते हैं कि पौधे कार्बन डाइआक्साइड को अवशोषित करते हैं और आक्सीजन प्रदान करते हैं। कैंसर पैदा करने वाले रसायनों सहित कई हानिकारक प्रदूषकों को अवशोषित करते हैं।

मिट्टी के कटाव व भूस्खलन आदि को रोकते हैं। हिमालयी अध्ययन केंद्र के निदेशक और प्रस्ताव के सूत्रधार वनस्पतिशास्त्री प्रोफेसर दीनबंधु साहू ने कहा कि आज हम एक बड़े बायोस्फीयर संकट का सामना कर रहे हैं। भारत में प्रति व्यक्ति केवल 28 पेड़ उपलब्ध हैं, जबकि वैश्विक औसत प्रति व्यक्ति 422 पेड़ है। कनाडा में 8,953 और चीन में प्रति व्यक्ति 130 पेड़ हैं। प्रोफेसर जोशी ने कहा कि छात्रों की ओर से लगाए जाने वाले पौधों की कालेज व विभाग स्तर पर निगरानी की जाएगी। छात्र समय-समय पर अपडेट देगा। छात्रों की सहूलियत के लिए कहा गया है कि वे कहीं भी पौधा लगा सकते हैं।

अभिनव प्रयोग : दिल्ली विश्वविद्यालय। फाइल

डीयू ने हिमालयन अध्ययन केंद्र के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए समिति का गठन किया है। यह प्रस्ताव पर्यावरण अकादमिक सामाजिक दायित्व के तहत दिया गया है। इसके अंतर्गत स्नातक के छात्रों का पर्यावरणीय अध्ययन के अनिवार्य विषय का आंतरिक मूल्यांकन किया जाएगा, वहीं स्नातकोत्तर के छात्रों को पहले सेमेस्टर में पौधा लगाने के कार्य को पूरा कर विभागाध्यक्ष को रिपोर्ट देनी होगी, वहीं पीएचडी के छात्रों के कोर्स वर्क में इसे शामिल किया जाएगा, जिसकी रिपोर्ट उन्हें अपने सुपरवाइजर या विभागाध्यक्ष को सौंपनी होगी।

इन नियमों के अंतर्गत करना होगा पौधारोपण

- सभी स्नातक, स्नातकोत्तर, एमफिल व पीएचडी छात्रों के लिए पौधारोपण कार्यक्रम का हिस्सा होना अनिवार्य है।
- हर छात्र अपने घर के पास, निवास स्थान, गांव, शहर या पहाड़ कहीं भी लगा सकते हैं पौधा
- छात्र को अपने संबंधित कालेज, विभाग और केंद्र को पौधे की फोटो और जीपीएस लोकेशन भेजनी होगी।
- फोटो पर पौधे का नाम, छात्र का नाम, कोर्स का नाम, पौधारोपण की तिथि और लोकेशन भी लिखना होगा।
- छात्र को पौधे की देखभाल के साथ ही हर 15 दिन पर निगरानी करनी होगी। उसके बाद लंबे समय तक निगरानी करने के लिए परिवार के सदस्य, आरडब्ल्यूए व स्थानीय निकायों के लोग भी निगरानी में शामिल हो सकते हैं।
- छह माह की निगरानी रिपोर्ट, फोटो और पौधे की वृद्धि के बारे में जानकारी देते हुए संबंधित केंद्र, कालेज और विभाग को सौंपनी होगी।
- प्राकृतिक आपदा या विषम परिस्थिति में पौधे के नष्ट होने पर उसकी जगह दूसरा पौधा लगाना होगा और इसकी जानकारी कालेज या संबंधित विभाग को देनी होगी।

कई इलाकों में हुई तेज बारिश, आज आरेंज अलर्ट

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी में शनिवार को पूरे दिन आकाश में बादल छाए रहे। कई इलाकों में तेज बारिश भी हुई। इससे कुछ जगहों पर जलभराव और यातायात जाम की समस्या हुई। मौसम विभाग ने रविवार के लिए भी आरेंज अलर्ट जारी किया है। इससे कई इलाकों में तेज बारिश हो सकती है। सोमवार को भी हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके बाद मौसम थोड़ा बदलेगा।

मौसम विभाग के अनुसार 10 से 13 अगस्त के बीच उमस भरी गर्मी अधिक रहेगी। इससे अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हालांकि, इस दौरान भी आकाश में बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश होने की संभावना नहीं है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह साढ़े आठ बजे के बाद दिल्ली में 6.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। रिज एरिया में सबसे अधिक 55 मिलीमीटर व पीतमपुरा में 16 मिलीमीटर बारिश हुई। रविवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

शनिवार को आइटीओ पर होती झमाझम बारिश में गुजरते वाहन चालक। ध्रुव कुमार

दिल्ली में मध्यम श्रेणी में रही रही हवा की गुणवत्ता : दिल्ली व गुरुग्राम में हवा की गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही। इसके अलावा एनसीआर के अन्य शहरों में हवा की गुणवत्ता संतोषजनक श्रेणी में रही। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में एयर इंडेक्स 101, गुरुग्राम में 111, फरीदाबाद में 87, गाजियाबाद में 96, ग्रेटर नोएडा में 100 व नोएडा में एयर इंडेक्स 91 दर्ज किया गया।

न्यूज गैलरी

सुषमा स्वराज के नाम पर कालेज खोलेगा डीयू

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) भारतीय जनता पार्टी की दिवंगत नेता सुषमा स्वराज के नाम पर कालेज खोलेगा। डीयू के कुलसचिव डा. विकास गुप्ता ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री होने के नाते कालेज का नाम सुषमा स्वराज के नाम पर रखने का निर्णय लिया गया है। यह कालेज दिल्ली के फतेहपुर बेरी गांव में बनाया जाएगा। इसके लिए दिल्ली सरकार द्वारा 40 बीघा जमीन आवंटित कर दी गई है। डीयू द्वारा कालेज बनाने के प्रस्ताव से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को भी अवगत करा दिया गया है। (जासं)

आरपीवीवी में सत्र 2021-22 से नहीं होंगे दाखिले

नई दिल्ली : दिल्ली के सभी राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालयों (आरपीवीवी) में सत्र 2021-22 से नए दाखिले नहीं किए जाएंगे। शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में शनिवार को परिपत्र जारी करते हुए कहा कि आरपीवीवी स्कूलों को स्कूल आफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस (एसओएसई) में परिवर्तित किया जा रहा है। ऐसे में मौजूदा सत्र से आरपीवीवी स्कूलों में छठी, सातवीं और 11वीं में कोई नया दाखिला नहीं दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि एसओएसई स्कूलों को दिल्ली स्कूल शिक्षा बोर्ड से संबद्ध किया जाएगा। (जासं)

आठ अगस्त से शुरू होगा भारत जोड़ो आंदोलन

नई दिल्ली : भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ आठ अगस्त से देश में भारत जोड़ो आंदोलन शुरू होगा। इसकी जानकारी देते हुए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि इस आंदोलन के तहत देश को जोड़ने के लिए अंग्रेजी कानूनों को समाप्त करने तथा एक देश-एक पाठ्यक्रम, एक देश-एक शिक्षा बोर्ड, एक देश-एक दंड संहिता, एक देश-एक कर संहिता समेत अन्य मांगें होंगी। इस आंदोलन से हाई कोर्ट के कई सेवानिवृत्त जज, पूर्व नौकरशाह, सामाजिक कार्यकर्ता व आध्यात्मिक गुरु समेत अन्य लोग जुड़ेंगे। (जासं)

एयरपोर्ट पर तस्करों पर कस्टम विभाग का शिकंजा

नई दिल्ली : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग की टीम ने उज्बेकिस्तान के दो नागरिकों को पकड़ा है। इनके पास से 3.3 किलोग्राम सोना बरामद हुआ है। आरोपितों को कस्टम की टीम ने तब रोका जब इनकी गतिविधियों पर संदेह हुआ। कस्टम के अधिकारियों ने पूछताछ के बाद उनके बैगेज की तलाशी ली तो सोने से बने सामान बरामद हुए। एक अन्य मामले में कस्टम विभाग की टीम ने एक भारतीय नागरिक को दो कीमती कलाई घड़ी के साथ पकड़ा। (जासं)

अनलाक : कल से खुलेंगे सभी साप्ताहिक बाजार

शर्तें लागू ▶ कोविड प्रोटोकाल के उल्लंघन पर फिर से होंगे बंद

10वीं, 11वीं और 12वीं के छात्रों को भी स्कूल जाने की अनुमति

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

राजधानी में कोरोना संक्रमण की दर लगभग अब स्थिर है। ऐसे में अनलाक की प्रक्रिया के तहत सोमवार से सभी साप्ताहिक बाजारों को खोलने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, इसके लिए कड़ी शर्तों का पालन करना होगा। कोविड प्रोटोकाल का उल्लंघन होने पर साप्ताहिक बाजार को बंद करने का अधिकार जिला अधिकारी और नगर निगम के क्षेत्रीय उपायुक्त के पास होगा। इसके साथ ही 10वीं, 11वीं, और 12वीं के छात्रों को दाखिले से जुड़े कामों को पूरा करने और काउंसलिंग, परीक्षा या प्रैक्टिकल कार्य के लिए स्कूल जाने की अनुमति दे दी गई है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को ट्वीट किया कि सोमवार से साप्ताहिक बाजार खुल रहे हैं। इन बाजारों से आर्थिक रूप से कमजोर लोगों की रोजी रोटी चलती है। सरकार इनकी रोजी-रोटी को लेकर काफी चिंतित है। हालांकि, सभी के स्वास्थ्य और जीवन का ख्याल रखना भी जरूरी है। इसलिए कड़ी शर्तें लगाई जा रही हैं। बाजार से जुड़े सभी लोगों से आग्रह है कि वे कोरोना प्रोटोकाल का पालन करें।

मंडावली का साप्ताहिक बाजार। जागरण आर्काइव

कोविड की दूसरी लहर के बाद दिल्ली सरकार ने अनलाक की प्रक्रिया को चरणबद्ध तरीके से लागू किया है। इसके तहत लगातार दिल्ली को धीरे-धीरे अनलाक किया जा रहा है।

दिल्ली में 2700 साप्ताहिक बाजार हैं। इनसे करीब चार लाख लोग जुड़े हैं। इन सभी बाजारों को खोलने की इजाजत दे दी गई है। सड़क के किनारे कोई भी बाजार नहीं लगेगा। बाजारों को लेकर जो एसओपी बनाई गई है, उसका हर हाल में पालन कराया जाएगा।

डीडीएमए की गाइडलाइंस के मुताबिक जिस जगह पर साप्ताहिक बाजार लगाने को लेकर नियम बनाए गए हैं, उन्हीं जगहों पर बाजार लगें ये सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। यदि किसी भी स्थान पर अनधिकृत बाजार लगाया जाता है तो इसकी जवाबदेही संबंधित अधिकारी की होगी। साप्ताहिक बाजार एसोसिएशन के महासचिव राज कुमार कटारिया ने कहा है कि साप्ताहिक बाजार खुलने से लोगों को बहुत राहत मिलेगी। लगभग एक साल से साप्ताहिक बाजार बंद हैं। इससे यहां दुकान लगाने वाले परिवारों के सामने आर्थिक संकट गहरा गया है।

आदेश के बावजूद कैदियों को पैरोल पर छोड़ने में हुई देरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दो कैदियों को पैरोल पर रिहा करने के आदेश के बावजूद उन्हें तीन दिन बाद रिहा करने के मुद्दे पर हाई कोर्ट की रजिस्ट्री ने हाई कोर्ट के समक्ष अपना स्पष्टीकरण दिया। उसने कहा कि आदेश की प्रति किसी दूसरी जगह रखी जाने की वजह से उसे जेल अधिकारियों के पास समय से नहीं भेजा जा सका। जिसकी वजह से कैदियों को जेल से छोड़े जाने में देरी हुई है।

रजिस्ट्री ने यह भी कहा कि उसके यहां कर्मचारियों की कमी है, जिसकी वजह से यह घटना हुई है। उसने यह भी कहा कि देर से जेल अधिकारियों को पैरोल पर रिहा करने संबंधी आदेश भेजने वाले संबंधित कर्मचारी को चेतावनी दे दी गई है।

न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि वह भविष्य में इसका ध्यान रखें कि ऐसी गलती दोबारा ना हो। मालूम हो कि समय पर रिहाई के आदेश नहीं भेजे जाने से दो कैदी अपनी मां के अंतिम संस्कार में भाग नहीं ले पाए थे।

दोनों कैदी नाजिम खान और इकबाल ने इसको लेकर हाई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी। रजिस्ट्रार के इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देने के बाद दोनों कैदियों के वकील ने इससे संबंधित याचिका हाई कोर्ट से वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया और उसे निरस्त कर दिया।

फोरेंसिक टीम ने आरोपित पुजारी के कमरे से लिए नमूने

बच्ची से दरिंदगी का मामला

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली कैंट के पुराना नांगल गांव की रहने वाली नौ साल की बच्ची के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म व हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई है। क्राइम ब्रांच ने फोरेंसिक टीम के साथ शनिवार को तीसरे दिन भी मौका ए वारदात पर पहुंचकर घंटों नमूने जुटाए। श्मशान गृह परिसर स्थित आरोपित पुजारी के कमरे से बिस्तर व कपड़ों को कब्जे में लिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

पुलिस का कहना है कि जहां पर बच्ची को जलाया गया, वहां से भी काफी नमूने उठाए गए हैं। पिछले तीन दिनों में जो भी नमूने एकत्र किए गए हैं, उन्हें जांच के लिए गांधी नगर की प्रयोगशाला में भेजा जाएगा। इसके साथ ही प्रयोगशाला के अधिकारियों से यह अनुरोध किया जाएगा कि जल्द से जल्द जांच रिपोर्ट तैयार करें। ताकि, जांच को आगे बढ़ाया जा सके। अभी तक बच्ची के स्वजन के बयान दर्ज नहीं किए जा सके हैं। क्राइम ब्रांच ने कई बार स्वजन से संपर्क साधा, लेकिन वे बयान दर्ज कराने नहीं आ रहे हैं।

प्रोडक्शन वारंट के लिए कोर्ट में दी अर्जी : जेल में बंद चारों आरोपितों को पूछताछ के लिए रिमांड पर लेने की तैयारी क्राइम ब्रांच ने शुरू कर दी है। प्रोडक्शन वारंट के लिए शनिवार को कोर्ट में अर्जी लगाई गई। उम्मीद है कि सोमवार को चारों आरोपितों को पांच से सात दिन के लिए रिमांड पर लिया जा सकेगा। उसके बाद उन्हें जांच के लिए घटनास्थल पर ले जाया जाएगा।

बिटिया को न्याय दिलाने के लिए सीबीआइ जांच की मांग

स्थानीय लोग इस मामले में सीबीआइ जांच की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस जघन्य मामले से जुड़े सभी बिंदुओं की पूरी पड़ताल होनी चाहिए ताकि सभी बातें परत दर परत सामने आएं और आरोपितों को फांसी की सजा मिले। शनिवार को धरनास्थल पर अन्य दिनों के मुकाबले लोग भले ही कम थे, लेकिन अब यहां दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों से भी लोग पीड़ित बच्ची को इंसाफ दिलाने की मांग को लेकर पहुंचने लगे हैं। कहा जा रहा है कि आने वाले समय में यहां लोगों की तादाद बढ़ सकती है। धरनास्थल के आसपास व श्मशान भूमि के बाहर अभी भी पुलिस बल तैनात है। लोगों का कहना है कि बच्ची के साथ हुए जघन्य अपराध के मामले में दोषियों को जल्द सजा मिले, इसके लिए जांच में तेजी जरूरी है।

बैलून के पैकेट में छिपाकर तस्कर लेकर आया था 20 पिस्टल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में अवैध हथियार का बड़ा जखीरा पुलिस ने किया जब्त, आरोपित गिरफ्तार

स्वतंत्रता दिवस से पहले द्वारका जिला पुलिस ने अवैध हथियार की बड़ी खेप बरामद करते हुए मुफीद नामक शख्स को गिरफ्तार किया है। आरोपित से पूछताछ में पता चला कि स्वतंत्रता दिवस से पहले अपराधी दिल्ली में बड़ी वारदात को अंजाम देने की ताक में थे, जिसके लिए उन्हें हथियारों की जरूरत थी, लेकिन इसके पहले कि यह खेप अपराधियों तक पहुंचती, पुलिस के हाथ लग गई। किसी को शक न हो, इसके लिए पिस्टल की खेप बैलून के पैकेटों में छिपाकर रखी गई थी। नौ अलग-अलग पैकेटों से पुलिस को 20 पिस्टल बरामद हुए हैं।

द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अवैध हथियार तस्करी के इस नेटवर्क पर करीब एक महीने से इंस्पेक्टर नवीन कुमार के नेतृत्व में स्पेशल स्टाफ की टीम की नजर थी। दरअसल पिछले कुछ महीने से द्वारका जिले के विभिन्न इलाकों से पुलिस ने अवैध हथियारों की कई खेप बरामद की। एक के बाद एक खेप बरामद होने की बात को देखते हुए पुलिस इस नेटवर्क की तह तक पहुंचने में जुट गई। इस दौरान पता चला कि अवैध हथियारों की खेप मध्य प्रदेश के बुरहानपुर व आसपास के इलाके से दिल्ली में पहुंच रही है। यह भी पता चला कि तस्कर हथियार की खेप को दिल्ली पहुंचाने के दौरान तरह-तरह की तरकीब का इस्तेमाल करते हैं। तमाम जानकारियों के बीच पुलिस को पता चला कि छह अगस्त को तस्कर घुम्मनहेड़ा मोड़ के पास आने वाला है। पुलिस टीम वहां तैनात कर दी गई। पुलिस टीम ने देखा कि एक युवक हाथों में बैलून का गुच्छा थामे सड़क से गुजर रहा था। संदेह होने पर उसे रोका, तो वह भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा किया। युवक ने इस दौरान पुलिसकर्मियों को डराने के लिए पिस्टल भी तान ली, लेकिन सतर्क पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपित मुफीद उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित चौकी बांगड़ गांव का रहने वाला है। इसके खिलाफ कोशी कलां थाना में हत्या के प्रयास का मुकदमा भी दर्ज है।

अच्छे काम के लिए जानी जाए पुलिस : अस्थाना

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने शनिवार को पहली बार सभी 209 थानों के पुलिसकर्मियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बैठक की। करीब दो घंटे तक महकमे को कोर पुलिसिंग की बारीकियों के बारे में समझाते हुए उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि दिल्ली पुलिस अच्छे काम के लिए जानी जाए न कि बुरे काम के लिए। पुलिस लोगों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखते हुए ऐसा काम करे जिससे लोगों के मन में भावना जगे कि पुलिस अच्छा काम कर रही है। थाने में शिकायत लेकर आने वाले पीड़ितों व आरोपितों के साथ अलग-अलग तरीके से पेश आएं न कि एक जैसे। सुनने में यह आता है कि पुलिस शिकायतकर्ता व बदमाश दोनों के साथ एक ही तरह से पेश आती है, जिससे शिकायतकर्ता पुलिस के कार्य से संतुष्ट नहीं होते हैं। ऐसा कतई नहीं होना चाहिए।'

वीसी के जरिये अस्थाना बहुत ही सकारात्मक सोच के साथ मुस्कुराते हुए पुलिसकर्मियों से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी फ्री रजिस्ट्रेशन यानी शिकायत लेकर थाने आने वाले लोगों की शिकायतों को पूरी तन्मयता से सुनकर उस पर त्वरित कार्रवाई कर न्याय दिलाने की कोशिश करें। आंकड़े बढ़ने व घटने के बारे में न सोचें। शिकायत पर कार्रवाई करने से लोगों के मन में यह भावना पैदा होगी कि पुलिस उनके लिए काम कर रही है। अस्थाना ने कहा कि पुलिसकर्मी बेहतर माहौल में सकारात्मक सोच के साथ काम करें। अगर किसी को वेतन, कामकाज व अन्य किसी भी तरह की दिक्कत आ रही है और जिला स्तर के अधिकारी समाधान नहीं कर पा रहे हैं तो सीधे मुख्यालय आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हर शुक्रवार दोपहर 12 से दो बजे तक वे पुलिसकर्मियों से मिलकर उनकी शिकायतें सुनेंगे और समस्याओं का हल करेंगे। इसके लिए पुलिसकर्मियों को अनुमति लेकर आने की जरूरत नहीं है।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि सुपरवाइजिंग आफिसर यानी एसीपी व उनसे ऊपर के अधिकारी जिनके नेतृत्व में थानों के पुलिसकर्मी काम करते हैं, वे केवल पुलिसकर्मियों में कमियां ढूंढकर उन्हें सजा देने का काम न करें। वे उनकी अच्छाइयों को भी देखें और उन्हें अच्छा काम करने के लिए उत्साहित करें, दिशानिर्देश दें। अच्छा काम करने वाले पुलिसकर्मियों को इनाम दें।

पुलिस आयुक्त ने दी नसीहत

▶ पहली बार सभी 209 थानों के पुलिसकर्मियों के साथ वीसी के जरिये पुलिस आयुक्त ने की बैठक

▶ कहा- शिकायत मिलते ही तुरंत करें कार्रवाई, आंकड़े बढ़ने-घटने के बारे में न सोचें

सभी थाना पुलिस कर्मियों के साथ वीसी के जरिये बैठक करते पुलिस आयुवत राकेश अस्थाना। सौजन्य-पुलिस

हाउसिंग बोर्ड करेगा पुलिस कालोनियों की मरम्मत का काम

पुलिस आयुक्त ने कहा कि पहले पुलिस कालोनी बनाने अथवा पुरानी पुलिस कालोनियों के भवनों की मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार को ठेके पर काम दिया जाता था। लेकिन, अब ऐसा नहीं होगा। इसके लिए दिल्ली पुलिस हाउसिंग बोर्ड का गठन किया गया है। इसमें पुलिसकर्मी ही रहेंगे। बोर्ड द्वारा ही नए भवनों का निर्माण व मरम्मत का काम कराया जाएगा।

मापदंड पर खरा उतरने वाले को ही थानाध्यक्ष की कुर्सी

पुलिस आयुक्त ने राकेश अस्थाना ने थानाध्यक्षों से कहा कि वे अपने-अपने इलाके में बेहतर तरीके से काम करें। उनके इलाके में कोई संगठित अपराध जैसे सट्टा चलने, शराब, ड्रग्स व हथियार तस्करी जैसे अवैध धंधे चलने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। थानाध्यक्ष की जिम्मेदारी उन्हीं को सौंपी जाएगी जो साक्षात्कार में विभाग द्वारा तय मापदंड पर खरा उतरेंगे।

इतिहास

इमारत में बने फांसी घर को भी देख सकेंगे पर्यटक, यहां कई देशभक्तों को अंग्रेजों ने फांसी पर लटकाया था

विधानसभा की ऐतिहासिक इमारत बनेगी पर्यटन स्थल

वीके शुक्ला, नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा की ऐतिहासिक इमारत में विधेयकों पर चर्चा और विधायकों का शोर तो खूब सुना होगा, लेकिन अब यहां पर्यटकों को शांति और सुकून भी मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें आजादी से पहले बनी इस ऐतिहासिक इमारत में भ्रमण करने का भी मौका मिलेगा। दरअसल, दिल्ली सरकार ने इमारत में बने फांसी घर को पर्यटकों के लिए खोलने के साथ ही इस इमारत को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है। इस फांसी घर में देश को आजाद कराने के लिए आवाज उठाने वाले अनेक देशभक्तों को अंग्रेजों ने फांसी पर लटकाया था।

अंग्रेजों ने जब कोलकाता (तत्कालीन कलकत्ता) छोड़कर दिल्ली को राजधानी बनाया, उस समय देश चलाने के लिए उन्होंने इसी स्थान का चयन किया था। लंदन के मशहूर आर्किटेक्ट ई. मोंटे ने पुराना सचिवालय यानी दिल्ली विधानसभा की इमारत का नक्शा तैयार किया और उसे अमलीजामा भी पहनाया। दो साल में इसका निर्माण हुआ और वर्ष 1912 में अंग्रेजों ने यहां से राज चलाना शुरू कर दिया था। उस वक्त इंपीरियल आफ काउंसिल देश चलाती थी। इसके बाद 1920 में नेशनल पार्लियामेंट का गठन कर दिया गया। बताते हैं कि अंग्रेज जब इस इमारत से देश चला रहे थे। उसी समय यमुना में भीषण बाढ़ आई थी, इसकी चपेट में यह सचिवालय भी आ गया था। इसके बाद अंग्रेजों ने रायसीना हिल (नई दिल्ली क्षेत्र) में बसने की तैयारी कर ली थी।

दिल्ली विधानसभा और इस इमारत में बने फांसी घर के बंद दरवाजे (इन्सेट में) की फाइल फोटो। जागरण

विधानसभा परिसर में आम लोगों को जाने की पहले नहीं थी अनुमति : दिल्ली विधानसभा परिसर में आम जनता को जाने की पहले अनुमति नहीं थी। इसके बाद 2015-16 में दिल्ली सरकार ने आम लोगों को गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस पर यहां घूमने की अनुमति दी थी। इसके बाद अब इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कर आम जनता के लिए खोलने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल कहते हैं कि योजना है कि पर्यटक जब यहां आएं तो अच्छी यादें लेकर जाएं।

बनाई जाएगी बापू की डिजिटल गैलरी : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 1918 और 1931 में यहां भ्रमण किया था। उनसे संबंधित एक डिजिटल गैलरी भी यहां तैयार की जाएगी। इसके अलावा डिजिटल गैलरी में इमारत के इतिहास से भी लोगों को रूबरू होने का मौका मिलेगा। इसमें बलिदानियों की शौर्य गाथा को भी शामिल किया जाएगा। कुछ माह पूर्व यहां एक विशाल अशोक स्तंभ लगाया गया है। यहां पर सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। विधानसभा परिसर में म्यूजिकल फाउंटेन लगाया गया है, जो शाम के समय यहां लोगों को बेहतर महसूस कराता है।

20 साल पहले फांसी घर के सामने बना दी गई थी दीवार : विधानसभा में बना फांसी घर आजाद भारत के पहले का है। विधानसभा में लंबे समय तक रहे एक कर्मचारी बताते हैं कि पहले वह जगह दिखाई देती थी, जहां फांसी दी जाती थी। लेकिन, करीब 20 साल पहले यहां दीवार बना दी गई और उसे ढक दिया गया। अब इस दीवार को हटाया जाएगा और मुख्य इमारत की दूसरी मंजिल पर स्थित इस फांसी घर को ठीक किया जाएगा। विधानसभा के सदन के नीचे एक सुरंग भी है। विधानसभा के पुराने कर्मचारी बताते हैं कि यह सुरंग लाल किले तक जाती है।

पर्यटकों को देना होगा मामूली शुल्क : विधानसभा की इमारत को पर्यटकों के लिए विकसित किया जाएगा। शुरुआत में पर्यटकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। लेकिन, बाद में टिकट लेकर प्रवेश दिया जाएगा। गणतंत्र दिवस के अवसर पर 25-26 जनवरी और स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 14-15 अगस्त को कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा अन्य राष्ट्रीय पर्वों और स्कूली बच्चों के लिए प्रवेश फ्री रहेगा।

कोरोना काल में विधायकों का वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव गलत : अनिल चौधरी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली के विधायकों का वेतन बढ़ाने का कांग्रेस ने विरोध किया है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार कोरोना संक्रमण से दिल्लीवासियों को बचाने में नाकाम रही है। मुख्यमंत्री को विधायकों का वेतन बढ़ाने के बजाय अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए था। इस संकट के समय सरकार को अपने कर्मचारियों व जनता की परेशानी दूर करने पर ध्यान देना चाहिए। विधायकों के वेतन में वृद्धि को लेकर भाजपा नेता भी आप के साथ खड़े हैं।

उन्होंने कहा कि सत्ता में आने से पहले केजरीवाल मुख्यमंत्री, मंत्रियों व विधायकों को मिलने वाली सुविधाओं का विरोध करते थे। वहीं, सत्ता में आते ही वर्ष 2015 से विधायकों का वेतन बढ़ाने की कोशिश में लगे हुए हैं। पिछले माह आप सरकार ने विधायकों का वेतन बढ़ाने का प्रस्ताव केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेज दिया है।

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 5 अंक 59

मूल्य ₹8.00, नई दिल्ली, रविवार, 8 अगस्त, 2021

www.jagran.com

पृष्ठ 14

कांग्रेस ने पाखंड किया, हमारी सरकार ने गरीबों के लिए काम : मोदी

>> 4

सुरक्षा परिषद में चर्चा के दौरान बेनकाब हुआ पाकिस्तान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पिछले एक हफ्ते में तालिबान ने जितनी तेजी से अफगानिस्तान के दो बड़े प्रांतों की राजधानी पर कब्जा जमाया है, उससे विश्व बिरादरी में चिंता तो बढ़ी है, लेकिन तालिबान को मिल रही मदद रोकने को लेकर विश्व बिरादरी की तरफ से कोई ठोस कदम उठाने के संकेत नहीं हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की अध्यक्षता में अफगानिस्तान के हालात पर हुई चर्चा में तालिबान को मदद देने के मामले में पाकिस्तान की भूमिका पर कई देशों ने सीधे तौर पर या परोक्ष तौर पर सवाल उठाए, लेकिन किस तरह से इसे रोका जाए, इसको लेकर कोई राह निकलती नहीं दिख रही है।

यूएनएससी में अफगानिस्तान के राजदूत गुलाम इसकजई ने बढ़ रहे संकट में पाक की भूमिका को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाक को यह संदेश देने में विफल रहा कि वह अपनी हरकतों से बाज आए। इसकजई ने अपने भाषण में कहा कि पाकिस्तान के 20 आतंकी संगठन तालिबान के साथ मिलकर हिंसक वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, टीटीपी, एमएमयू जैसे संगठन के 10 हजार आतंकी शामिल हैं। यहीं नहीं उन्होंने अफगान-पाक सीमा के जरिये आतंकियों और उनके लिए हथियार भेजने, घायलों को वापस लाकर इलाज करने व दूसरी मदद देने के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में तालिबान को पूरी तरह से सुरक्षा मिली हुई है, जो यूएनएससी की तरफ से पारित प्रस्ताव का भी उल्लंघन है। अफगानिस्तान के राजदूत ने जो आरोप लगाए हैं, वे आरोप स्वयं वहां के राष्ट्रपति अशरफ गनी कुछ हफ्ते पहले पाकिस्तान के पीएम इमरान खान की मौजूदगी में लगा चुके हैं। नई दिल्ली में अफगानिस्तान के राजदूत फरीद मामुंदजई ने भी हाल ही में यह आरोप लगाया था कि तालिबान के साथ भारत में आतंकी वारदात करने वाले पाक स्थित आतंकी संगठन भी शामिल हैं।

असली चेहरा

- तालिबान को मदद देने के मामले में पाकिस्तान की भूमिका पर कई देशों ने उठाए सवाल
- अफगानिस्तान ने कहा, पाक के 20 आतंकी संगठन तालिबान के साथ मिलकर कर रहे हिंसा

अफगानिस्तान की बिगड़ती स्थिति पर जयशंकर ने चिंता जताई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक बार फिर अफगानिस्तान की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताई है और अपील की है कि वहां हिंसा के खात्मे के लिए सभी शक्तियां एक साथ काम करें। जयशंकर यहां कतर के विदेश मंत्री के विशेष प्रतिनिधि मुतलाक बिन माजेद अल-कहतानी के साथ बैठक के बाद अपने विचार ट्विटर पर साझा कर रहे थे। इन दोनों के बीच अफगानिस्तान के हालात को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई है। माना जा रहा है कि कतर की राजधानी दोहा में तालिबान के साथ अमेरिका व दूसरे पक्षों के बीच एक बार फिर जल्द ही वार्ता की कोशिश हो रही है।

अल-कहतानी ने विदेश सचिव हर्ष श्रृंगला से भी अलग से बात की है। भारत की तरफ से उन्हें अफगानिस्तान की स्थिति को लेकर हाल के दिनों में कई देशों से हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी गई। भारत ने उनके समक्ष यह बात रखी है कि अफगानिस्तान में जब तक समाज के हर वर्ग को पूरी हिफाजत की गारंटी नहीं दी जाएगी, तब तक वहां स्थायी शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भारत ने वहां पिछले दो दशकों के दौरान चलाए गए विकास कार्यों व लोकतांत्रिक संस्थानों को बनाए रखने की भी वकालत की है।

नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करते कतर के विदेश मंत्री के विशेष प्रतिनिधि मुतलाक बिन माजेद अल-कहतानी। प्रेट्र

तालिबान का स्वयंभू गवर्नर ढेर

काबुल : अफगानिस्तान में निर्णायक जंग छिड़ी हुई है। नमरुज प्रांत की राजधानी जरंज पर कब्जा करने के दावे के बाद अफगान सेना ने तालिबान के स्वयंभू गवर्नर सहित 25 आतंकियों को मार गिराया है। (पेज-11)

रविवार विशेष

ट्रीमैन ने बंजर भूमि पर लगा दिए आक्सीजन बाग

सोनीपत : सार्वजनिक स्थानों पर पौधारोपण करने वाले सोनीपत के देवेंद्र सूरा अब गांवों की बंजर भूमि को विकसित कर आक्सीजन बाग लगा रहे हैं। एक दर्जन से अधिक बाग लगा चुके हैं। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राजनीति ▶ पृष्ठ 4

मानसून सत्र के तीसरे सप्ताह में रास से आठ विधेयक पारित

नई दिल्ली : संसद के मौजूदा मानसून सत्र के तीसरे सप्ताह में राज्यसभा से आठ विधेयक पारित किए गए। इससे सदन की उत्पादकता बढ़कर 24.2 फीसद करने में मदद मिली है। राज्यसभा के अनुसंधान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले हफ्ते उच्च सदन की उत्पादकता 13.70 फीसद थी। सत्र के पहले हफ्ते इसकी उत्पादकता सबसे अधिक 32.20 फीसद रही थी।

राष्ट्रीय फलक ▶ पृष्ठ 5

हाहाकारी हुई लहरें... मुश्किल हालात

नई दिल्ली : गंगा व यमुना समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में हाहाकारी लहरों ने हालात मुश्किल कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश के बहुत से इलाके बाढ़ से घिर गए हैं। आपदाग्रस्त कालपी में शनिवार को नौकायन कर रहे युवकों की नाव लहरों के वेग से असंतुलित होकर पेड़ से टकराकर यमुना में डूब गई। हादसे में चार युवकों के डूबने की सूचना है। मप्र में चंबल नदी खतरे के निशान से चार मीटर ऊपर बह रही है।

कोरोना से जंग ▶ पृष्ठ 6

कोरोना वैक्सीन का दैनिक उत्पादन 40 लाख डोज हुआ

नई दिल्ली : देश में कोरोना वैक्सीन के उत्पादन में असाधारण वृद्धि हुई है। पहले जहां प्रतिदिन ढाई लाख डोज का ही उत्पादन होता था, वह बढ़कर अब 40 लाख डोज हो गया है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती प्रवीण पवार ने कहा कि वैक्सीन उत्पादन की क्षमता में इस वृद्धि के साथ और बेहतर तरीके से लोगों का टीकाकरण किया जा सकता है। भारत ने इस साल के आखिर तक सभी पात्र लोगों का टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा है।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 7

तीन वर्षों में अमेरिका जैसी होंगी देश की सड़कें : गडकरी

अहमदाबाद : सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अगले तीन वर्षों में देशभर में अमेरिकी स्तर के राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विकसित करने का भरोसा जताया है। गुजरात के बनासकांठा स्थित दीसा में पौने चार किमी के एलिवेटेड कारिडोर का लोकार्पण करते हुए गडकरी ने वर्तमान में देशभर में हाईवे निर्माण की गति को भी अब तक का सर्वाधिक बताया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश में हाईवे निर्माण की गति बेहद तेज है।

देश को मिली एक डोज वाली वैक्सीन

जिंदगी का टीका ▶ डीसीजीआइ ने जानसन एंड जानसन की सिंगल डोज वैक्सीन को दी मंजूरी

स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर दी जानकारी, कहा–कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई होगी मजबूत

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना महामारी की संभावित तीसरी लहर को मात देने के लिए देश को एक और हथियार मिल गया है। भारत के दवा महानियंत्रक (डीसीजीआइ) ने अमेरिकी दवा कंपनी जानसन एंड जानसन की कोरोना रोधी वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है। सबसे खास बात यह है कि यह एक डोज की वैक्सीन है और तीसरे चरण के परीक्षण में बहुत कारगर पाई गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को जानसन एंड जानसन की वैक्सीन को मंजूरी मिलने की जानकारी दी। मांडविया ने ट्वीट किया, 'भारत ने अपने वैक्सीन बास्केट का विस्तार किया है। जानसन एंड जानसन की सिंगल डोज वैक्सीन को भारत में इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल गई है। भारत में अब तक पांच वैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल चुकी है। इससे कोविड-19 के खिलाफ हमारी सामूहिक लड़ाई को ताकत मिलेगी।'

आवेदन के दिन ही मिली मंजूरी

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी दवा कंपनी ने पांच अगस्त यानी शुक्रवार को अपनी सिंगल डोज वैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी (ईयूए) के लिए आवेदन किया था। डीसीजीआइ ने उसी दिन उसे मंजूरी प्रदान कर दी।

जानसन एंड जानसन की सिंगल डोज वैक्सीन (फाइल)। रायटर

कौन वैक्सीन कितनी कारगर

वैक्सीन	कारगरता
कोविशील्ड	90%
कोवैक्सीन	81%
माडर्ना	94.1%
स्पुतनिक-वी	91.6%
जानसन	85%

अभी तक दो डोज वाली ही वैक्सीन थीं

भारत में टीकाकरण अभियान में अभी तक इस्तेमाल की जा रही वैक्सीन दो डोज वाली हैं। कोविशील्ड की दो डोज 84 दिन के अंतराल पर लगाई जाती है, जबकि कोवैक्सीन के बीच चार से छह हफ्ते का अंतराल रखा जाता है। जानसन की यह पहली सिंगल डोज वाली वैक्सीन है।

फैसले पर कंपनी ने जताई खुशी

सिंगल डोज वैक्सीन को डीसीजीआइ से मंजूरी मिलने पर खुशी जताते हुए जानसन एंड जानसन ने कहा कि इससे महामारी को खत्म करने की लड़ाई में और तेजी आएगी। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, 'हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत सरकार ने जानसन एंड जानसन की सिंगल डोज वैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है, ताकि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों को कोरोना महामारी से सुरक्षा दी जा सके।' प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह फैसला तीसरे चरण के परीक्षण में मिले प्रभाव और सुरक्षा के आंकड़ों पर आधारित है, जो यह बताता है कि हमारी सिंगल डोज वैक्सीन गंभीर बीमारी को रोकने में 85 फीसद कारगर है। यह वैक्सीन लेने के 28 दिन बाद से कोरोना संक्रमण होने पर भी अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं पड़ती और मरीज की जान भी सुरक्षित रहती है।

16 जनवरी से शुरू हुआ टीकाकरण अभियान

देश में कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान 16 जनवरी को शुरू हुआ था। इसकी शुरुआत कोविशील्ड और कोवैक्सीन के साथ हुई थी। अप्रैल में स्पुतनिक-वी को मंजूरी मिली और मई से उसे लगाया जाने लगा। लेकिन प्रतिकूल प्रभाव की स्थिति में क्षतिपूर्ति को लेकर माडर्ना की वैक्सीन का अभी देश के टीकाकरण अभियान में इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है।

जानसन ने पहले ट्रायल की मांगी थी अनुमति

जानसन ने पहले इस वैक्सीन के तीसरे चरण के परीक्षण के लिए मंजूरी मांगी थी। कंपनी ने दो समूहों में 600 लोगों पर परीक्षण की मंजूरी मांगी थी। एक समूह 18–60 वर्ष के लोगों का और दूसरा 60 साल से अधिक उम्र के लोगों का था, लेकिन 29 जुलाई को कंपनी ने अपने इस प्रस्ताव को वापस ले लिया था, क्योंकि भारत ने क्लिनिकल ट्रायल को लेकर नियमों में कुछ ढील दी थी।

अब तक पांच वैक्सीन को मंजूरी

जानसन एंड जानसन की इस सिंगल डोज वैक्सीन को मिलाकर अब तक देश में कोरोना रोधी पांच वैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी मिल चुकी है। सबसे पहले सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआइआइ) की कोविशील्ड और भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को मंजूरी मिली थी। उसके बाद रूसी वैक्सीन स्पुतनिक-वी को मंजूरी मिली, जिसका उत्पादन और विपणन का काम हैदराबाद की डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज कर रही है। उसके बाद अमेरिकी कंपनी माडर्ना की वैक्सीन को मंजूरी दी गई और अब इस दूसरी अमेरिकी कंपनी की वैक्सीन को भी मंजूरी मिल गई है।

कांग्रेस का दावा, राहुल का अकाउंट निलंबित, ट्विटर ने किया इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि ट्विटर ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अकाउंट को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। ट्विटर ने कांग्रेस के इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि राहुल गांधी का अकाउंट चालू है। इसके बाद कांग्रेस ने कहा कि राहुल गांधी के ट्विटर अकाउंट को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया है।

राहुल गांधी

माना जा रहा है कि ट्विटर ने यह कार्रवाई राहुल गांधी के एक विवादित पोस्ट के बाद की है, जिसमें उन्होंने दिल्ली की नौ वर्षीय बच्ची के माता-पिता से मुलाकात की तस्वीर ट्विटर पर साझा की थी। इस बच्ची की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। ट्विटर ने माना कि इस पोस्ट ने उसकी निजी जानकारी पोस्ट नहीं करने के नियमों का उल्लंघन किया।

कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि गांधी के अकाउंट को अस्थायी रूप से सीमित कर दिया गया है। वह इंटरनेट मीडिया साइट पर ब्राउज करने करने के साथ ही सीधे संदेश भी भेज सकते हैं, लेकिन ट्वीट, रिट्वीट, फालो या लाइक नहीं कर सकते।

12 घंटे बाद अकाउंट को दोबारा चालू कर दिया जाएगा पेज>>4

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब को कार से कुचलने की कोशिश

अगरतला, प्रेट्र : त्रिपुरा के मुख्यमंत्री बिप्लब कुमार देब की हत्या का प्रयास करने के आरोप में तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। सीएम देब गुरुवार शाम उस समय बाल-बाल बच गए, जब एक तेज रफ्तार कार से उनको कुचलने की कोशिश की गई। उन्होंने दूसरी ओर कूदकर अपनी जान बचाई। कार उनके सुरक्षा घेरे में घुस गई थी। इसमें उनका एक सुरक्षाकर्मी घायल हो गया।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री देब श्यामा प्रसाद मुखर्जी लेन स्थित अपने सरकारी आवास के निकट गुरुवार शाम टहलने के लिए निकले थे। उसी दौरान कार सवार तीन व्यक्ति उनके सुरक्षा घेरे में घुस गए। कार जैसे ही देब के पास से गुजरी, वह तेजी से दूसरी ओर कूद गए, गए।

इस घटना में उनका सुरक्षाकर्मी मामूली रूप से घायल हो गया। सीएम के सुरक्षा दस्ते ने कार को रोकने का प्रयास किया, लेकिन पकड़ में नहीं आई। पुलिस के अनुसार, तीन व्यक्तियों को शहर के केरचाऊमुहानी से गिरफ्तार किया गया। उनकी कार भी जब्त कर ली गई है।

तीनों आरोपितों को शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पीपी पाल की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की रिमांड पर जेल भेज दिया गया। सहायक लोक अभियोजक विद्युत सूत्रधार ने बताया कि तीनों आरोपितों की उम्र 20 वर्ष से ज्यादा है और उनकी मंशा के बारे में अभी कुछ पता नहीं चला है। पुलिस पूछताछ में उनके इरादे का पता लगाने का प्रयास करेगी।

- सुरक्षा घेरे में घुस गई थी कार, दूसरी तरफ कूदकर बचाई जान
- एक सुरक्षाकर्मी घायल, पुलिस ने तीन लोगों को किया गिरफ्तार

बिप्लब कुमार देब — जागरण आर्काइव

असम से लगी सीमा पर मेघालय के ड्रोन सर्वे से लोगों में तनाव

गुवाहाटी : मेघालय द्वारा असम के खानापारा इलाके में ड्रोन का इस्तेमाल कर सीमा सर्वेक्षण से स्थानीय लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। शनिवार को हुई इस घटना से पूर्वोत्तर के दो पड़ोसी राज्यों में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। असम सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कामरूप मेट्रोपालिटन जिले के अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई। (पेज-4)

वृथ विजय का बिगुल, सांसद-मंत्री भी होंगे पन्ना प्रमुख

लखनऊ : उत्तर प्रदेश में विस चुनाव में जीत को कैसे दोहराना है, इसकी पूरी रणनीति भाजपा नेतृत्व तय कर चुका है। अब इसे जमीनी स्तर पर लागू कैसे करना है, यह समझाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उप्र प्रवास के पहले दिन मैराथन बैठकें कीं। मंत्रियों को मंत्र दिया कि विभागीय काम जल्द पूरे कर कोरोना का दुष्प्रभाव कम करें। (पेज-6)

गोगरा पर बनी सहमति से ब्रिक्स शिखर बैठक की खुलेगी राह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थित गोगरा इलाके में सैन्य तैनाती खत्म करने को लेकर भारत और चीन के बीच बनी सहमति आगामी ब्रिक्स बैठक पर भी सकारात्मक असर डाल सकती है। पांच देशों ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका के संगठन ब्रिक्स की अध्यक्षता इस बार भारत कर रहा है। ब्रिक्स के तहत तमाम बैठकों का दौर चल रहा है और अनुमान इस वर्ष की सभी बैठकों का आयोजन डिजिटल माध्यम से ही हो रहा है। इस माह भी ब्रिक्स पर्यावरण मंत्रियों, वित्त मंत्रियों, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की अलग-अलग बैठकें होंगी, लेकिन शिखर बैठक की तिथि को लेकर सदस्य देशों के बीच अभी अंतिम फैसला नहीं हो पाया है।

जानकारों का कहना है कि अगर एलएसी पर स्थित दो अन्य क्षेत्रों हाट स्प्रिंग व देपसांग में सैन्य तनाव खत्म करने को लेकर भी सहमति जल्द बन जाती है तो फिर सामान्य रूप से शिखर सम्मेलन की संभावना भी बन सकती है। भारतीय पक्ष यह मान कर चल रहा है कि गोगरा इलाके को खाली करने के बाद चीन शेष बचे दो इलाकों से सैनिकों की मई 2020 से पहले वाली स्थिति पर ले जाने के लिए भी जल्द ही तैयार हो जाएगा। दोनों देशों के बीच इस बारे में कूटनीतिक स्तर की अगली वार्ता को लेकर संपर्क बना हुआ है। सनद रहे कि दोनों देशों के बीच सैन्य तनाव कम करने के लिए बारी-बारी से कूटनीतिक और कमांडर स्तर की वार्ता चल रही है। पिछले वर्ष भी ब्रिक्स की शिखर बैठक का आयोजन वर्चुअल ही किया गया था। हालांकि तब ब्रिक्स के रक्षा मंत्रियों और विदेश मंत्रियों की बैठक सामान्य रूप से हुई थी, लेकिन शिखर बैठक के लिए वर्चुअल जरिया ही चुना गया था। रूस के काफी दबाव के बावजूद भारत ने सामान्य बैठक के लिए रजामंदी नहीं दी थी।

इस बार रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी भारत-रूस शिखर बैठक के लिए भारत आना है। इस बारे में उनकी पीएम नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बात हुई है। दोनों देश इस वर्ष शिखर बैठक को हर हाल में आयोजित करना चाहते हैं। हर वर्ष होने वाली यह बैठक 2020 में नहीं हो पाई थी। ऐसे में ब्रिक्स शिखर बैठक का अगर आयोजन भारत में होता है तो उसके साथ भारत-रूस शिखर बैठक का आयोजन भी शामिल किया जा सकता है। सनद रहे कि कई अंतरराष्ट्रीय जानकार हाल के दिनों में भारत और चीन के रिश्तों में लगातार तनाव को देखते हुए ब्रिक्स के भविष्य को लेकर भी सवाल उठाने लगे हैं।

संबंधों में सुधार

- इस साल भारत कर रहा ब्रिक्स की अध्यक्षता, सामान्य रूप से हो सकती है शिखर बैठक
- फिलहाल डिजिटल माध्यम से हो रहा सभी बैठकों का आयोजन

आगे भी बनी रहेगी ब्रिक्स जैसे संगठनों की प्रासंगिकता

दूसरी तरफ अमेरिका के नेतृत्व में क्वाड (अमेरिका, भारत, जापान व आस्ट्रेलिया का संगठन) में शामिल होने के बावजूद भारत मानता है कि ब्रिक्स जैसे संगठनों की प्रासंगिकता आगे बनी रहेगी। यही वजह है कि चीन के साथ तनाव के बावजूद वह ब्रिक्स की हर बैठक को पूरी तवज्जो देता है।

प्रयास

नए कोर्स तैयार करने में ली जा रही नामी कंपनियों की मदद, 50 फीसद छात्रों को किसी न किसी स्किल से जोड़ने की सिफारिश की गई है

स्कूलों से हुनरमंद बनकर निकलेगी नई पीढ़ी

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

पढ़ाई के साथ देश की नई पीढ़ी को हुनरमंद बनाने की पहल का असर दिखने लगा है। स्कूली स्तर से ही यह मुहिम तेज हुई है। इसके तहत उद्योगों की जरूरत के आधार पर स्किल से जुड़े नए-नए कोर्स डिजाइन किए जा रहे हैं, जिसमें संबंधित क्षेत्र की नामी कंपनियों की भी मदद ली जा रही है। इस दौरान स्कूलों में स्किल से जुड़े जिन कोर्स को प्रमुखता से शुरू किया जा रहा है, वे डाटा साइंस और कोडिंग हैं, जिसके लिए इस क्षेत्र की बड़ी कंपनी माइक्रोसाफ्ट की मदद ली गई है।

स्कूलों में स्किल से जुड़े कोर्स को शुरू करने की यह पहल नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के आने के बाद ही तेज हुई है, जिसमें वर्ष 2025 तक स्कूलों व उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले 50 फीसद छात्रों को किसी न किसी स्किल से जोड़ने की सिफारिश की गई है। जिसके बाद ही रुचि सामने आई है। हाल ही में सरकार ने शिक्षा मंत्रालय और स्किल मंत्रालय की जिम्मेदारी एक मंत्री को देकर इस मुहिम को और तेज करने के संकेत दिए हैं। फिलहाल अब तक जो जानकारी सामने आई है उनमें वर्ष 2021-22 के नए शैक्षणिक सत्र में ही देश भर के 12 हजार से ज्यादा स्कूलों ने स्किल के पाठ्यक्रमों को अपनाया है। इनमें सबसे ज्यादा करीब 12 सौ स्कूल अकेले मध्य प्रदेश के ही हैं। बाकी राज्यों में भी इसे लेकर रुझान बढ़ा है।

इस बीच सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) ने अपने से संबद्ध सभी स्कूलों के लिए कोडिंग व डाटा साइंस के कोर्स तैयार किए हैं। इनमें कोडिंग की पढ़ाई छठवीं से आठवीं तक होगी, जबकि डाटा साइंस की पढ़ाई आठवीं से होगी। हालांकि ये कोर्स छात्रों की अतिरिक्त दक्षता बढ़ाने वाले और पूरे सत्र में कुल 12 घंटे की अवधि के होंगे।

इसके साथ ही डाटा साइंस को नौवीं से 12वीं के बीच एक वैकल्पिक विषय के रूप में शुरू किया गया है। इसके लिए पाठ्यक्रम तैयार करने में माइक्रोसाफ्ट कंपनी की मदद ली गई है। वहीं स्कूलों के लिए अभी तक जो अन्य कोर्स तैयार किए गए हैं, उनमें कृषि, निर्माण, हेल्थ केयर, टूरिज्म एंड हास्पिटैलिटी व टेलीकाम आदि क्षेत्रों से जुड़े हैं। इन कोर्स को भी तैयार करने के लिए इस क्षेत्र से जुड़े उद्योगों की मदद ली जा रही है। एनसीईआरटी से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक जो भी नए कोर्स डिजाइन किए जा रहे हैं, उनके लिए केंद्रीय व्यवसायिक शिक्षा संस्थान से मंजूरी ली जा रही है। जिसे इस क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल है।

बदलती शिक्षा

- वर्ष 2021–22 के सत्र में ही 12 हजार से ज्यादा स्कूलों ने नए पाठ्यक्रम अपनाए
- वर्ष 2025 तक स्कूलों से जुड़े 50 फीसद छात्रों को दक्ष बनाने का लक्ष्य

भविष्य संवारने की कवायद। फाइल फोटो/इंटरनेट मीडिया

27 शहरों में 1058 किलोमीटर मेट्रो नेटवर्क का निर्माण चल रहा है। इसका निर्माण पूरा होने पर देश में मेट्रो का नेटवर्क 1779 किलोमीटर हो जाएगा। यह जानकारी केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दी।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 8 अगस्त, 2021

'कांग्रेस ने पाखंड किया, हमारी सरकार ने गरीबों के लिए काम'

बोला हमला ▶ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के निश्शुल्क राशन वितरण कार्यक्रम में मोदी ने पूर्व की सरकार को दिखाया आईना

कहा- अब केंद्र सरकार से एक रुपया जाता है तो गरीबों तक 100 पैसे पहुंचते हैं

नईदुनिया, भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों की स्थिति के लिए पहले की कांग्रेस सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पहले कुछ लोग गरीबों के बारे में सवाल करते थे और खुद ही जवाब देते थे। वे कहते थे कि गरीबों को सड़कों की क्या आवश्यकता है? गैस की क्या जरूरत है? पैसा ही नहीं है तो वह बैंक खाता खोलकर क्या करेगा? यह कुछ न करने का बहाना था। परिणाम यह हुआ कि गरीब मूलभूत सुविधाओं से दशकों तक दूर रहा। यह उनका पाखंड था। यह गरीबों से उनकी झूठी सहानुभूति थी। उन्होंने गरीबों का नाम खूब लिया, लेकिन कल्याण के लिए कुछ नहीं किया। हम आप ही लोगों के बीच से आए हैं, इसलिए आप जैसे लोगों के लिए पहले ही दिन से काम कर रहे हैं। हमने सही मायनों में गरीब को ताकत देने का काम किया है। अब केंद्र से एक रुपया जाता है तो गरीबों तक 100 पैसे पहुंचते हैं। कोरोना काल में भी गरीब पहले दिन से सरकार की प्राथमिकता में हैं। कोरोना संकट से सफलतापूर्वक निपटना भारत के सामर्थ्य को दिखाता है

यह भी कहा

- कोरोना काल में पहले दिन से सरकार की प्राथमिकता में रहे गरीब
- देश के करीब 80 करोड़ लोगों को दिया जा रहा मुफ्त राशन
- आत्मनिर्भरता के लिए वोकल फार लोकल होना जरूरी
- लोग मास्क पहननें और शारीरिक दूरी का पालन करें

शिवराज जी के नेतृत्व में बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकला मध्य प्रदेश

पीएम मोदी ने कहा कि शिवराज जी के नेतृत्व में मध्य प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकला है। यहां के शहर स्वच्छता और विकास के नए प्रतिमान गढ़ रहे हैं। यह सब सरकार के कामकाज का नतीजा है। किसानों की मदद के लिए रास्ते निकाले। मप्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर रिकार्ड खरीदारी की। केंद्र की योजनाओं को डबल इंजन (केंद्र और राज्य में भाजपा सरकार) की सरकार ने संवारकर राज्य को आगे बढ़ाया है।

नई दिल्ली में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों से बात करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। एएनआइ

> हम आप ही लोगों के बीच से आए हैं, इसलिए आप जैसे लोगों के लिए काम कर रहे हैं। हमने सही मायनों में आपको ताकत देने का काम किया है।
> -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पीएम मोदी शनिवार को मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कार्यक्रम के तहत आयोजित निश्शुल्क राशन वितरण समारोह को आनलाइन संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि रोजगार सुनिश्चित करने के लिए सस्ता कर्ज उपलब्ध कराया जा रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर रोजगार का बड़ा माध्यम है, इस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को निश्शुल्क राशन पहुंचाने के साथ आठ करोड़ लोगों को गैस और 20 करोड़ से अधिक महिलाओं के जनधन खातों में 30 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। श्रमिकों और किसानों के बैंक खातों में भी हजारों करोड़ रुपये जमा कराए हैं। अब दूसरे राज्यों में काम कर रहे श्रमिकों के लिए वन नेशन-वन राशन कार्ड की व्यवस्था की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कोरोना संकट से सारी दुनिया प्रभावित हुई है। बड़ी आबादी वाला राष्ट्र होने के कारण हम पर सभी की निगाह थी कि हम इससे कैसे निपटते हैं। हमने पहले दिन से गरीबों और श्रमिकों के भोजन की चिंता की। मुफ्त राशन पहुंचाया ताकि भुखमरी की स्थिति न बने। टीकाकरण तेजी से हो और काम-धंधा भी चले, इस पर भी काम किया है। कोरोना संकट में हर मोर्चे पर एकसाथ लड़कर सफलता पाना भारत के सामर्थ्य को दिखाता है। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना के प्रति सतर्कता आवश्यक है। तीसरी लहर को रोकने के लिए मिलकर प्रयास करें। मास्क, टीकाकरण और दो गज शारीरिक दूरी का पालन करें।

मानसून सत्र के तीसरे सप्ताह में रास से आठ विधेयक पारित

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद के मौजूदा मानसून सत्र के तीसरे सप्ताह में राज्यसभा से आठ विधेयक पारित किए गए। इससे सदन की उत्पादकता बढ़कर 24.2 फीसद करने में मदद मिली है। राज्यसभा के अनुसंधान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले हफ्ते उच्च सदन की उत्पादकता 13.70 फीसद थी। सत्र के पहले हफ्ते इसकी उत्पादकता सबसे अधिक 32.20 फीसद रही थी। राज्यसभा के अधिकारी ने बताया कि मानसून सत्र के शुरुआती तीन सप्ताह में उच्च सदन की कुल उत्पादकता 22.60 फीसद रही। 19 जुलाई को मानसून सत्र शुरू होने के बाद से उच्च सदन की कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। विपक्षी सदस्य पेगासस जासूसी कांड और किसानों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा कर रहे हैं।

आंकड़ों के मुताबिक, पिछले सप्ताह 17 दलों के 68 सदस्यों ने विधेयकों को पारित करने से पहले चर्चा में हिस्सा लिया। विधेयकों पर हुई चर्चा में अन्नाद्रमुक, आम आदमी पार्टी, बीजद, भाजपा, कांग्रेस, भाकपा, माकपा, द्रमुक, जदयू, राकांपा, राजद, आरपीआइ, शिवसेना, तेदेपा, टीएमसी (मूपनार), टीआरएस व वाईएसआर कांग्रेस के सदस्यों ने हिस्सा लिया। मनोनीत सदस्यों और इन 17 दलों के कुल सदस्यों की संख्या रास के मौजूदा संख्याबल का 87 फीसद है।

12 घंटे बाद अकाउंट को चालू कर दिया जाएगा

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

पार्टी सूत्रों ने बताया कि ट्विटर ने कहा है कि गांधी द्वारा उसके नियमों का उल्लंघन करने वाले ट्वीट को हटाने के 12 घंटे बाद उनके अकाउंट को दोबारा चालू कर दिया जाएगा। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि राहुल ने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्होंने बच्ची के घरवालों की सहमति से ही फोटो को पोस्ट किया था।

कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया, 'राहुल गांधी का अकाउंट अस्थायी रूप से निलंबित हुआ है। इसकी बहाली के लिए जरूरी प्रक्रिया चल रही है। तब तक वह इंटरनेट मीडिया के दूसरे प्लेटफार्म के साथ आपके साथ जुड़े रहेंगे और लोगों के लिए आवाज उठाते रहेंगे। उनकी लड़ाई जारी रहेगी। जय हिंद।' कांग्रेस के दावे के संबंध में पूछे गए सवाल पर ट्विटर ने कहा कि वह यह पुष्टि कर सकती है कि अकाउंट को निलंबित नहीं किया गया है और वह सेवा में बना हुआ है।

गौरतलब है कि बुधवार को जब राहुल ने बच्ची के माता-पिता के साथ तस्वीर को साझा किया था तो उसके बाद राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने ट्विटर और दिल्ली पुलिस को पत्र भेजकर इस मामले में कार्रवाई के लिए कहा था।

कोरोना महामारी के दौरान भी प्रधानमंत्री ने सुनिश्चित किया विकास : शाह

अहमदाबाद, प्रेट्र : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पूरी दुनिया को प्रभावित करने वाली कोरोना वायरस महामारी के दौरान भी भारत ने विकास की रफ्तार को कम नहीं होने दिया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देश ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई जीत ली है।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के कार्यकाल के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर मनाए जा रहे विकास दिवस पर अपने डिजिटल संबोधन में गृह मंत्री ने कहा, जब पूरी दुनिया में विकास का पहिया थम गया था, तब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास की गति बनी रही। हमने कोरोना वायरस के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ी और यहां तक कि लड़ाई जीती भी। इसी के साथ हमने विकास भी जारी रखा।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री रूपाणी व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के नेतृत्व में गुजरात के लोगों ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ी और इसमें भाजपा कार्यकर्ताओं का भी अविस्मरणीय योगदान रहा। विकास के पथ पर बढ़ते रहने के लिए हमने कोरोना वायरस महामारी की पहली और दूसरी लहर को भी पार कर लिया। रूपाणी ने राज्य के मुख्यमंत्री और नितिन पटेल ने उप मुख्यमंत्री पद की शपथ सात अगस्त, 2016 को ली थी। दिसंबर 2017 में भाजपा के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद उन्होंने पुनः पदभार संभाला।

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के कार्यकाल के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर मनाए जा रहे विकास दिवस पर वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। एएनआइ

5,000 करोड़ के विकास कार्यों का किया डिजिटल तरीके से उद्घाटन

अहमदाबाद, राज्य ब्यूरो : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात में 5,000 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया। शाह ने उत्तर गुजरात में बनासकांठा से पालनपुर के बीच डीसा में एलिवेटेड ब्रिज सहित करीब 5,300 करोड़ की विकास परियोजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन और शिलान्यास किया। एलिवेटेड ब्रिज का निर्माण करीब 195 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात में जो विकास एवं जनकल्याण की राजनीति शुरू की उसे पहले आनंदीबेन पटेल ने आगे बढ़ाया तथा अब मुख्यमंत्री विजय रूपाणी व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल की सरकार आगे बढ़ा रही है।

तकनीकी स्टाफ की कमी से जूझ रहीं ग्रामीण विकास की योजनाएं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ मनरेगा और पीएमजीएसवाई जैसी योजनाएं हो रहीं प्रभावित

पंचायत स्तर पर तकनीकी स्टाफ की भारी कमी का असर ग्रामीण विकास की कई बड़ी विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर पड़ रहा है। इससे जहां विकास कार्यों में कई तरह की खामियां पाई जा रही हैं, वहीं कई योजनाएं समय से पूरी नहीं हो पाती हैं। मनरेगा और पीएमजीएसवाई जैसी प्रमुख योजनाएं सीधे तौर पर प्रभावित हो रही हैं।

विभिन्न राज्यों में पंचायत और ब्लाक स्तर पर ऐसे कर्मचारियों की नियुक्तियां नहीं हो रही हैं। इसके चलते योजनाओं के पूरा करने में अनावश्यक देरी हो रही है।

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के निर्देश के बावजूद ज्यादातर राज्यों में तकनीकी स्टाफ की कमी है। मंत्रालय का कहना है कि इस बाबत राज्यों को प्रत्येक पंचायत में जूनियर टेक्निकल सहायक की नियुक्ति के साथ राज्यों के आग्रह पर सभी जगह बेयरफुट टेक्निशियन (बीएफटी) प्रशिक्षित किए गए। सिविल कार्य संबंधी तकनीकी मामलों में भी बीएफटी को प्रशिक्षित किया गया। इन्हें किए जाने वाले भुगतान की राशि, राज्यों को मिलने वाले फंड से दी जाती है।

केंद्र सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत जिन राज्यों में एक हजार करोड़ रुपए अथवा इससे अधिक का व्यय होता है, उन राज्यों में चीफ इंजीनियर की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय सेल गठित करने को कहा है। जबकि एक हजार करोड़ रुपए से कम व्यय वाले राज्यों में एक्जीक्यूटिव स्तर के इंजीनियर की अध्यक्षता में इस तरह की समिति गठित करने का निर्देश है। इनकी नियुक्तियां राज्य सरकारें अन्य तकनीकी विभागों से करेंगी।

केंद्र सरकार के इन प्रविधानों के बावजूद राज्यों में फिलहाल ब्लाक स्तर पर केवल 19,103 जूनियर इंजीनियर अथवा सहायक इंजीनियर नियुक्त हैं, जबकि पंचायत स्तर पर 45,010 तकनीकी सहायक नियुक्त किए गए हैं। देश में कुल 2.52 लाख से अधिक ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें से दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में कोई तकनीकी स्टाफ नियुक्त नहीं है। इसके अभाव में ग्राम स्तर पर तकनीकी कार्य कराने में भारी दिक्कत होती है। ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण में मनरेगा, पीएमजीएसवाई और आवासीय योजनाओं के साथ कई परियोजनाओं के विकास कार्यों में ढेर सारी खामियां रह जाती हैं, जिससे राजस्व का भारी नुकसान होता है।

केंद्रीय योजनाओं की आवंटित राशि का चार फीसद प्रशासनिक व्यय के लिए निर्धारित होता था, जिसे बाद में घटाकर दो फीसद कर दिया गया है। इसे पुनः बढ़ाकर चार फीसद करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। प्रशासनिक व्यय बढ़ाने से कर्मचारियों की भर्ती का रास्ता खुल जाएगा। दरअसल, पंचायत व ब्लाक स्तर पर होने वाले कार्यों की निगरानी और तकनीकी मदद के लिए राज्यों के कर्मचारी लगाए जाने का प्रविधान है। राज्य स्तर पर नियुक्तियां लंबित होने के चलते लगभग सभी राज्यों में तकनीकी कर्मचारियों की भारी कमी है, जिसका खामियाजा केंद्रीय योजनाओं को भी भुगतना पड़ रहा है।

कर्नाटक में मुख्यमंत्री बोम्मई ने बांटे विभाग, वफादारों को मिली मलाई

▶ कांग्रेस-जेडीएस से आकर मंत्री बने दो नेताओं ने जताया असंतोष

▶ बोम्मई के मंत्रिमंडल में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन से भाजपा में आए दस मंत्री हैं

बेंगलुरु, प्रेट्र : कर्नाटक में मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने शनिवार को अपने मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा कर दिया। ज्यादातर मंत्रियों को वही विभाग दिए गए हैं जो उनके पास बीएस येदियुरप्पा सरकार में थे। बोम्मई ने मंत्रिमंडल गठन में 29 में से 23 मंत्री वही बनाए जो येदियुरप्पा सरकार में थे। छह मंत्री नए हैं।

बोम्मई ने अप्रत्याशित फैसला लेते हुए अरगा जनानेंद्र को गृह और वी सुनील कुमार को ऊर्जा, कन्नड़ और संस्कृति विभाग दिए हैं। 17 मंत्रियों को वही विभाग दिए गए हैं जो उनके पास येदियुरप्पा सरकार में थे। इनमें से आठ वे हैं जो कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन छोड़कर भाजपा के साथ आए थे। बोम्मई के मंत्रिमंडल में कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन से भाजपा में आए कुल दस मंत्री हैं। इनमें शामिल आनंद सिंह और एमटीबी नागराज ने अपने विभाग बदले जाने पर असंतोष जताया है। मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा है कि वह इन मंत्रियों से बात करेंगे और इनकी शंकाओं का समाधान करेंगे। जिन दो विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है, उनमें शामिल आर शंकर ने कड़ा एतराज जताया है। कांग्रेस-जेडीएस से आए इन विधायकों की वजह से ही 2019 में भाजपा कर्नाटक की सत्ता में वापस लौटी थी।

जो छह नए मंत्री बनाए गए हैं, वे लंबे समय से भाजपा के प्रति वफादार हैं या फिर उनकी पृष्ठभूमि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की है। प्रमुख विभाग पाने वाले जनानेंद्र और सुनील कुमार इसी पृष्ठभूमि वाले हैं। अन्य चार- केएस ईश्वरप्पा को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, आर अशोका को राजस्व, कोटा श्रीनिवास पुजारी को समाज कल्याण एवं पिछड़ा वर्ग और बीसी नागेश को शिक्षा विभाग सौंपे गए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पास नियुक्ति और प्रशासनिक सुधार विभाग, राजस्व, खुफिया, कैबिनेट मामले और बेंगलुरु विकास विभाग रखे हैं।

येदियुरप्पा को कैबिनेट मंत्री वाली सुविधाएं

कर्नाटक की बोम्मई सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के लिए कैबिनेट मंत्री वाली सुविधाएं स्वीकृत की हैं। इस बाबत आदेश जारी हो गया है। ये सुविधाएं बोम्मई के मुख्यमंत्री रहने तक जारी रहेंगी। तमाम तरह के कयासों के बीच येदियुरप्पा ने 26 जुलाई को अपने पद से इस्तीफा दिया था। उनका इस्तीफा भाजपा की 75 वर्ष की उम्रसीमा को लेकर बनी नीति के चलते हुआ। इस नीति के तहत येदियुरप्पा अब विधायक के अतिरिक्त किसी अन्य पद पर नहीं रह सकते हैं।

असम से लगी सीमा पर मेघालय के ड्रोन सर्वे से तनाव

गुवाहाटी, प्रेट्र : मेघालय द्वारा असम के खानापारा इलाके में ड्रोन का इस्तेमाल कर सीमा सर्वेक्षण से स्थानीय लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। शनिवार को हुई इस घटना से पूर्वोत्तर के दो पड़ोसी राज्यों में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई।

असम सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कामरूप मेट्रोपालिटन जिले के अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई। कामरूप मेट्रोपॉलिटन उपायुक्त बिस्वजीत पेगू ने बताया कि शुक्रवार को हुई बैठक में ड्रोन और अन्य साधनों से संबंधित राज्यों और सीमाओं का सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासियों के बीच कुछ भ्रम था और वे (सर्वे से) उत्तेजित हो गए। उन्होंने कहा, जिला प्रशासन के अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें मामला समझाया। पेगू ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा मेघालय के अधिकारियों से शुक्रवार की बैठक के मिनट्स उपलब्ध होने तक प्रतीक्षा करने का अनुरोध करने के बाद गतिविधि को फिर से शुरू करने से पहले सर्वे का काम कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमने सैद्धांतिक रूप से इसकी (सर्वे) अनुमति दी है। दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद आम है, 26 जुलाई को इस तरह की नई घटना की सूचना दी गई थी जब असम ने खानापारा क्षेत्र में मेघालय के अधिकारियों द्वारा अपने क्षेत्र के अंदर बिजली के खंभे लगाने के एक कथित प्रयास को विफल कर दिया गया। असम और मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने शुक्रवार को यहां बैठक के दौरान सीमा मुद्दों पर चर्चा की थी, जो 23 जुलाई को शिलांग में इसी तरह की बैठक के बाद हुई थी।

मिजोरम में पेट्रोल और डीजल का संकट

▶ राज्य ने समस्या से निपटने को निर्धारित की वितरण की सीमा

आइजल, प्रेट्रः असम के साथ सीमा विवाद के चलते राष्ट्रीय राजमार्ग-306 पर ईंधन ले जाने वाले टैंकरों सहित वाहनों की आवाजाही बंद रहने के कारण मिजोरम में पेट्रोल-डीजल की किल्लत पैदा हो गई है। इस संकट से निपटने के लिए राज्य सरकार ने अलग-अलग किस्म के वाहनों के लिए ईंधन की मात्रा तय की है।

राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के विभाग द्वारा शुक्रवार को जारी आदेश में कहा गया कि अंतरराज्यीय सीमा विवाद के कारण राज्य को ईंधन के भारी संकट का सामना करना पड़ सकता है। ईंधन पड़ोसी राज्य असम के रास्ते मिजोरम पहुंचता है।

आदेश में कहा गया कि सभी फिलिंग स्टेशनों को निर्देश दिया जाता है कि वे किसी वाहन के लिए निर्धारित मात्रा से अधिक पेट्रोल और डीजल नहीं दें। केवल उन वाहनों के लिए ईंधन दिया जाएगा जो फिलिंग स्टेशनों पर जाते हैं। छह, आठ और बारह पहिया वाहनों जैसे भारी मोटर वाहनों द्वारा एक बार में खरीदे जा सकने वाले ईंधन की मात्रा 50 लीटर और मध्यम मोटर वाहनों जैसे पिकअप ट्रकों के लिए 20 लीटर तक सीमित कर दी गई है। आदेश में कहा गया कि स्कूटर के लिए अधिकतम तीन लीटर, अन्य दोपहिया वाहनों के लिए पांच लीटर और कारों के लिए 10 लीटर ईंधन की मंजूरी दी गई है।

चावल के बोरे, तेल और रसोई गैस ले जाने वाले ट्रकों को उतने ईंधन लेने की मंजूरी होगी, जो राज्य में आने और राज्य से निकलने के सफर के लिए पर्याप्त होगी। फिलिंग स्टेशनों से कंटेनर या गैलन बैरल में ईंधन लेने पर कड़ी रोक लगाई गई है।

राजनीति

खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदले जाने को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज, छग के पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने राज्य में बदली गई योजना की सूची जारी की

छग में बदला जा चुका है सात योजनाओं के नाम

नईदुनिया, रायपुर

▶ रमन सिंह ने कहा, अब तक सात योजनाओं का नाम बदल दिया है। इनमें छह पंडित दीनदयाल उपाध्याय और एक राजमाता विजयाराजे सिंधिया के नाम की योजना

▶ कांग्रेस के प्रवक्ता आरपी सिंह ने ने किया पलटवार- बलिदान और शहादत का अर्थ क्या समझेंगे भाजपा के नेता

खेल रत्न पुरस्कार का नाम बदले जाने को लेकर छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। प्रदेश में ढाई साल के शासनकाल में कांग्रेस सात योजनाओं और एक पुरस्कार का नाम बदल चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने इसकी सूची जारी करते हुए कांग्रेस से सवाल किया है। वहीं, कांग्रेस ने इस पर पलटवार किया है। पार्टी के प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि अंगुली भी न कटाई हो ऐसे दल के नेता बलिदान और शहादत का अर्थ क्या समझेंगे?

पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह ने सरकारी आदेश की प्रति जारी करते हुए बताया है कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने अब तक सात योजनाओं का नाम बदल दिया है। इसमें छह पंडित दीनदयाल उपाध्याय और एक राजमाता विजयाराजे सिंधिया के नाम की योजना शामिल है। वहीं, राज्य सरकार ने दीनदयाल हथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का नाम बदलकर राज राजेश्वरी करणा माता प्रोत्साहन पुरस्कार योजना कर दिया है। डा. रमन ने कहा कि अब केंद्र सरकार ने नाम बदला है तो कांग्रेसी क्यों हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेसी सिर्फ एक परिवार की भक्ति तक ही सीमित हैं।

छत्तीगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह ने ट्वीट करके उन योजनाओं की जानकारी दी है, जिनके नाम कांग्रेस सरकार ने बदले हैं। इंटरनेट मीडिया

उधर, छत्तीसगढ़ कांग्रेस संचार विभाग के सदस्य व प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा है कि मेजर ध्यानचंद हाकी के जादूगर थे, उनके प्रति पूरा देश श्रद्धावनत है, लेकिन स्व. राजीव गांधीजी के नाम पर से हटाया गया खेल अवार्ड उन्हें अपमानित करने के उद्देश्य से किया गया है। वैसे भी जिनके किसी भी नेता ने देश की आजादी से लेकर उसके नवनिर्माण में देश की एकता और अखंडता के लिए अंगुली भी न कटाई हो, ऐसे दल के नेता बलिदान और शहादत का अर्थ क्या समझेंगे। सिंह ने कहा है कि मेजर ध्यानचंद नाम से लाइफ टाइम अचीवमेंट इन स्पोर्ट्स एंड गेम्स का पुरस्कार दिया जाता रहा है। इसमें एक प्रमाण-पत्र, एक विशिष्ट समारोह की पोषाक और दस लाख रुपये का नकद इनाम होता है। दरअसल, मोदी सरकार को हाकी से या मेजर ध्यानचंद से कोई लेना-देना नहीं है। अन्यथा ओलिंपिक हाकी की पुरुष और महिला टीमों के प्रायोजक की जिम्मेदारी ओडिशा सरकार को नहीं उठानी पड़ती। यह भाजपा की केंद्र की मोदी सरकार की हाकी के प्रति उपेक्षापूर्ण रवैये का जीताजागता सुबूत है।

कह के रहेंगे माधव जोशी

200 गांव अंधकार में डूब गए हैं झारखंड के टूंडी ब्लाक के। शनिवार दोपहर बाद हुई बारिश से इन गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है।

न्यूज गैलरी

असम में घुसपैठ कर रहे 10 बांग्लादेशी गिरफ्तार

गुवाहाटी : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पांच बच्चों और चार महिलाओं समेत 10 बांग्लादेशियों को घुसपैठ का प्रयास करते समय दबोच लिया। ये सभी बिना वैध दस्तावेज के भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने जा रहे थे। बीएसएफ की 192वीं बटालियन के जवानों ने गुवाहाटी फ्रंटियर के तहत पकड़ा। (एनआइ)

तीन लोग 117 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार

कुल्लू : कुल्लू पुलिस ने हेरोइन समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनसे 117 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। आरोपितों की पहचान विकास हुड्डा विक्रम दहिया दोनों निवासी सोनीपत, हरियाणा व 22 वर्षीय सुष्मिता निवासी छवि विराग मालवीय नगर नई दिल्ली के रूप में हुई है। (जासं)

प्रतिबंध हटने के बाद गोवा से यूएई के लिए पहले विमान ने भरी उड़ान

पणजी : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) द्वारा भारत समेत छह देशों से आवाजाही पर लगा प्रतिबंध हटा लेने के बाद गोवा हवाई अड्डे से यूएई के लिए 30 यात्रियों को लेकर पहला विमान रवाना हुआ। महामारी के दौरान लंबे समय तक विमानों की आवाजाही बंद रही। भारत के अलावा यूएई ने पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल, नाइजीरिया और युगांडा पर से भी प्रतिबंध हटा लिया है। (एएनआइ)

पूर्व माओवादी नेता पूर्णेंदु मुखर्जी का निधन

कोलकाता : शीर्ष माओवादी नेता रहे पूर्णेंदु शेखर मुखर्जी का शनिवार को कोलकाता में निधन हो गया। प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के पूर्व केंद्रीय समिति सदस्य रहे मुखर्जी 75 वर्ष के थे। मुखर्जी को 2011 में बिहार से अन्य केंद्रीय समिति के सदस्यों वाराणसी सुब्रह्मण्यम, विजय कुमार आर्य और जगदीश मास्टर के साथ गिरफ्तार किया गया था। 2015 में जमानत पर रिहा होने के बाद से उन्होंने अपने भूमिगत जीवन को त्याग दिया था और दक्षिण कोलकाता के बांसद्रोणी इलाके में सार्वजनिक रूप से रह रहे थे। (राज्य ब्यूरो)

हार्डकोर नक्सली के घर से कारबाइन व दो मैगजीन बरामद

जमुई : बिहार के जमुई जिले में सुरक्षाबलों ने छापेमारी के दौरान शनिवार को हार्डकोर नक्सली सुनील मरांडी के घर से कारबाइन व कारतूस बरामद किए हैं। जमुई जिले के बोंगी पंचायत के टोला पहाड़ कदवार में सुनील के घर पर साजिश रचने वार अन्य नक्सली भी जमा हुए थे। इसी सूचना पर छापेमारी की गई, मगर सभी फरार होने में सफल रहे। एसपी (अभियान) सुधांशु कुमार ने बताया कि उक्त स्थान पर नक्सली गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 16वीं वाहिनी के कंपनी कमांडर पीके मंडल के नेतृत्व में थानाध्यक्ष चकाई राजीव कुमार एवं चरकापत्थर थानाध्यक्ष राजाराम शर्मा द्वारा छापेमारी की गई। छापेमारी में नक्सली सुनील मरांडी के घर से धान की टोकरी में एक कारबाइन, दो मैगजीन व नाइन एमएम के पिस्टल की गोलियां बरामद की गईं। मौके से सुनील के अलावा चार अन्य नक्सली भागने में सफल रहे। बताया गया कि सुनील पिछले पांच साल से नक्सली संगठन में सक्रिय है। विभिन्न थानों में उसपर आधा दर्जन मामले दर्ज हैं। सुनील मरांडी सुरंग एवं सिद्धू के दस्ते में काम कर चुका है। दो वर्ष पूर्व सुनील चकमा देकर भाग गया था। (जासं)

जनमत मुद्दा

क्या हालिया लांच हुए ई-रुपी वाउचर से नागरिकों को सरकारी योजनाओं में लक्षित, पारदर्शी और लीकेज फ्री डिलिवरी हासिल हो सकेगी?

mudda@jagran.com पर आप अपनी राय हमें भेज सकते हैं।

हाहाकारी हुईं लहरें ...मुश्किल हुए हालात

सुरक्षित निकालने के लिए जुगाड़ का सहारा... कानपुर के घाटमपुर के कई गांव बाढ़ की चपेट में है। यहां यमुना का पानी घुस गया है। सबसे ज्यादा गड़ाथा गांव प्रभावित है। यहां 80 फीसद घर डूब गए हैं। लगभग एक हजार लोग यहां से पलायन कर चुके हैं। शनिवार को एक ग्रामीण ने अपनी बेटी को सुरक्षित निकालने के लिए कूलर की टंकी का सहारा लिया। जागरण

चमोली जिले के जोशीमठ के झड़कुला में भूस्खलन की चपेट में आया होटल। फोटो : साभार स्थानीय निवासी नवीन कठैत

नई दिल्ली

गंगा व यमुना समेत कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में हाहाकारी लहरों ने हालात मुश्किल कर दिए हैं। उत्तर प्रदेश के बहुत से इलाके बाढ़ से घिर गए हैं। आपदाग्रस्त कालपी में शनिवार को नौकायन कर रहे युवकों की नाव लहरों के वेग से असंतुलित होकर पेड़ से टकराकर यमुना में डूब गई। हादसे में चार युवकों के डूबने की सूचना है। मप्र में चंबल नदी खतरे के निशान से चार मीटर ऊपर बह रही है। बारिश के बीच वज्रपात से बिहार में 11 तो झारखंड में 14 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर, बांदा, चित्रकूट में यमुना के जलस्तर में बढ़ोतरी जारी है। चित्रकूट में यमुना तेजी से खतरे के निशान की ओर बढ़ रही है। इससे मऊ व राजापुर तहसील के एक दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ के हालात हैं। बांदा में केन में करीब एक मीटर की और यमुना में लगभग 73 सेमी बढ़ोतरी हुई है। औरैया में यमुना का जलस्तर 117.02 मीटर है। यमुना का चेतावनी बिंदु 112.00 मीटर तथा खतरे का निशान 113.00 मीटर पर है। कन्नौज में गंगा का जलस्तर घटा है, लेकिन हालात सामान्य नहीं हैं। गंगा व काली नदी उफान पर होने से बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। संगमनगरी प्रयागराज बाढ़ के मुहाने पर है।

चमोली में भूस्खलन, चार मंजिला होटल जमींदोज

उत्तराखंड में मानसून की बारिश आफत बनकर बरस रही है। शनिवार को चमोली जिले के गोपेश्वर में भूस्खलन के कारण चार मंजिला होटल जमींदोज हो गया जबकि बागेश्वर में अतिवृष्टि के दौरान तीन मकान ढहने से प्रभावित परिवारों ने पड़ोसियों के यहां शरण ली। उधर, पौड़ी में गोशाला के ऊपर मलबा आने से 51 बकरियां जिंदा दफन हो गईं।

चंबल के साथ क्वारी और सोन नदी भी उफान पर

मध्य प्रदेश के भिंड-मुरैना में नदियों में फिर उफान आ गया है। चंबल के साथ-साथ क्वारी व सोन नदी का जलस्तर बढ़ने लगा। कूनो, पार्वती, बनास आदि नदियों से होते हुए श्योपुर-शिवपुरी का बारिश का पानी चंबल नदी में आ गया है। भिंड में क्वारी नदी में जलस्तर बढ़ने से प्रशासन ने तीन गांव खाली कराए हैं।

केंद्रीय मंत्री तोमर के साथ धक्का-मुक्की

मप्र में बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए क्षेत्रीय सांसद व केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर शनिवार को श्योपुर पहुंचे तो लोग आक्रोशित हो उठे। मंत्री सहित प्रशासन की गाड़ियों पर कीचड़ फेंक दिया। एक पीड़ित व्यक्ति तो उनकी गाड़ी के आगे लेट गया। पुलिस ने उसे व उनके साथ धक्का-मुक्की भी कर दी।

राजस्थान का हाड़ौती जलमग्न

राजस्थान में हाड़ौती का इलाका अब भी जलमग्न है। कोटा जिले में पिछले सात दिनों में हुई बारिश के कारण नदी, नालों का जलस्तर बढ़ गया। सांगोद, खानपुर और इटावा में बाढ़ के हालात बने हुए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रभावित इलाकों का हेलिकाप्टर से सर्वेक्षण किया।

15 वर्ष से अधिक उम्र की पत्नी से यौन संबंध दुष्कर्म नहीं : हाई कोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा है कि भारतीय दंड संहिता की धारा 375 में संशोधन के पश्चात 15 वर्ष से अधिक आयु की पत्नी के साथ पति द्वारा यौन संबंध बनाना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने पत्नी को दहेज के लिए प्रताड़ित करने और अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के आरोपित की जमानत मंजूर कर ली है।

यह आदेश न्यायमूर्ति मोहम्मद असलम ने मुरादाबाद के खुशाबे अली की जमानत अर्जी पर दिया है। याची के खिलाफ उसकी पत्नी ने आठ सितंबर, 2020 को मुरादाबाद के भोजपुर थाने में दहेज उत्पीड़न, मारपीट और धमकी देने के अलावा अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का मुकदमा दर्ज कराया था। याची के अधिवक्ता का कहना था कि मजिस्ट्रेट के समक्ष दिए बयान में पीड़िता ने अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने व दुष्कर्म की बात से इन्कार किया है। आइपीसी की धारा 375 में 2013 में किए गए संशोधन के बाद 15 वर्ष की आयु से अधिक की पत्नी से पति द्वारा यौन संबंध बनाना दुष्कर्म की श्रेणी में नहीं आता है। धारा 375 की व्याख्या संख्या दो में स्पष्ट है कि यदि पत्नी 15 वर्ष से कम आयु की नहीं है तो यौन संबंध बनाना दुष्कर्म नहीं माना जाएगा।

बड़गाम में अल बदर का आतंकी ढेर

आतंक के खिलाफ कार्रवाई ▶ मुठभेड़ में मारा गया आतंकी दो माह पहले अल बदर में हुआ

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में आतंकवाद के खात्मे के लिए सुरक्षाबलों के आपरेशन तेजी से जारी हैं। बड़गाम के मोच्छुवा में शनिवार को सुरक्षाबलों ने अल बदर के आतंकी को मार गिराया। मुठभेड़ के दौरान घेराबंदी तोड़ भागा उसके साथी को पुलिस ने करीब 22 किलोमीटर दूर खिरयु से पकड़ लिया। उसकी मदद करने वाले ट्रक चालक को भी गिरफ्तार किया गया है। मारा गया आतंकी करीब दो माह पहले ही अल-बदर में शामिल होने वाला शाकिर बशीर है। पकड़े गए उसके साथी का नाम शब्बीर अहमद नजार है।

गौरतलब है कि इस वर्ष अब तक जम्मू-कश्मीर में 96 आतंकी मारे गए हैं। इनमें 91 स्थानीय आतंकी ही हैं। बीते दो दिन में प्रदेश में तीन आतंकी मारे गए हैं। इससे पूर्व मंगलवार को थन्नामंडी में दो पाकिस्तानी आतंकी मारे गए थे। पुलिस महानिरीक्षक (आइजीपी) कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि तड़के वहां आतंकियों के छिपे होने का पता चलते ही पुलिस ने सेना की 50 आरआर और सीआरपीएफ के जवानों के साथ मिलकर तलाशी अभियान चलाया। जवानों को अपने ठिकाने की तरफ आते देख आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने उन्हें सरेंडर करने का पूरा मौका दिया। जब वे नहीं माने तो जवाबी कार्रवाई में आतंकी शाकिर बशीर डार मारा गया। वह गोरीपोरा, अवंतीपोरा का रहने वाला था। आतंकी बनने से पहले वह लश्कर-ए-तैयबा का ओवरग्राउंड वर्कर था। शाकिर के शव के पास से एक एके-47 राइफल, दो मैगजीन, 32 कारतूस, एक पिस्तौल व दो मैगजीन और 16 कारतूस, एक पिट्ठू बैग और एक पाउच मिला। आइजीपी ने बताया कि सूचना के मुताबिक, मोच्छुवा में दो आतंकी थे। शाकिर बशीर मारा गया, लेकिन उसका साथी नहीं मिला। जब पड़ताल की तो पता चला कि एक आतंकी भागने में कामयाब रहा। अवंतीपोरा, पुलवामा और शोपियां में अलर्ट जारी कर दिया।

कुलगाम में आतंकी हमला, पुलिसकर्मी शहीद

शहीद हुए पुलिस जवान निसार अहमद के पार्थिव शरीर को ताबूत में रखकर ले जाते पुलिसकर्मी। एएनआइ

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर : दक्षिण कश्मीर के पोम्बे (कुलगाम) में शनिवार को आतंकियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद और दो अन्य घायल हो गए। हमले के बाद भाग निकले आतंकियों को पकड़ने के लिए सुरक्षाबलों ने घटनास्थल के आस-पास के इलाके को घेरते हुए सघन तलाशी अभियान चला रखा है। हालांकि पुलिस ने हमलावर आतंकियों की पुष्टि नहीं की है, लेकिन लश्कर-ए-तैयबा का हिट स्क्वाड कहे जाने वाले आतंकी संगठन टीआरएफ ने इसकी जिम्मेदारी ली है। जानकारी के अनुसार, पुलिस का एक दल जिला कुलगाम के दम्हाल हांजीपोरा इलाके में शाम को नियमित गश्त पर निकला था। इस जगह पर अक्सर पुलिसकर्मी शाम को कुछ समय के लिए नाका लगाते हैं। पास में छिपे आतंकी ने पुलिस दल पर फायरिंग शुरू कर दी।

राजौरी में मुठभेड़ जारी, रुक-रुक कर करते रहे गोलीबारी

जासं, राजौरी : जम्मू के राजौरी जिले की थन्ना मंडी तहसील के भंगाई टाप क्षेत्र में शनिवार को दूसरे दिन भी मुठभेड़ जारी रही। आतंकी रुक-रुक कर गोलीबारी कर रहे हैं। सुरक्षा बल भी इसका जवाब दे रहे हैं और पूरे क्षेत्र को घेर रखा है। इस मुठभेड़ में अब तक दो आतंकी मारे जा चुके हैं। आशंका जताई जा रही है कि घेराबंदी में दो आतंकी फंसे हुए हैं। शनिवार सुबह छिपे आतंकियों ने एक बार फिर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, लेकिन उसके बाद आतंकियों की तरफ से कोई फायरिंग नहीं हुई। शाम को एक बार फिर आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई, जो रात तक जारी रही। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेर रखा है। भंगाई क्षेत्र में जहां से आतंकी फायर कर रहे हैं उसके आसपास लोगों के घर भी हैं। सुरक्षाबल बिना किसी नुकसान के आपरेशन संपन्न करना चाहते हैं।

हरियाणा में कांस्टेबल भर्ती का पेपर लीक, परीक्षा रद

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : हरियाणा पुलिस के कांस्टेबल की भर्ती परीक्षा को पेपर लीक माफिया की नजर लग गई है। कोरोना के कारण लंबे अंतराल से स्थगित चल रही हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) की भर्ती परीक्षाएं शनिवार को शुरू हो गईं, लेकिन पहले ही दिन पुरुष कांस्टेबल की परीक्षा का पेपर लीक हो गया। कैथल में तीन पेपर साल्वर (पेपर हल कर देने वाले) पकड़े गए, जिनके पास आंसर-की (उत्तर पुस्तिका) भी बरामद हुई। इसके बाद एचएसएससी ने शनिवार को दो सत्रों में आयोजित परीक्षा के साथ ही रविवार को होने वाली कांस्टेबल की भर्ती परीक्षा भी रद कर दी है। परीक्षा का नया शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

हरियाणा में पिछले कुछ वर्षों में हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा (एचटेट), एक्साइज इंस्पेक्टर, एचसीएस ज्युडिशियल, नायब तहसीलदार जैसे करीब तीन दर्जन परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। अब पुलिस कांस्टेबल की भर्ती परीक्षा का पेपर भी लीक हो गया। पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया जिनमें से दो जींद और एक युवक थुआ गांव का रहने वाला है।

चारा घोटाला के डोरंडा कोषागार मामले में जल्द आ सकता है फैसला

राज्य ब्यूरो, रांची

- सीबीआइ की ओर से बहस पूरी, अब बचाव पक्ष करेगा बहस
- डोरंडा कोषागार से 139.35 लाख की हुई थी अवैध निकासी

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद से जुड़े चारा घोटाले के सबसे बड़े मामले में जल्द फैसला आ सकता है। सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश एसके शशि की अदालत में शनिवार को सीबीआइ की ओर से बहस पूरी कर ली गई। अब बचाव पक्ष की ओर से बहस की जाएगी। इसके लिए अदालत ने नौ अगस्त की तिथि निर्धारित की है।

चारा घोटाले के इस मामले की सीबीआइ कोर्ट में रोजाना सुनवाई हो रही है। सीबीआइ के विशेष लोक अभियोजक बीएमपी सिंह ने कुल 27 निर्धारित तारीखों में बहस पूरी की। इसमें फिजिकल कोर्ट में 12 दिन भी शामिल हैं। बता दें कि चारा घोटाले के क्रम में डोरंडा कोषागार से 139 करोड़ 35 लाख रुपये की अवैध निकासी हुई थी। इस मामले में लालू प्रसाद, पूर्व सांसद जगदीश शर्मा, डा. आरके राणा समेत 110 अभियुक्त ट्रायल फेस कर रहे हैं।

170 अभियुक्तों के खिलाफ दाखिल की गई थी चार्जशीट : इस मामले में 170 अभियुक्तों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। पहली चार्जशीट आठ मई 2001 को 102 अभियुक्तों के खिलाफ तथा सात जून 2003 को पूरक चार्जशीट में 68 अभियुक्त के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। सितंबर 2005 को सभी पर आरोप तय किया गया था। इस मामले में सीबीआइ ने 11 मार्च 1996 को प्राथमिकी दर्ज की थी। सात आरोपित सरकारी गवाह बनाए गए, दो आरोपितों ने गुनाह कबूल कर लिया। पांच आरोपी फरार चल रहे हैं।

अवैध राशि की होती रही बंदरबांट : बहस के दौरान विशेष लोक अभियोजक बीएमपी सिंह ने बताया कि 1990-91 से लेकर 1995-96 की अवधि में अभियुक्तों ने आपराधिक साजिश रची और 139 करोड़ 35 लाख रुपये की निकासी की।

पत्रकारों ने चंपत राय के भाई के खिलाफ हटाई विवादित पोस्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वरिष्ठ पत्रकार विनीत नारायण और रजनीश कपूर की गिरफ्तारी पर लगी रोक बढ़ा दी है। दोनों पत्रकारों ने रामजन्म भूमि न्यास के पदाधिकारी चंपत राय के भाई के खिलाफ बदनाम करने वाली फेसबुक पोस्ट हटा ली है।

कोर्ट ने बिजनौर के पुलिस अधीक्षक को अगली सुनवाई की तिथि 10 अगस्त को विवेचना की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। दोनों पत्रकारों पर आरोप है कि उन्होंने ट्विटर तथा फेसबुक पर प्रधानमंत्री, उप्र के मुख्यमंत्री व आरएसएस के सर संघ चालक मोहन भागवत का ध्यान आकर्षित करने के लिए पोस्ट डाली। इसमें एनआरआइ अल्का लाहोटी की गोशाला की जमीन कब्जाने का चंपत राय के भाई संजय बंसल पर आरोप है। 17 जून को पोस्ट डालने के बाद संजय बंसल ने 19 जून, 2021 को नगीना थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई।

झील के ऊपर पहुंचते ही टूट गए थे हेलीकाप्टर के तीनों पंख

कमल कृष्ण हैप्पी, पठानकोट

रणजीत सागर बांध में क्रैश हुए सेना के ध्रुव हेलीकाप्टर एएलएच मार्क-4 के लापता पायलट और को-पायलट का अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। हालांकि, सर्च आपरेशन में जुटी टीम ने वह जगह चिह्नित कर ली है, जहां वह हेलीकाप्टर गिरा था। वहां तलाश जारी है। हादसा कैसे हुआ, इसे लेकर अभी तक सभी अलग-अलग कयास लगा रहे थे, लेकिन दैनिक जागरण की टीम शनिवार को घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर उच्चा थड़ा गांव में उस व्यक्ति के घर तक पहुंच गई, जिसने सबसे पहले इस घटना को देखा।

उच्चा थड़ा गांव के अर्पण ठाकुर ने दैनिक जागरण को घटना का आंखों देखा ब्योरा बताया। उन्होंने बताया कि हेलीकाप्टर के तीनों पंख टूट गए थे। गिरते ही धमाका हुआ, जिससे झील का पानी 20 से 25 फीट तक ऊपर उछला। अर्पण ही वह पहले शख्स हैं, जिन्होंने पुलिस, जिला प्रशासन और बांध प्रबंधन को इस घटना की सूचना दी। उनकी सूचना मिलने के 40 मिनट बाद पुलिस वहां पहुंची और सर्च अभियान शुरू किया।

एक मिनट से कम समय में झील में समा गया हेलीकाप्टर : मेरा घर घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर है। घर से थोड़ी ही दूर मेरा फार्म हाउस है। सुबह करीब दस बजे मैं सफाई के काम में व्यस्त था। कुछ मजदूर भी लगा रखे थे। हम आपस में बात कर रहे थे। अचानक 10:45 बजे बादल गरजने जैसी तेज आवाज हुई। पेड़ों से झांक कर देखा तो सामने मामून कैंट की ओर से एक हेलीकाप्टर आता दिखा। मैंने सोचा सेना की सामान्य ड्रिल है और चाय लेने के लिए अंदर जाने लगा कि एक मजदूर ने कहा, 'साहब, यह हेलीकाप्टर काफी नीचे उड़ रहा है।' तभी हेलीकाप्टर चंदरोही के ऊपर होते हुए जम्मू के बसोहली की तरफ चला गया। आगे ही पल यह मुड़ा और जम्मू के पुरथू में खाली जगह पर उतरने की कोशिश की, लेकिन लैंडिंग नहीं हो सकी। फिर इसने यहां से थोड़ा सा टर्न लिया और झील के ऊपर से गुजरने लगा। इसका एक पंखड़ी काफी टेढ़ी हो गई थी। ऐसा पुरथू में लैंडिंग के प्रयास के दौरान हुआ होगा।

मैं वीडियो बनाने के लिए मोबाइल निकालने लगा, लेकिन इतनी देर में हेलीकाप्टर तेजी से नीचे की ओर आया और झील के ऊपर जेर से हिचकोले खाने लगा। हिचकोले खाने के कारण इसकी तीनों पंखड़ी पानी की सतह के टकराते ही टूट कर अलग हो गईं और हेलीकाप्टर झील में समा गया। झील के अंदर जाते ही तीन-चार सेकेंड में जोरदार आवाज के साथ धमाका हुआ और पानी 20 से 25 फीट तक ऊपर उछला। इसकी बौछारें काफी दूर-दूर तक गिरीं। मैंने तत्काल बांध प्रबंधन, पुलिस और जिला प्रशासन को फोन किया और घटना की सूचना दी। करीब 40 मिनट के बाद पुलिस और बचाव दल मौके पर पहुंचा। दूरी ज्यादा होने के कारण किसी को हेलीकाप्टर से जंप करते हुए नहीं देख पाया।

आंखों देखी

- हादसे को सबसे पहले देखने वाले पठानकोट के उच्चा थड़ा गांव के अर्पण ठाकुर के घर पहुंचा दैनिक जागरण
- अर्पण ठाकुर ने सबसे पहले दी थी पुलिस, जिला प्रशासन व बांध प्रबंधन को सूचना

हेलीकाप्टर हादसे को सबसे पहले देखने वाले पठानकोट के उच्चा थड़ा गांव के अर्पण ठाकुर घटना की जानकारी देते हुए। जागरण

तकनीकी खराबी आने के बाद भी संभलने के लिए मिलता है काफी समय

जासं, पठानकोट : रणजीत सागर बांध में सेना के ध्रुव हेलीकाप्टर के क्रैश होने का तकनीकी कारण अभी सामने नहीं आ पाया है। इसलिए, कई संभावनाएं सामने आ रही हैं। दैनिक जागरण ने इसकी संभावित वजह जानने के लिए एयरफोर्स के टेक्निकल विंग में मास्टर वारंट आफसर के पद से सेवानिवृत्त हुए निर्मल सिंह मान से बात की। उन्होंने बताया कि ध्रुव हेलीकाप्टर भारत में ही बना हुआ है। इसे आर्मी दुर्गम क्षेत्र में सामान लाने और ले जाने के लिए उपयोग करती है। पहाड़ी इलाकों, नदी के किनारे, वर्फीले क्षेत्रों में बड़े विमान के उतरने के लिए जगह नहीं होती, इसलिए इसका इस्तेमाल ज्यादा किया जाता है। इसमें चार सीटें होती हैं। हेलीकाप्टर क्रैश होने के कई कारण हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हेलीकाप्टर में खराबी आने के कुछ समय लगता है। यह इतनी जल्दी नहीं गिरता। पहले चेतावनी आ जाती है। पांच अगस्त को हिमाचल प्रदेश में ध्रुव हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। इसमें तकनीकी खराबी आई थी। तकनीकी खराबी आने में कोई भी हेलीकाप्टर कुछ ही मिनटों में क्रैश नहीं होता। लैंडिंग के लिए वक्त मिलता है।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र के भाई के घर पहुंची सीबीआइ

जासं, लखीमपुर : करीब 17 साल पहले खीरी जिले में हुए बहुचर्चित अनाज घोटाले की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) की एक टीम शनिवार को लखीमपुर पहुंची। इस मामले की सुनवाई सीबीआइ की लखनऊ कोर्ट में चल रही है। टीम केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के भाई विजय मिश्र राजू के कपूरथला स्थित आवास पहुंची। सीबीआइ का तीन सदस्यीय दल वहां करीब पंद्रह मिनट तक रुका और उनको नोटिस भी तामील कराई। हालांकि, यह नोटिस था, वारंट था या फिर एनबीडब्ल्यू, पुष्टि नहीं हो पाई। माना जा रहा है कि अनाज घोटाले से तार जुड़े होने के कारण विजय मिश्र को नोटिस जारी करते हुए सीबीआइ ने उनको नौ अगस्त को लखनऊ बुलाया है। पता यह भी चल रहा है कि सीबीआइ ने यही नोटिस शहर के दो अन्य लोगों को भी जारी किया है और उनको भी नौ अगस्त को सीबीआइ कोर्ट में तलब किया गया है।

नीरज की उपलब्धि पर हिंदी सिनेमा जगत भी हुआ गदगद, दी बधाई

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

- अक्षय कुमार ने कहा, आप करोड़ों लोगों की खुशी के आंसुओं के लिए जिम्मेदार हैं
- अजय देवगन ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, राष्ट्रीय ध्वज को गौरवान्वित किया

टोक्यो ओलिंपिक में भाला फेंक में नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम उपलब्धि पर हिंदी सिनेमा की कई बड़ी हस्तियों ने गर्व जाहिर करते हुए इंटरनेट मीडिया पर उनकी तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए बधाई दी।

अभिनेता अक्षय कुमार ने ट्विटर पर लिखा, यह स्वर्ण है। इतिहास रचने पर नीरज चोपड़ा आपको बधाई। आप करोड़ों लोगों की खुशी के आंसुओं के लिए जिम्मेदार हैं। बहुत बढ़िया। नीरज की इस उपलब्धि को शानदार बताते हुए सलमान खान ने ट्विटर पर लिखा, बहुत बढ़िया नीरज, यह अद्भुत है। बधाई हो। भगवान आपको आशीष दें तथा आपका कठिन परिश्रम और समर्पण बनाए रखें। अजय देवगन ने नीरज की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, नीरज चोपड़ा टोक्यो ओलिंपिक में जीत पर आपको बधाई। आपने अपने माता-पिता और राष्ट्रीय ध्वज को गौरवान्वित किया है। मैं बता नहीं सकता कि मैं कितना खुश हूं।

अभिनेत्री कंगना रनोट ने इंस्टाग्राम पर नीरज की कुछ तस्वीरें और वीडियो साझा करते हुए लिखा, क्या बोलूं नीरज। धन्य हैं तुम्हारे माता-पिता और देश। वरुण धवन ने नीरज को लीजेंड बताते हुए इंडिया.. इंडिया.. चिल्लाते हुए अपना एक वीडियो साझा किया। अनुपम खेर ने नीरज की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ये हुंकार, ये दहाड़, ये तिरंगा 130 करोड़ भारतीयों की जीत का प्रतीक है। भारत का असली हीरो। धन्यवाद नीरज चोपड़ा। आज आपकी जीत देखकर ये भारतीय सीना गर्व से चौड़ा हो गया और साथ में खुशी और आभार के दो आंसू भी टपके। जय हिंद।

उत्तराखंड के नशामुक्ति केंद्र में युवती से दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, देहरादून : उत्तराखंड के देहरादून के क्लेमेनटाउन इलाके में चल रहे वाक एंड विन सोबर लिविंग होम एंड काउंसलिंग सेंटर में शर्मनाक करतूत सामने आई है। सेंटर संचालक ने नशा छोड़ने के लिए यहां आई एक युवती के साथ दुष्कर्म किया। इसके साथी तीन अन्य युवतियों से भी वह छेड़छाड़ करता था। पांच अगस्त को सेंटर से भागी चार युवतियों का शनिवार को पुलिस से सामना हुआ तो उन्होंने आपबीती सुनाई। पुलिस ने देवप्रयाग, पौड़ी निवासी सेंटर संचालक विद्यादत्त रतूड़ी और उसकी साझीदार अलीगढ़ उप्र निवासी विभा सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। विभा को गिरफ्तार कर लिया गया है। जबकि, संचालक फरार है। पुलिस ने सेंटर को उपरी मंजिल को सील कर दिया है। एसओ धर्मेंद्र रौतेला ने बताया कि सेंटर संचालक की करतूत से परेशान होकर चार युवतियां बाहर निकल गई थीं। इनमें तीन देहरादून और एक रुड़की की रहने वाली है।

संदिग्ध हमले में 129 भेड़ों की हो गई मौत

सनसनी

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

नैनी के देवरख गांव में पशुबाड़े में रखी 129 भेड़ों की शुक्रवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बाड़े से भेड़ों के 20 बच्चे भी लापता हैं। घटना की वीभत्सता देख कर किसी जानवर के हमले की आशंका जताई जा रही है। मृत भेड़ों का पोस्टमार्टम कर पशु चिकित्सकों ने विसरा सुरक्षित कर लिया है। देवरख गांव के बाहर पशुबाड़ा है। यहां शुक्रवार को 329 भेड़ें थीं और 20 मेमने। दिन ढलने के बाद मुख्य द्वार पर ताला लगाकर पशुपालक चले गए। रात में बाड़े में क्या हुआ किसी को भनक तक न लगी। शनिवार सुबह पशुपालक ताला खोलकर बाड़े में दाखिल हुए तो अवाक रह गए। हर तरफ भेड़ों की लाश पड़ी थी। अधिकांश भेड़ों के चेहरे और पेट में काटने का कोई घाव नहीं था। उनके शरीर पर खरोंच के निशान थे।

नैनी के देवरख स्थित मवेशी बाड़े में शनिवार सुबह मृत मिली भेड़ें। जागरण

हृदयाघात भी हो सकती है मौतों की वजह

जासं, हिसार (हरियाणा) : बड़ी संख्या में भेड़ों की मौत की वजह हृदयाघात भी हो सकती है। केंद्रीय भेड़ प्रजनन संस्थान के निदेशक डा. एके मल्होत्रा का कहना है कि जब भी भेड़ों पर हमला जैसी घटना होती है तो उनमें डर बढ़ जाता है। मनोवैज्ञानिक रूप से वह अनचाहे दबाव में आ जाती हैं। सभी एक कोने में एकत्रित हो जाती हैं। कई डर के कारण एक दूसरे पर चढ़ने लगती हैं। कुछ की दबकर भी मौत होने की आशंका रहती है।

न्यूज गैलरी

विदेश यात्रा पर जाने वाले एम्स में लगवा सकेंगे दूसरी डोज

नई दिल्ली: विदेश यात्रा पर जाने वाले लोगों के लिए राजधानी में टीकाकरण का एक ओर केंद्र उपलब्ध हो गया है। ऐसे लोग एम्स में भी कोविशील्ड टीके की दूसरी डोज लगवा सकेंगे। उनके लिए एम्स के न्यू आरएके ओपीडी में सुबह नौ बजे से लेकर शाम पांच बजे तक टीका लगवाने की सुविधा शुरू की गई है। दिल्ली में अभी तक तीन केंद्रों मंदिर मार्ग स्थित अटल आदर्श बाल विद्यालय, नवयुग स्कूल और चिराग एंक्लेव स्थित कौटिल्य सर्वोदय बाल विद्यालय में ऐसे लोगों के लिए टीकाकरण की सुविधा है। दूसरी डोज लगवाने की सुविधा केवल उन्हीं लोगों के लिए है, जिन्हें पढ़ाई और नौकरी के सिलसिले में विदेश जाना है। उल्लेखनीय है कि ऐसे लोगों के लिए सरकार द्वारा 28 से 84 दिन के बीच दूसरी डोज लगवाने का विशेष प्रविधान किया गया है। (जासं)

रेजिडेंट डाक्टर हड़ताल पर, कार्रवाई की चेतावनी

अहमदाबाद: गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने रेजिडेंट डाक्टरों की मांग को गैरवाजिब बताते हुए उनसे हड़ताल खत्म कर काम पर लौट आने की अपील की है। सरकार ने स्पष्ट कहा है कि डाक्टरों की सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने की मांग मंजूर नहीं होगी। कोरोना महामारी में डाक्टर काम पर नहीं लौटते हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जामनगर में रेजिडेंट डाक्टरों के हास्टल में पानी, बिजली व लिफ्ट सुविधा शुक्रवार रात को ही बंद कर दी गई और अब उन्हें हास्टल खाली करने को कहा गया है। अहमदाबाद, सूरत, राजकोट, वडोदरा, जामनगर तथा भावनगर के करीब दो हजार रेजिडेंट डाक्टर सातवें वेतन आयोग की सिफारिश लागू करने मांग को लेकर कुछ दिनों से हड़ताल पर हैं। (राब्यू)

कोरोना के नए केस और सक्रिय मामले फिर घटे

राहत ▶ देशभर में पाए गए 38 हजार नए मरीज, 617 की मौत

एक्टिव केस दो हजार घटकर हुए चार लाख 12 हजार

जेएनएन, नई दिल्ली

इस महीने दूसरी बार कोरोना संक्रमण के नए मामले 40 हजार से नीचे आए हैं। पहली बार सोमवार को 30 हजार केस पाए गए थे, लेकिन उसकी वजह यह थी कि रविवार को जांच कम हुई थी। बीते 24 घंटे में 38 हजार से कुछ ज्यादा नए मामले पाए गए हैं लेकिन मृतकों की संख्या बढ़ी है और इस दौरान 617 लोगों की जान गई है। कई दिनों बाद नए मामलों से ज्यादा मरीज ठीक हुए हैं। इस तरह सक्रिय मामलों में भी दो हजार की कमी आई है। हालांकि केरल में लगातार मामले बढ़ रहे हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से शनिवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक सक्रिय मामले दो हजार घटकर 4,12,153 रह गए हैं, जो कुल संक्रमितों का 1.29 फीसद है। मरीजों के ठीक होने से उबरने की दर में भी मामूली वृद्धि हुई है और मृत्युदर पहले जितनी ही बनी हुई है। दैनिक और साप्ताहिक संक्रमण दर अभी भी तीन फीसद से नीचे है।

देश में कोरोना की स्थिति	
24 घंटे में नए मामले	38,628
कुल सक्रिय मामले	4,12,153
24 घंटे में टीकाकरण	47.89 लाख
कुल टीकाकरण	50.10 करोड़

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए देशभर में वैक्सीनेशन अभियान जोरों पर है। शनिवार को कोलकाता में वैक्सीन लेती एक महिला। प्रेट्र

शनिवार सुबह 08 बजे तक कोरोना की स्थिति	
नए मामले	38,628
कुल मामले	3,18,95,385
सक्रिय मामले	4,12,153
मौतें (24 घंटे में)	617
कुल मौतें	4,27,371
ठीक होने की दर	97.37 फीसद
मृत्यु दर	1.34 फीसद
पाजिटिविटी दर	2.21 फीसद
सा. पाजिटिविटी दर	2.39 फीसद
जांचें (शुक्र.)	17,50,081
कुल जांचें (शुक्र .)	47,83,16,964

शनिवार शाम 06 बजे तक किस राज्य में कितने टीके

कोरोना पीड़ितों का अंतिम संस्कार करने वाले की दुर्दशा पर नोटिस

नई दिल्ली, एएनआइ : राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक के मुख्य सचिवों और श्रम विभाग के प्रधान सचिवों को नोटिस जारी किया है। आयोग ने कोविड-19 से जिनकी मौत हुई उनके अंतिम संस्कार में जुटे कामगारों की दुर्दशा को लेकर दाखिल एक याचिका पर जवाब मांगा है। एनएचआरसी ने मुख्य सचिवों और दिल्ली, महाराष्ट्र एवं कर्नाटक के श्रम विभाग से मामले की जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। अपने आदेश में एनएचआरसी ने कहा, 'शिकायत में जो आरोप लगाए गए हैं वे गंभीर प्रकृति के हैं और मानवाधिकार का उल्लंघन करते हैं। 'एनएचआरसी में सुप्रीम कोर्ट के वकील एवं मानवाधिकार कार्यकर्ता राधाकांत त्रिपाठी ने अर्जी दाखिल कराई है। अधिकारियों से चार सप्ताह में जवाब मांगा है।

राजस्थान में बंद स्कूल के शिक्षकों को बकाया वेतन देने का आदेश

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल के शिक्षकों को बकाया वेतन की 70 प्रतिशत धनराशि देने का आदेश दिया है। सरकार को यह धनराशि चार सप्ताह के भीतर चुकानी होगी। शीर्ष न्यायालय का फैसला 2011 में बंद हुए स्कूल के संबंध में आया है।

जस्टिस आरएफ नरीमन और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने राज्य के शिक्षा विभाग के उन अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की प्रक्रिया भी रोक दी जिन पर सुप्रीम कोर्ट के 2019 के आदेश का पालन न करने का आरोप था। उक्त आदेश में शिक्षकों को उनके वेतन की 70 प्रतिशत राशि का भुगतान करने के लिए कहा गया था। पीठ ने अपने आदेश में लिखा है कि ट्रस्ट के द्वारा चलाए जा रहे स्कूल को छठे वेतन आयोग की सिफारिश के अनुसार वास्तव में 52.26 लाख रुपये की धनराशि का भुगतान करना था, लेकिन राज्य सरकार ने 10.41 लाख रुपये का भुगतान किया। 41.85 लाख रुपये चार सप्ताह के भीतर देने के लिए कहा गया है।

वैक्सीन का दैनिक उत्पादन ढाई लाख से बढ़कर 40 लाख डोज हुआ

नई दिल्ली, एएनआइः देश में कोरोना वैक्सीन के उत्पादन में असाधारण वृद्धि हुई है। पहले जहां प्रतिदिन ढाई लाख डोज का ही उत्पादन होता था, वह बढ़कर अब 40 लाख डोज हो गया है।

स्वास्थ्य राज्यमंत्री भारती प्रवीण पवार ने कहा कि वैक्सीन उत्पादन की क्षमता में इस वृद्धि के साथ और बेहतर तरीके से लोगों का टीकाकरण किया जा सकता है। भारत ने इस साल के आखिर तक सभी पात्र लोगों का टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा है। यह संख्या 90 करोड़ के आसपास है। स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने बताया कि बच्चों के लिए कोरोना वैक्सीन का परीक्षण भी चल रहा है। उन्होंने देश में 50 करोड़ डोज लगाने पर भी खुशी जताई और कहा कि मीडिया के जरिये सरकार यह संदेश दे रही है कि कोरोना के खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण बहुत महत्वपूर्ण है।

वहीं, समाचार एजेंसी प्रेट्र के मुताबिक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को बताया कि देश में प्रतिदिन औसतन 43.41 लाख डोज लगाई जा रही हैं और अकेले जुलाई में ही कुल 13.45 करोड़ डोज लगाई गईं।

बढ़ी रफ्तार

- स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने कहा, बच्चों के लिए वैक्सीन का परीक्षण भी जारी
- अब तक लगाई गईं 50 करोड़ से ज्यादा डोज, अकेले जुलाई में 13.45 करोड़

मांडविया ने ट्वीट कर कहा कि भारत 'सबको वैक्सीन मुफ्त वैक्सीन' के रास्ते पर तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। कोरोना महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई मजबूत हो रही है। हर महीने टीकाकरण का दायरा बढ़ रहा है। केंद्र ने राज्यों को अब तक 51.66 करोड़ डोज मुहैया कराईं

स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक अब तक कोरोना रोधी वैक्सीन की कुल 50.10 करोड़ डोज लगाई गई हैं। पिछले 24 घंटे के दौरान 49.55 लाख डोज दी गईं। मंत्रालय ने बताया कि केंद्र की तरफ से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अब तक 51.66 करोड़ डोज मुहैया कराई गई हैं। जल्द ही इन्हें 55.52 लाख डोज और मिल जाएंगी। राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास अभी 2.29 करोड़ डोज बची हुई हैं।

कोरोना जांच करने वाली 22 लैब ईडी के रडार पर

जागरण संवाददाता, देहरादून

हरिद्वार कुंभ मेले के दौरान कोरोना जांच में किए गए फर्जीवाड़े में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मैक्स कारपोरेट सर्विसेज समेत पांच लैब संचालकों के ठिकानों पर शुक्रवार को बड़े स्तर पर छापेमारी कर चुका है। इस दौरान ईडी ने 30.90 लाख रुपये के साथ ही लैपटाप, मोबाइल फोन, फर्जी बिल व तमाम दस्तावेज जब्त किए। ईडी सूत्रों के मुताबिक प्रदेश में कोरोना की जांच करने वाली सभी 22 लैब को रडार पर रखा है।

कोरोना की जांच करने वाली 22 लैब में से 11 ने कुंभ मेला अधिष्ठान, जबकि 11 अन्य ने स्वास्थ्य विभाग के अधीन काम किया। शुक्रवार को ईडी की टीम ने मैक्स समेत नोवस पैथ लैब्स, डीएनए लैब्स, डा. लाल चंदानी लैब्स प्रा.लि. व नलवा लैबोरेटरीज के संचालकों के ठिकानों पर छापेमारी से पहले कोरोना जांच व इसके एवज में किए गए भुगतान का परीक्षण किया था। कोरोना जांच फर्जीवाड़े में पुलिस की एफआइआर व विभिन्न स्तर पर की गई जांच के तथ्यों को आधार बनाया गया।

टेस्टिंग फर्जीवाड़े में शरत पंत और मल्लिका पंत नामजद

हरिद्वार : कुंभ में हुए कोरोना टेस्टिंग फर्जीवाड़े में एसआइटी ने मैक्स कारपोरेट सर्विसेज के पार्टनर दंपती शरत पंत और मल्लिका पंत को नामजद कर दिया है। इसकी भनक लगने पर दंपती भूमिगत हो गए। उनकी तलाश में एसआइटी की एक टीम नोएडा में डेरा डाले हुए है। वहीं, उन पर कानूनी शिकंजा कसने के लिए गैर जमानती वारंट लेने की तैयारी भी शुरू कर दी है। बहुत जल्द कुर्की की प्रक्रिया भी एसआइटी शुरू कर सकती है। कुंभ में कोरोना टेस्टिंग का ठेका दिल्ली की फर्म मैक्स कॉरपोरेट सर्विसेज को मिला था। मैक्स ने दिल्ली की लाल चंदानी लैब और हिसार की नालवा लैब से टेस्ट कराने की जानकारी दी थी। लेकिन इन दोनों लैब के अलावा भिवानी की डेल्फिया लैब के माध्यम से उन्होंने टेस्टिंग में बड़ा फर्जीवाड़ा किया। डेलफिया लैब के मालिक आशीष वशिष्ठ को एसआइटी गिरफ्तार कर चुकी है। आशीष से हुई पूछताछ में कई राज खुले हैं।

शैक्षणिक संस्थान खुलने के बाद 52 विद्यार्थी पाजिटिव

राज्य ब्यूरो, शिमला : हिमाचल प्रदेश में दो अगस्त से शैक्षणिक संस्थान खुलने के बाद से अब तक 52 विद्यार्थी पाजिटिव आए हैं। कांगड़ा में 15, शिमला व चंबा में नौ-नौ, मंडी में सात, हमीरपुर में पांच, ऊना में तीन, बिलासपुर में दो, कुल्लू व लाहुल स्पीति में एक-एक विद्यार्थी संक्रमित पाए गए। इनमें से 13 विद्यार्थी आइटीआइ के हैं। टिफिन बांटने पर लगाई जाए रोक स्वास्थ्य विभाग ने शिक्षण संस्थानों में टिफिन बांटने पर रोक लगाने का निर्देश दिया है। शिक्षकों व अभिभावकों को बच्चों को जागरूक करने और नियमों का पालन करवाने के लिए कहा गया है। इस संबंध में एडवाइजरी जारी कर दी है।

तीसा के एसडीएम सहित 301 कोरोना पाजिटिव

कोरोना वैक्सीन अब बिना पंजीकरण भी प्रदेश में अब कोरोना वैक्सीन के लिए पंजीकरण नहीं करवाना होगा। जो पहली या दूसरी डोज लेना चाहते हैं, वे कोरोना टीकाकरण केंद्र इसका बिना पंजीकरण लाभ ले सकते हैं। पहली डोज 84 दिन पूरे होने के बाद या संक्रमण से ठीक होने के तीन माह के बाद ले सकते हैं।

बड़ों के लिए अक्टूबर व बच्चों के लिए फरवरी तक आएगी कोवोवैक्स

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआइआइ) के सीईओ अदार पूनावाला ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। प्रेट्र

नई दिल्ली, आइएएनएस

देश को जल्द ही एक और कोरोना रोधी वैक्सीन मिलने की उम्मीद है। सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया (एसआइआइ) के सीईओ अदार पूनावाला ने कहा कि वयस्कों के लिए अक्टूबर और बच्चों के लिए अगले साल जनवरी-फरवरी तक कोवोवैक्स वैक्सीन आ जाएगी।

संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ शुक्रवार को 30 मिनट तक चली बैठक के बाद पूनावाला ने कहा, 'हम वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने में हमारे उद्योग को मदद और समर्थन देने के लिए सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहुत आभारी हैं।' उन्होंने आगे कहा कि उनकी कंपनी मांग को पूरा करने के लिए हमेशा अपनी कोविशील्ड उत्पादन क्षमता का विस्तार करने की कोशिश कर रही है। सीरम के सीईओ ने बताया कि बच्चों के लिए कोवोवैक्स वैक्सीन अगले साल की पहली तिमाही, ज्यादा संभावना है कि जनवरी-फरवरी में आ जाएगी। कोवोवैक्स एसआइआइ द्वारा विकसित की जा रही है।

राष्ट्रीय फलक

बूथ विजय का बिगुल, सांसद-मंत्री भी होंगे पन्ना प्रमुख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में जीत को कैसे दोहराना है, इसकी पूरी रणनीति भाजपा नेतृत्व तय कर चुका है। अब इसे जमीनी स्तर पर लागू कैसे करना है, यह समझाने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उत्तर प्रदेश प्रवास के पहले दिन मैराथन बैठकें कीं। मंत्रियों को मंत्र दिया कि विभागीय काम जल्द पूरे कर कोरोना का दुष्प्रभाव कम करें। स्पष्ट सलाह कि आत्मविश्वास अच्छा है, लेकिन अतिविश्वास में न आएं। वहीं, 23 अगस्त से बूथ विजय अभियान के तहत एक-एक कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी के साथ ही विधानसभा प्रभारियों से स्पष्ट कह दिया गया है कि वे चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। आपत्ति हो तो संगठन को बता दें।

दो दिवसीय प्रवास पर आए नड्डा ने पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में योगी सरकार के सभी मंत्रियों के साथ बैठक की। मंत्रियों से उनके विभागों के कामकाज के बारे में संक्षिप्त ब्योरा लेने के साथ ही चुनाव को लेकर सुझाव भी मांगे। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सरकार के कामकाज पर संतोष जताया। मंत्रियों को निर्देश दिया कि कोरोना के कारण जो भी योजनाएं प्रभावित हुई थीं, उनमें अब जुट जाएं और सभी को पूरा करें। नड्डा ने कहा कि 25 सितंबर को विधानसभा स्तर पर पन्ना प्रमुखों का सम्मेलन होना है। बूथ के वोटर पन्ने पर दर्ज नामों में जो भी वरिष्ठ होगा, वह पन्ना प्रमुख का दायित्व भी निभाएगा। इसमें प्रदेश के वरिष्ठ पदाधिकारी से लेकर सांसद व मंत्री भी होंगे। बैठक में सभी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश के सांसद, दूसरे दल से आए सांसद नीरज शेखर व पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद भी मौजूद थे। देर शाम नड्डा ने भाजपा की कोर कमेटी के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। इससे पहले विधानसभा प्रभारियों की बैठक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में हुई। इसमें नड्डा ने रणनीति समझाई कि यह चुनाव हम 'बूथ जीता-चुनाव जीता' के मंत्र के साथ लड़ेंगे। संभवतः 23 अगस्त को बूथ विजय अभियान की शुरुआत होगी, जिसे वह वर्चुअल संबोधित करेंगे। पूर्व प्रदेश अध्यक्षों ने संगठन की मजबूती के सुझाव दिए। कहा गया कि जिस तरह से नेताओं के मुकदमे वापस हुए हैं, उसी तरह कार्यकर्ताओं के मुकदमे वापस हों।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित जिला पंचायत अध्यक्ष व ब्लाक प्रमुख अध्यक्ष सम्मेलन में शिरकत करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। उनके साथ पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। जागरण

मोदी ने पंचायत को बनाया विकास की धुरी : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्रिस्तरीय पंचायत के महत्व को समझाया। कहा कि कोरोना की लड़ाई में इनकी बहुत अहम भूमिका रही और आगे भी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिस्तरीय पंचायत को विकास की धुरी बनाया है। बोले कि विपक्षी कोरोना की आड़ में चुनाव नहीं होने देना चाहते थे, लेकिन हमने कहा कि चुनाव कराएंगे और कोरोना को भी रोकेंगे।

बबलू के मुद्दे पर नड्डा से मिलीं रीता : बैठक में सांसद रीता बहुगुणा जोशी भी शामिल थीं। सूत्रों के मुताबिक, सांसद ने इशारों में कहा कि जो वर्ग पार्टी से जुड़ा है, प्रयास करें कि वह जुड़ा ही रहे। संभवतः संकेत ब्राह्मण समाज की ओर था। उन्होंने अलग से नड्डा से मुलाकात की। वह खुद कह चुकी थीं कि उनका घर जलाने के आरोपित पूर्व विधायक जितेंद्र सिंह बबलू को भाजपा में शामिल किए जाने को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष से बात करेंगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि बबलू की सदस्यता निरस्त होगी।

तेजप्रताप के पोस्टर में नहीं मिली तेजस्वी को जगह

राज्य ब्यूरो, पटना : बिहार की राजनीति में पोस्टर वार नई बात नहीं है, मगर इस बार इसकी चपेट में लालू यादव का परिवार आ गया। राजद विधायक तेजप्रताप यादव के पोस्टर में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को जगह नहीं दी गई है। इसको लेकर राजनीति के गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं।

आठ अगस्त को राजद की छात्र इकाई की बैठक होने वाली है। इसे लेकर पटना में पोस्टर लगाए गए हैं, जिनमें तेजप्रताप के साथ राजद प्रमुख लालू प्रसाद एवं पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी की तस्वीर तो है, लेकिन नेता प्रतिपक्ष की तस्वीर नहीं। यहां तक कि पोस्टर में छात्र इकाई के अध्यक्ष आकाश यादव की तस्वीर भी दिख रही है। गौरतलब है कि लालू परिवार में राजनीतिक काम बंटा हुआ है। छात्र इकाई की जिम्मेदारी शुरू से ही तेजप्रताप के पास है, जबकि तेजस्वी के पास विधानमंडल दल समेत पार्टी की अन्य गतिविधियों की जिम्मेदारी है। ऐसे में छात्र संगठन के पोस्टर में तेजस्वी की तस्वीर न रहने को लेकर राजनीतिक गलियारों में कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि, इस मामले में लालू परिवार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

कांग्रेस विधायक ने आदिवासी समाज से मांगी माफी

नईदुनिया, अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज से कांग्रेस विधायक व सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बृहस्पत सिंह ने आदिवासी समाज से माफी मांगते हुए लिखित माफीनामा दिया है। सरगुजा के आदिवासियों को अंगूठा छाप कहने के बाद विधायक पर सामाजिक दबाव बढ़ गया था। सर्व आदिवासी समाज ने एलान किया था कि जब तक बृहस्पत सिंह सार्वजनिक रूप से माफी नहीं मांगेंगे, तब तक समाज के लोग उनके कार्यक्रमों में हिस्सा नहीं लेंगे और उनका बहिष्कार जारी रहेगा।

विधायक बृहस्पत के बयान को लेकर सर्व आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों की शुक्रवार को कई दौर की वर्चुअल बैठक हुई। संभागीय अध्यक्ष अनूप टोप्पो के साथ सरगुजा, जशपुर, कोरिया, सूरजपुर, बलरामपुर के जिलाध्यक्ष ने चर्चा की। सामाजिक दंड विधान के लिए विधायक को भी तलब किया गया। वर्चुअल माध्यम से विधायक बृहस्पत ने समाज के प्रतिनिधियों के समक्ष खेद जताया। इसके बाद समाज के प्रतिनिधियों की अलग से बैठक हुई। सभी जिलाध्यक्ष सहमत नहीं थे। आखिरी में विधायक से लिखित में माफीनामा लेने का निर्णय हुआ। समाज की इस शर्त को भी बृहस्पत सिंह ने स्वीकार कर लिखित में अपना बयान पदाधिकारियों के पास भिजवाया। चर्चा में विधायक बृहस्पत सिंह ने कहा कि उनके बयान को गलत ढंग से प्रस्तुत किया गया।

विधायक ने आश्वस्त किया है कि वह विश्व आदिवासी दिवस पर नौ अगस्त को बलरामपुर में आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों से माफी मांगेंगे।

> वर्चुअल बैठक के बाद विधायक बृहस्पत सिंह ने मौखिक और लिखित रूप से माफी मांग ली है। विश्व आदिवासी दिवस पर बलरामपुर में होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम में भी आदिवासी समाज के लोगों से माफी मांगने का आश्वासन दिया है।
> – अनूप टोप्पो, संभागीय अध्यक्ष, सर्व आदिवासी समाज, सरगुजा संभाग

विश्वासघात करने वाले चाचा व सांसदों को सबक सिखाएगी जनता : चिराग

जासं, डुमरा (सीतामढ़ी) : लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपनी पार्टी में टूट के बाद पहली बार जगत जननी माता सीता की प्राकट्यस्थली सीतामढ़ी पहुंचे। चिराग ने कहा कि विश्वासघात करने वाले चाचा पशुपति कुमार पारस व लोजपा के अन्य चारों सांसदों को आने वाले समय में जनता सबक सिखाएगी। इन लोगों की वजह से न तो मैं और न ही मेरी पार्टी कमजोर हुई है। इन्हें जवाब देने के लिए सबका आशीर्वाद व समर्थन लेने निकला हूं। जनता के आशीर्वाद से ही पिता स्व. रामविलास पासवान के सपनों को साकार कर पाएंगे।

पत्रकारों से बातचीत में चिराग ने कहा कि बिहार सरकार में शामिल सहयोगी पार्टियों में जिस तरह टकराव है, उससे मध्यावधि चुनाव तय है। उस चुनाव में बिहार में बनने वाली नई सरकार में लोजपा मजबूती से उभरेगी। इसके लिए तैयारी में जुट गए हैं। चिराग ने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में छह फीसद वोट लोजपा को मिले थे। इतने वोट तब मिले, जब हम लोगों ने सभी सीटों पर चुनाव नहीं लड़ा।

जातिगत जनगणना के मुद्दे पर बिहार में राजद का प्रदर्शन

राज्य ब्यूरो, पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने करीब तीन दशक बाद मंडल राजनीति को फिर हवा देने की कोशिश की। उसने शनिवार को बिहार में सभी जिला मुख्यालयों पर जातिगत जनगणना के मुद्दे पर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान राजद के नेता-कार्यकर्ता जातिगत जनगणना कराने, आरक्षित कोटे से बैकलाग के रिक्त पदों को भरने और मंडल आयोग की शेष अनुशंसाओं को लागू करने की मांग कर रहे थे। सात अगस्त की तिथि इसलिए चुनी गई कि 1990 में इसी दिन तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने मंडल आयोग की सिफारिशें लागू की थीं।

राजद नेताओं ने धरना-प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारियों के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा, जिसमें उक्त तीनों मांगों को लागू करने का आग्रह किया गया था। राजद के प्रदेश प्रवक्ता चितरंजन गगन ने दावा किया कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की अपील पर प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आमलोगों की भागीदारी हुई। विशेषकर महिलाओं और नौजवानों ने हिस्सा लिया। पार्टी के सभी विधायक और वरिष्ठ नेता अपने-अपने जिलों में प्रदर्शन में शामिल हुए।

ललन सिंह के जदयू अध्यक्ष बनने से नाराज नहीं : कुशवाहा

राज्य ब्यूरो, पटना : जदयू संसदीय बोर्ड के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि यह बात बेवजह फैलाई जा रही है कि ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने से मैं नाराज हूं। जबर्दस्ती कुछ बातें लाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जदयू से नाराजगी की बात तो मैंने काफी पहले बाहर फेंक दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में ललन सिंह से उन्हें काफी उम्मीद है। उनके नेतृत्व में जदयू देशभर में विस्तार पाएगा। जदयू प्रदेश कार्यालय में शनिवार को आयोजित एक मिलन समारोह में उपेंद्र कुशवाहा को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था।

ममता ने विद्युत संशोधन विधेयक को फिर लाने का किया विरोध

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इस बार उन्होंने विद्युत (संशोधन) विधेयक-2020 को केंद्र सरकार द्वारा फिर संसद में लाने के प्रयास का विरोध किया है। उन्होंने इस पर अपनी दोबारा आपत्ति जताते हुए कहा कि यह विधेयक जनविरोधी है।

ममता ने लिखा मैं काफी आलोचना झेल चुके विद्युत (संशोधन) विधेयक 2020 को संसद में पेश करने की केंद्र सरकार की नई पहल के खिलाफ फिर से अपना विरोध दर्ज करवाने के लिए यह पत्र लिख रही हूं। इसे पिछले साल पेश किया जाना था, लेकिन हम में से कई लोगों ने मसौदा विधेयक के जन-विरोधी पहलुओं को रेखांकित किया था और कम से कम मैंने 12 जून 2020 को आपको लिखे अपने पत्र में इस विधेयक के सभी मुख्य नुकसानों के बारे में विस्तार से बताया था।

ममता ने कहा कि मैं यह सुनकर हैरान हूं कि हमारी आपत्तियों पर कोई विचार किए बिना यह विधेयक आ रहा है और वास्तव में इस बार इसमें कुछ बेहद जन-विरोधी चीजें भी हैं।

ममता की पार्टी में शामिल हो चुके मुकुल ने कहा, उपचुनाव में होगी तृणमूल की हार

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पूछे गए सवाल के जवाब में एक नहीं, कई बार किया जिक्र
- कार्यकर्ताओं द्वारा बार-बार टोकने पर दी सफाई- भाजपा का नहीं रहेगा अस्तित्व

पिछले दिनों भाजपा छोड़कर वापस ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में लौटे मुकुल रॉय ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिस पर उनकी पार्टी को ही अब सफाई देनी पड़ रही है। नदिया जिले के कृष्णनगर में अपने विधानसभा क्षेत्र में पहुंचे मुकुल ने शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पूछे गए सवाल पर यह कह कर सभी को हतप्रभ कर दिया कि बंगाल में होने वाले उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार होगी और भाजपा जीतेगी। उन्होंने यह बात एक बार नहीं, बल्कि कई बार कही।

मुकुल की जुबान से यह बात सुनकर वहां मौजूद तृणमूल के तमाम नेता और कार्यकर्ता सन्न रह गए। मुकुल यही नहीं रुके, उन्होंने उपचुनाव में तृणमूल की हार की बात को कई बार दोहराया। उन्होंने कहा कि मैं भाजपा की ओर से बोल रहा हूं, उपचुनाव में तृणमूल की हार होगी। स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा टोके जाने के बावजूद मुकुल ने एक नहीं सुनी और वह इस बात को दोहराते रहे। वहीं, त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर भी मुकुल का जवाब उलझा रहा और उन्होंने वहां भी तृणमूल की हार और भाजपा की जीत की बात कही। इसके बाद वहां मौजूद तृणमूल नेताओं द्वारा फिर टोकने पर आखिरकार मुकुल को अपनी गलती का अहसास हुआ।

उन्होंने फिर पलटकर सफाई देते हुए कहा कि भाजपा का अस्तित्व नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि बंगाल में सातों सीटों पर उपचुनाव एवं त्रिपुरा में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की बुरी तरह हार होगी।

त्रिपुरा में नहीं हुआ अभिषेक की कार पर हमला : इससे पहले त्रिपुरा में तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की कार पर हाल में हुए हमले के बारे में पूछे जाने पर मुकुल ने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। जो कुछ हुआ है, वह राजनीति में थोड़ा-सा है। कुछ लोगों द्वारा यह सब गलत व्याख्या की जा रही है।

तृणमूल ने दी सफाई, मुकुल की तबीयत खराब होने का दिया हवाला : तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता कुणाल घोष ने इस पूरे घटनाक्रम पर सफाई देते हुए कहा कि उनकी (मुकुल) तबीयत ठीक नहीं होने के कारण उन्होंने ऐसा कह दिया।

भाजपा ने ली चुटकी, कहा- मुकुल ने कह दी दिल की बात

मुकुल के इस बयान पर भाजपा के वरिष्ठ नेता जयप्रकाश मजूमदार ने चुटकी लेते हुए कहा कि टीएमसी में वही एकमात्र साहसी नेता हैं, जिन्होंने अपने दिल की बात कह दी है। वह भले ही तृणमूल में शामिल हो गए हैं, लेकिन उनका दिल भाजपा के साथ जुड़ा हुआ है। इसके लिए वह बधाई के पात्र हैं।

स्किल डेवलपमेंट के लिए वेब पोर्टल लांच

नई दिल्ली : सरकार ने कौशल विकास योजनाओं को सर्वसुलभ बनाने के लिए वेब पोर्टल और मोबाइल एप लांच किया है। पीएम दक्ष वेब पोर्टल और पीएम दक्ष मोबाइल एप के माध्यम से पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और सफाई के काम में लगे कर्मचारियों के कौशल विकास में मदद मिलेगी। इससे प्रधानमंत्री दक्षता और कुशलता संपन्न हितग्राही योजना को मजबूती मिलेगी। (प्रेट्र)

टीकाकरण की गति तेज होने से बाजार की स्थिति सुधरेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेज उछाल देखा जाएगा। कंपनी पिछले कुछ समय की तरह निर्यात पर फोकस करती रहेगी। कर्मचारियों की सुरक्षा पर हमारा सर्वाधिक फोकस है।

– रघुपति सिंघानिया, सीएमडी, जेके टायर
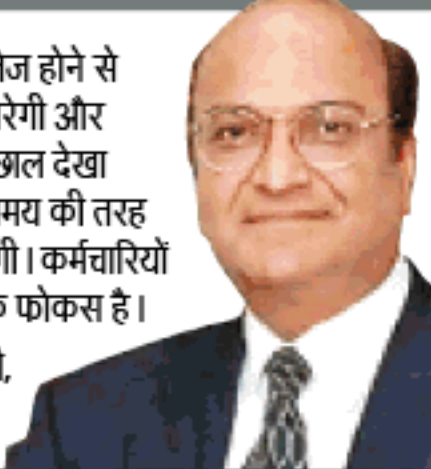
हैंडलूम निर्यात 10,000 करोड़ पर पहुंचाने का लक्ष्य : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, प्रेट्र : कपड़ा मंत्री पीयूष गोयल ने हैंडलूम उद्योग से आह्वान किया कि वह सेक्टर का निर्यात 10,000 करोड़ पर पहुंचाने की दिशा में काम करे। गोयल ने सेक्टर को अगले तीन वर्षों में उत्पादन दोगुना कर 1.25 लाख करोड़ पर पहुंचाने को भी प्रेरित किया। वर्तमान में हैंडलूम सेक्टर का निर्यात महज 2,500 करोड़ रुपये का है। यह सेक्टर वर्तमान में लगभग 60,000 करोड़ रुपये मूल्य के उत्पादों का उत्पादन कर रहा है।

नेशनल हैंडलूम डे के मौके पर आयोजित एक समारोह में गोयल ने कहा कि इस दिन सामूहिक रूप से संकल्प लें कि हम अगले तीन वर्षों में हैंडलूम उत्पादों का निर्यात 10,000 करोड़ रुपये और अपने उत्पादन 1.25 लाख करोड़ रुपये पर पहुंचाने के लक्ष्य पर काम करेंगे। मंत्री ने फैशन डिजाइन कार्उंसिल आफ इंडिया (एफडीसीआइ) के चेयरमैन सुनील सेठी की अध्यक्षता में एक टीम बनाने का भी सुझाव दिया। इस टीम में बुनकरों, प्रशिक्षकों, मशीन कंपनियों, मार्केटिंग विशेषज्ञों और अन्य साझेदारों को शामिल किया जाएगा।

तीन वर्षों में अमेरिका जैसी होंगी देश की सड़कें : गडकरी

कहा – वर्तमान में रोजाना 38 किमी हाईवे का हो रहा निर्माण

अहमदाबाद, प्रेट्र: सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अगले तीन वर्षों में देशभर में अमेरिकी स्तर के राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विकसित करने का भरोसा जताया है। शनिवार को गुजरात के बनासकांठा स्थित दीसा में पौने चार किमी के एलिवेटेड कारिडोर का लोकार्पण करते हुए गडकरी ने वर्तमान में देशभर में हाईवे निर्माण की गति को भी अब तक का सर्वाधिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हाईवे निर्माण की गति बेहद तेज है। अगले तीन वर्षों में देश को अमेरिकी स्तर की सड़कें मिलेंगी।

गडकरी के अनुसार एक जमाने में देश रोजाना महज दो किमी लंबाई की रफ्तार से राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण कर पा रहा था। यह गति वर्तमान में 38 किमी प्रतिदिन पर पहुंच गई है। परियोजना के लोकार्पण में मौजूद गुजरात के मुख्यमंत्री विजय

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ● जागरण आर्काइव

रुपाणी से उन्होंने कहा, भारतमाला परियोजना के तहत राज्य में कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। उनमें भूमि अधिग्रहण संबंधी बाधाओं को जल्द से जल्द खत्म किया जाए।

कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय राजमार्गों का जोर-शोर से निर्माण हो रहा है। गुजरात में भारतमाला परियोजना के तहत 25,370 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाओं के तहत 1,080 किमी सड़क का निर्माण हो रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के बाद संपूर्ण हिमालय क्षेत्र में हाईवे का निर्माण होना है।

सड़क परिवहन मंत्री के अनुसार वडोदरा से दक्षिण गुजरात के किम को जोड़ने वाला 125 किमी लंबा राजमार्ग इस वर्ष दिसंबर तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। इस परियोजना की लागत 8,711 करोड़ है। यह परियोजना राजस्थान, मप्र व गुजरात के पिछड़े क्षेत्रों और आदिवासियों के लिए वरदान साबित होगी। यह परियोजना इस क्षेत्र में निवेश और कारोबार को आकर्षित करेगी, जिससे स्थानीय किसानों को फायदा होगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का काम भी तेजी से चल रहा है। अमृतसर-जामनगर इकोनामिक कारिडोर पर भी काम शुरू हो गया है। 3,000 करोड़ की लागत से 109 किमी लंबाई वाला धोलेरा-अहमदाबाद एक्सप्रेसवे भी इस वर्ष पूरा हो जाने की उम्मीद है।

आयकर विभाग ने अब तक दिया 45,000 करोड़ रुपये रिफंड

नई दिल्ली, एएनआइ: केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने इस वर्ष पहली अप्रैल से दो अगस्त तक आयकर रिफंड के मद में 45,897 करोड़ का भुगतान किया है। इस अवधि में 21.32 लाख करदाताओं को रिफंड का भुगतान किया गया है। सीबीडीटी के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में उसने 20,12,802 व्यक्तिगत करदाताओं को 13,694 करोड़ का भुगतान किया। वहीं, 1,19,173 कारपोरेट करदाताओं को 32,203 करोड़ रुपये लौटाए गए।

पीटीआइ के अनुसार आयकर विभाग ने फेसलेस असेसमेंट स्कीम के तहत करदाताओं के शिकायतों का निपटारा करने को तीन ईमेल आइडी जारी किए हैं। इनमें 'समाधान डाट फेसलेस डाट असेसमेंट ऐट इनकमटैक्स डाट जीओवी डाट इन', 'समाधान डाट फेसलेस डाट पेनाल्टी ऐट इनकमटैक्स डाट जीओवी डाट इन' और 'समाधान डाट फेसलेस डाट अपील ऐट इनकमटैक्स डाट जीओवी डाट इन' शामिल हैं। शिकायत की प्रकृति के हिसाब से करदाता उन्हें संबंधित ईमेल आइडी पर भेज सकते हैं।

कंपनियां मिलता-जुलता नाम रख फर्जीवाड़ा नहीं कर सकेंगी

अब अदालत में अभियोजन दाखिल नहीं होगा, रजिस्ट्रार आफ कंपनीज खुद नाम बदल देंगे

जागरण संवाददाता, कानपुर : कारोबारी जगत की गलाकाट प्रतिस्पर्धा के बीच धन कमाने के लिए कई बार कंपनियां किसी अन्य मशहूर कंपनी से मिलता जुलता नाम रखकर ग्राहकों को भ्रमित कर अपने उत्पाद बेचती हैं। इससे वास्तविक कंपनी के कारोबार पर असर पड़ता है और जान-बूझकर मिलता जुलता नाम रखने वाली कंपनियां बिना खास प्रयास किए ही कमाई करती रहती हैं। कारपोरेट अफेयर मंत्रालय ने अब इन कंपनियों पर कार्रवाई करने का अधिकार सीधे रजिस्ट्रार आफ कंपनीज को दे दिया है। वे तीन माह का समय देने के बाद इन कंपनियों का नाम खुद बदल देंगे।

मिलते-जुलते नाम या ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने की शिकायत आने पर अभी तक कारपोरेट अफेयर मंत्रालय ऐसी कंपनियों को नाम बदलने के लिए छह माह का समय देता था। छह माह में भी ऐसा नहीं करने पर उसके खिलाफ जिला अदालत में अभियोजन दाखिल किया जाता था। लेकिन इस प्रक्रिया में निर्णय आने में कई वर्ष लग जाते थे। इस बीच कंपनी आराम से कमाई करती रहती थी, जबकि मुख्य कंपनी परेशान होती थी।

मंत्रालय ने नियमों में परिवर्तन कर दिया है। हाल ही में जारी अधिसूचना के अनुसार अब मंत्रालय खुद या किसी शिकायत पर तीन माह में नाम बदलने का निर्देश देगा। नाम नहीं बदलने पर रजिस्ट्रार आफ कंपनीज खुद उस कंपनी का नाम बदल देंगे। कंपनी का जो कारपोरेट आइडेंटिफिकेशन नंबर होगा, उसे उस कंपनी का नाम बना दिया जाएगा। इसके बाद यह उस कंपनी पर निर्भर करेगा कि वह उसी कारपोरेट आइडेंटिफिकेशन के नाम से संचालन करे या किसी अन्य नाम से पंजीकरण कराए। आइसीएसआइ के कानपुर चेप्टर के पूर्व चेयरमैन गोपेश साहू ने कहा, कारपोरेट मामलों के मंत्रालय का यह बहुत अच्छा निर्णय है। अब तीन माह में ही मिलता-जुलता नाम या ट्रेडमार्क रखकर काम करने वाली कंपनियों पर कार्रवाई हो जाएगी।

बैंक आफ बड़ौदा को 1,209 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकारी क्षेत्र के कर्जदाता बैंक आफ बड़ौदा (बीओबी) को चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 1,208.63 करोड़ रुपये का स्टैंडअलोन लाभ कमाया है। बैंक के अनुसार फंसे कर्ज (एनपीए) के लिए प्रविधान कम रहने के चलते उसका मुनाफा अच्छा रहा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 864 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को दी गई सूचना में बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 20,022.42 करोड़ रुपये रह गई, जो पिछले वर्ष समान तिमाही में 20,312.44 करोड़ रही थी।

समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक का ग्रास एनपीए कुल कर्ज के मुकाबले घटकर 8.86% रह गया। पिछले वर्ष समान तिमाही में बैंक का एनपीए 9.39% थीं। हालांकि, बैंक का शुद्ध एनपीए अनुपात 2.83% से बढ़कर 3.03% पर पहुंच गया। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बीओबी का कुल प्रविधान और अन्य आकस्मिक खर्च घटकर 4,111.99 करोड़ रह गया। इस मद में पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक ने 5,628 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

स्टार्ट-अप्स और कारीगरों को निर्यात में मदद करेगा फियो

400 अरब डालर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली, प्रेट्र : निर्यातकों का प्रमुख संगठन फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन (फियो) स्टार्ट-अप कंपनियों और कारीगरों को उनके उत्पादों का निर्यात बढ़ाने में मदद करेगा। संगठन ने शनिवार को कहा कि वह प्रवासी भारतीयों से संपर्क कर देश का निर्यात बढ़ाने में सहयोग मांगेगा। इससे चालू वित्त वर्ष में सरकार का 400 अरब डालर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी।

फियो के प्रेसिडेंट ए. शक्तिवेल ने कहा, संगठन ऐसा माहौल तैयार करेगा जिसमें निर्यात जगत स्टार्ट-अप कंपनियों, कारीगरों और किसानों से गठजोड़ कर सके। संगठन ऐसे उपाय करेगा जिससे निर्यातकों और इन उत्पादों में बेहतर कारोबारी संबंध स्थापित हो। जेम्स एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने कहा, उसने वर्ष 2021-22 में इस क्षेत्र का निर्यात 44 अरब डालर तक बढ़ाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। काउंसिल के चेयरमैन कोलिन शाह ने कहा, यह क्षेत्र 400 अरब डालर का निर्यात लक्ष्य हासिल करने में सकारात्मक भूमिका निभाने को काम करेगा। शाह के अनुसार अमेरिका और यूरोप सहित कई निर्यात बाजारों में सुधार हो रहा है। हमारे पास एक जबर्दस्त स्थानीय नेटवर्क है। हमारी इकोनामी के लाभ के लिए इन संभावनाओं के उपयोग का यह बेहतरीन मौका है। काउंसिल ने सरकार से नीतिगत सुधार लाने की अपील की है, जिससे यह क्षेत्र वैश्विक मोर्चे पर प्रतिस्पर्धी बन सके।

शाह के अनुसार काउंसिल ने व्यापार सुगमता बढ़ाने, बैंकों के माध्यम से पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने, टैक्सेशन और एसईजेड नीतियों को युक्तिसंगत बनाने के लिए सरकार से अनुरोध किया है। सरकार यह अनुरोध स्वीकार कर लेती है तो क्षेत्र को दुनियाभर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और मैन्यूफैक्चरिंग आउटसोर्सिंग केंद्र बनाया जा सके। सरकार का यह समर्थन भारत को चीन, थाइलैंड, वियतनाम और तुर्की जैसे हमारे प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने में हमारी मदद करेगा।

एनसीएलटी ने की रोल्टा के प्रमोटर की याचिका खारिज

नई दिल्ली, प्रेट्र : नेशनल कंपनी ला ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने आइटी कंपनी रोल्टा इंडिया लिमिटेड के प्रमोटर्स की एक याचिका खारिज कर दी है। इसमें उन्होंने दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही रोल्टा के लिए एकमुश्त भुगतान करने और कंपनी पर नियंत्रण दोबारा हासिल करने का इरादा जाहिर किया था।

कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि एनसीएलटी ने छह अगस्त को यह याचिका खारिज कर दी है।

कंपनी ने शेयर बाजारों को दी सूचना में यह भी कहा कि एनसीएलटी के निर्देशों के अनुसार रोल्टा के लिए नियुक्त कारपोरेट इंसाल्वेंसी रिजाल्यूशन प्रोफेशनल (सीआइआरपी) पहले की तरह कंपनी की दिवालिया समाधान प्रक्रिया पर आगे बढ़ेंगे।

'कर्ज लो, खरीदो और पिसते रहो' से निकलना ही बेहतर

कर्ज लो, खरीदो और मर जाओ, रकम संभालने का यह एक अजीब तरीका बनता जा रहा है। अगर आपकी दिलचस्पी इस बात में है कि पश्चिमी देशों में अमीर लोग अपनी रकम का प्रबंधन कैसे करते हैं तो आपने इसके बारे में जरूर पढ़ा होगा। यह तर्क आपकी जिंदगी को भी प्रभावित कर सकता है। अब इस पर गौर करते हैं कि यह है क्या?

धीरेंद्र कुमार, सीईओ, वैल्यू रिसर्च आनलाइन डाट काम

बीते समय में अमीर व्यक्ति स्टाक्स या फिक्स्ड इनकम सिक्युरिटीज में निवेश करते थे। इन दोनों विकल्पों में निवेश का मुख्य मकसद नियमित इनकम हासिल करना था। स्टाक के मामले कह सकते है कि यहां पूंजी को थोड़ा बढ़ाना भी मकसद था। ऐसे में हाल के समय में चीजें बदल गई हैं। एक बदलाव यह हुआ है कि शीर्ष कंपनियों ने डिविडेंड का भुगतान करना लगभग बंद कर दिया है। ऐसे में अगर आपको रकम की जरूरत है तो असेट बेचना ही एक रास्ता बचता है। एक और बात यह है कि कर्ज पर ब्याज बहुत कम है। अब लोगों के पास जो असेट टाइप है वह सिर्फ पूंजी को बढ़ाती है, डिविडेंड या ब्याज भुगतान के बिना।

जब अमीर लोगों को इस निवेश से इनकम हासिल करने की जरूरत पड़ती है तो वे निवेश को कोलैटरल यानी गिरवी की तरह इस्तेमाल करते हुए कर्ज लेते हैं। वित्तीय कालम लिखने वाले मैट लेनिवने के हाल के एक कालम से मुझे यह बात पता चली। किसी के पास 10 करोड़ डालर की संपत्ति थी। उसे 30 लाख डालर की जरूरत थी। असेट सेल्स के जरिये ऐसा करने पर उसको 30 लाख डालर मूल्य की कोई संपत्ति बेचनी पड़ती। इसमें से उसे 10 लाख डालर का टैक्स चुकाना पड़ता और बाकी रकम वह ले सकता था। इसके बजाय उसने निवेश को गिरवी रखकर सिर्फ 30 लाख डालर का कर्ज लिया, जिस पर ब्याज महज एक फीसद है और सारी रकम अब भी रिटर्न अर्जित कर रही है। कुल मिलाकर यह वर्षों तक काम कर सकता है।

पश्चिमी देशों में यह इसलिए संभव है क्योंकि उनके केंद्रीय बैंकों ने विश्व अर्थव्यवस्था में बड़े पैमाने पर कम ब्याज दर पर रकम प्रवाहित की है। इसकी वजह से दुनिया दो तरह के लोगों में विभाजित हो गई है। एक वे जो कर्ज ले रहे हैं और दूसरे वे जो डेट यानी डिपाजिट और इसी तरह की चीजों से रकम बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

इसका क्या मतलब है? इसका एक सरल और सीधा जवाब है। आपको यह भ्रम छोड़ना होगा कि आपकी रकम कुछ कमाई कर रही है। दुनिया हमेशा दो तरह के लोगों के बीच विभाजित रही है। एक, जिनके पास सब कुछ है। ज्यादातर समय आपकी रकम उस रफ्तार से नहीं बढ़ पाती है जिस रफ्तार से महंगाई बढ़ती है। इस पर अगर टैक्स और हर साल रकम की वैल्यू कम होने का असर जोड़ लें तो फिक्स्ड इनकम से आपको नकारात्मक रिटर्न मिल रहा है। इससे भी बुरी बात यह है कि हालात बदलते नहीं दिख रहे हैं।

पीलीभीत में तीन नाबालिग बहनों का अपहरण

जागरण संवाददाता, पीलीभीत

लव जिहाद के बढ़ते मामलों के बीच एक और बड़ी वारदात हो गई। शहर में रहने वाली तीन नाबालिग बहनों का दूसरे संप्रदाय के युवकों ने अपहरण कर लिया। इनमें 12 साल की बच्ची भी शामिल है। एक अन्य मामले में भी दूसरे संप्रदाय के युवकों ने किशोरी को अगवा किया। दोनों प्रकरण में मुकदमा दर्ज किया गया।

पिछले महीने पूरनपुर में लव जिहाद व मतांतरण कराने वाले गिरोह का राजफाश हुआ था। शनिवार को थाने पहुंचे जिला महिला चिकित्सालय के कर्मचारी ने बताया कि एक अगस्त को वह ड्यूटी पर थे। शाम को घर पहुंचे तो 12, 15 व 17 वर्षीय तीनों बेटियां घर में नहीं थीं। अगले दिन तक तलाश करने पर भी कोई सुराग नहीं मिला। बाद में पता चला कि कामिल, रेशू और आदिल, दानिश ने तीनों से जान-पहचान बढ़ाई थी। इन्हीं के कहने पर वे जेवर आदि लेकर घर से बाहर गईं। इसके बाद आरोपित कार में खींचकर ले गए। प्रभारी निरीक्षक मदन मोहन चतुर्वेदी ने बताया कि आरोपितों पर अपहरण, पाक्सो के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, सभी फरार हैं। इसके अलावा सदर मुहल्ला निवासी किशोरी चार अगस्त को लापता हो गई थी। उसके पिता ने अजहर उर्फ बाबी निवासी मुहल्ला खैरुल्ला शाह, उसके दोस्त अमन, राजा, नदीम व मुन्ना पर अपहरण, पाक्सो का मुकदमा दर्ज कराया है।

अपहृत छात्रा के नाम से अकलीम ने लिखा निकाह का फर्जी पत्र

जागरण संवाददाता, बरेली

खुद को विशाल बताकर दूसरे संप्रदाय की छात्रा का पीछा करने, फिर अपहरण के आरोपित अकलीम कुरैशी की एक और साजिश सामने आई। उसने पुलिस को गुमराह करने के लिए छात्रा के नाम से पत्र थाने भेजा, जिसमें लिखा कि मर्जी से मतांतरण व निकाह कर लिया है। शनिवार को पुलिस जब धर्मस्थल पहुंची तो पता चला कि इस नाम से कोई निकाह नहीं हुआ है। स्वजन का कहना है कि पत्र की हैंडराइटिंग भी उनकी बेटी की नहीं है। शाही कस्बा में रहने वाली बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा को अकलीम कुरैशी अपना नाम विशाल बताकर अक्सर रास्ते में रोकता था। राह चलते छात्रा के कुछ वीडियो बनाए। क्लिप में छेड़खानी कर अश्लील बनाने के बाद उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की। विरोध करने पर तीन अगस्त को उसका अपहरण कर लिया। शुक्रवार को छात्रा के पिता ने मुकदमा दर्ज कराया कि सभासद खलीबुल हसन खां ने मदद की, इसके बाद अकलीम अपहरण कर ले गया।

श्री लक्ष्मी काटसिन के खिलाफ सीबीआइ में मुकदमा, छापा मारा

जासं, कानपुर : टेक्सटाइल के क्षेत्र में अग्रणी रही श्री लक्ष्मी काटसिन कंपनी, उसके चेयरमैन व निदेशकों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इनके खिलाफ सेंट्रल बैंक आफ इंडिया की नई दिल्ली में पार्लियामेंट स्ट्रीट स्थित जीवन तारा बिल्डिंग शाखा के डीजीएम राजीव खुराना ने सीबीआइ में धोखाधड़ी, अमानत में खयानत, जालसाजी, साजिश रचने व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोप है कि कंपनी व उसके अधिकारियों ने विभिन्न बैंकों को करीब 6833 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचा कर घोटाला किया है। शनिवार को सीबीआइ टीम ने कंपनी के कानपुर मुख्यालय और फतेहपुर स्थित अलग-अलग फैक्ट्रियों में छापेमारी कर चार बोरी से अधिक कागजात और कंप्यूटर हार्ड डिस्क कब्जे में ली। डीजीएम राजीव खुराना की तहरीर के मुताबिक कंपनी ने कर्ज लिया था, लेकिन ऋण नहीं चुका पाई।

पंजाब में सात गोदामों से गायब मिला 20 करोड़ का गेहूं

जागरण टीम, अमृतसर

पंजाब में पिछले दो दिनों से जंडियाला गुरु के सात सरकारी गोदामों में चल रही चीफ विजिलेंस कमेटी (सीवीसी) की जांच पूरी हो गई है। इन गोदामों में से 50 किलोग्राम वाली 1,45,787 और 30 किलोग्राम वाली 47,556 गेहूं की बोरियां गायब पाई गई हैं। गायब बोरियों की कुल कीमत 20 करोड़ रुपये से ऊपर बताई जा रही है। इस मामले में थाना जंडियाला गुरु की पुलिस ने डिस्ट्रिक फूड सप्लाई कंट्रोलर (डीएफएससी) की शिकायत पर इंस्पेक्टर जसदेव सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

बताया जा रहा है कि आरोपित इंस्पेक्टर जसदेव विदेश भाग चुका है। फूड सप्लाई विभाग को जब इस मामले की भनक लगी तो सीवीसी की पांच टीमें पांच अगस्त को चेकिंग करने के लिए पहुंचीं। इन टीमों का सहयोग करने के लिए फूड सप्लाई विभाग के अधिकारियों की तरफ से सात टीमें बनाई गई थीं। सीवीसी की टीमें जब पहुंची तो उनके पास गोदामों की चाबियां नहीं थी, क्योंकि चाबियां और दस्तावेज इंस्पेक्टर जसदेव अपने साथ लेकर फरार हो गया है। नायब तहसीलदार जंडियाला गुरु हृदयपाल की अगुआई में वीडियोग्राफी के साथ राजपाल गोदाम जंडियाला, संजय गोदाम जंडियाला और कृष्णा गोदाम जंडियाला के ताले तोड़कर खुलवाए गए।

कहां से कितनी बोरियां गायब : संजय गोदाम से 50 किलो की 1896 बोरियां, राजपाल गोदाम से 77,157 बोरियां, जेएस कोचर गोदाम से 13,214 बोरियां, अजयपाल गोदाम से 2,712 बोरियां, कृष्णा गोदाम से 27,928 बोरियां और 30 किलो की 8,946 बोरियां, इंडो जर्मन गोदाम से 50 किलो की 10,009 बोरियां, धनी गोदाम से 50 की 12,871 बोरियां तथा पेपर मिल गोदाम से 30 किलो की 38,610 गेहूं की बोरियां गायब पाई गईं।

जातिसूचक टिप्पणी करने वाला तीसरा आरोपित गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, हरिद्वार : टोक्यो ओलिंपिक में अर्जेंटीना के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के बाद भारतीय महिला हाकी टीम की खिलाड़ी वंदना कटारिया के घर के बाहर पटाखे फोड़ने और जातिसूचक टिप्पणी व गाली-गलौज करने के मामले में फरार तीसरे आरोपित सुमित चौहान को शनिवार सुबह पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस इससे पहले दो अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है।

हरिद्वार जिले में रोशनाबाद स्थित हाकी खिलाड़ी वंदना कटारिया के घर के बाहर पटाखे फोड़ने और जातिसूचक टिप्पणी करने के मामले में पुलिस ने चार अगस्त को मुकदमा दर्ज किया था। पांच अगस्त को पुलिस ने आरोपित दो भाई अंकुर पाल और विजय पाल को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। तीसरा नामजद आरोपित सुमित चौहान पुलिस की पकड़ से बाहर था। शनिवार तड़के तीसरे आरोपित सुमित चौहान को गिरफ्तार कर लिया।

तीन स्टेशनों, अमिताभ के बंगले पर बम रखने की सूचना निकली फर्जी

- एक व्यक्ति ने फोन पर दी सूचना, सुरक्षा एजेंसियों में मचा हड़कंप
- पुलिस ने इस संबंध में ठाणे जिले से दो लोगों को हिरासत में लिया

मुंबई, प्रेट्र : सुरक्षा एजेंसियों के बीच उस समय हड़कंप मच गया, जब एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके पुलिस को बताया कि मुंबई के तीन प्रमुख रेलवे स्टेशनों और अभिनेता अमिताभ बच्चन के बंगले पर बम रखे गए हैं। हालांकि, बाद में यह सूचना गलत निकली और इस संबंध में ठाणे जिले से दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस अधिकारी ने कहा, मुंबई पुलिस के मुख्य नियंत्रण कक्ष को शुक्रवार रात करीब 9.45 पर एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), भायखला तथा दादर रेलवे स्टेशनों और अभिनेता अमिताभ बच्चन के जुहू स्थित बंगले में बम रखे गए हैं।

उन्होंने कहा, फोन आने के बाद राजकीय रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल के साथ ही बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता और स्थानीय पुलिसकर्मी इन स्थानों पर पहुंचे और तलाशी अभियान चलाया। सीएसएमटी पर सभी प्लेटफार्म, मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) कार्यालय, पार्किंग क्षेत्र और आसपास के अन्य इलाकों में बम निरोधक दस्ता और श्वान दस्तों की मदद से तलाशी ली गई।

आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस), त्वरित कार्रवाई दल (क्यूआरटी), मरीन ड्राइव और आजाद मैदान समेत कुछ स्थानीय पुलिस थानों के दल भी अभियान में शामिल रहे। लेकिन कई घंटों की तलाशी के बाद इन स्थानों पर कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने फोन करने वाले व्यक्ति का मोबाइल नंबर ट्रैक किया और ठाणे जिले में मुंब्रा के समीप शिल फाटा इलाके से उसे पकड़ लिया। उन्होंने बताया, फोन करने वाला शख्स मराठावाड़ा इलाके का ट्रक चालक है। हमें पता चला कि उसे शराब पीने की लत है। उसके साथ एक अन्य को हिरासत में लिया गया है तथा मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है।

कुंद्रा की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने कथित तौर पर अश्लील फिल्मों के निर्माण और उन्हें एप्स पर प्रसारित करने के मामले में व्यवसायी राज कुंद्रा और उनके साथी रेयान थोर्प की गिरफ्तारी और हिरासत में भेजे जाने के आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाएं शनिवार को खारिज कर दीं।

जस्टिस एएस गडकरी की एकल पीठ ने उनकी याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि एक मजिस्ट्रेट द्वारा दोनों को पुलिस हिरासत में और उसके बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जाना कानून के अनुरूप है। इसमें हस्तक्षेप की कोई जरूरत नहीं है। अपनी याचिकाओं में कुंद्रा और थोर्प ने गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया और कहा कि आपराधिक दंड संहिता (सीआरपीसी) की धारा 41-ए के तहत नोटिस जारी करने के अनिवार्य प्रविधान का पालन नहीं किया गया। उधर, कोलकाता में टालीवुड की एक अभिनेत्री को पोर्न फिल्म में काम करने का प्रस्ताव दिए जाने का मामला सामने आया है। अभिनेत्री ने इस बाबत जादवपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

साप्ताहिक राशिफल

रविवार 8 अगस्त, 2021 से शनिवार 14 अगस्त, 2021 तक

पं. बी. बी. शास्त्री 'देवेश'

मेष (चू,चे,चो,ला,ली,लू,ले,लो,आ) धन के आवागमन में सावधानी, महिला से सहयोग, दिनचर्या व्यस्ततम, बुद्धि कौशल से प्रभाव वृद्धि, साधनों की वृद्धि, भूमि-भवन कार्य में सफलता, सामाजिक यश, अतिविश्वास से बचें, मित्रों से सहयोग, रक्तविकार, यात्रा से बचें, परिवर्तन योग, शुभ अंक 5

वृष (इ,ऊ,ए,ओ,पा,वी,वू,वे,वो) एकाएक कार्य में सफलता, धनागम में प्रगति, कार्य क्षेत्र में विस्तार, भावना पर नियंत्रण, निजी मतभेद, साधनों की पूर्ति, संतान से सहयोग, चयन में सफलता, स्वास्थ्य के प्रति सजग, वाद-विवाद से बचें, अति महत्वाकांक्षा से बचें, स्थान-पद परिवर्तन, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

मिथुन (का,की,कू,घ,ड,छ,के,को,हा) आत्मसंयम से सफलता, धन के प्रति सचेत रहें, पूंजी निवेश में सावधानी, विदेश कार्य में सफलता, सामाजिक कार्य में यश, पारिवारिक चिंता का समाधान, स्वार्थीजनों से बचें, खानपान पर ध्यान दें, जीवनसाथी का मिलन, अधिकारी से सहयोग, शुभ अंक 7

कर्क (ही,हू,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो) स्वजन के प्रति सजगता, अर्थसाधन में सफलता, धन के आवागमन में सावधानी, विदेश कार्य में सफलता, समाज में यश, महिला से सहयोग, भवन, साज सज्जा, वाहन योग, लेखन कार्य में सफलता, वाणी पर संयम, वाहन में सावधानी, स्थान पद परिवर्तन, शुभ अंक 8

सिंह (मा,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे) कार्य में सहयोग से सफलता, धनागम में प्रयास, साझेदारी में सावधानी, निजी मतभेद, विदेश कार्य में सफलता, प्रयास से परिस्थिति में सफलता, भौतिक साधनों की पूर्ति, शिक्षा में एकाग्रता, स्वास्थ्य पर ध्यान दें, भविष्य की योजना में देरी, सहयोग, यात्रा से बचें, शुभ अंक 9

कन्या (टो,पा,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो) कार्य में सहयोग से सफलता, अर्थसाधन में सुधार, साझेदारी में सावधानी, व्यापारिक कार्य क्षेत्र में विस्तार, पारिवारिक चिंता का समाधान, साधनों की वृद्धि, चयन में सफलता, ईर्ष्या, आलस्य से बचें, वाद में विजय, मित्रों से सहयोग, प्रणय में अनबन, धर्म में रुचि, शुभ अंक 1

तुला (रा,री,रू,रे,रो,ता,ती,तू,ते) कार्य मे प्रगति, धनागम में सफलता, कार्य शैली में सुधार करें, लक्ष्य के प्रति सजग रहें, विदेश कार्य में सफलता, पारिवारिक सहयोग, अति विश्वास से बचें, आभूषण-वाहन योग प्रभावी, चयन में देरी, खानपान पर ध्यान दें, जीवनसाथी का मिलन, व्यय अधिक, शुभ अंक 2

वृश्चिक (तो,ना,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू) व्यापार कार्य में साहस से सफलता, धनागम में प्रयास, साझेदारी में सावधानी, निजी संबंधों में मधुरता, नवीन युक्ति, नई शैली से कार्य करें, वाहन-आभूषण योग, अध्ययन में रुचि, चयन में सफलता, मित्रों से सहयोग, परोपकार योग, राज्यपक्ष से लाभ, आय में सुधार, शुभ अंक 4

धनु (ये,यो,भा,भी,भू,धा,फा,ढा,भे) कार्य क्षेत्र में सलाह से कार्य करें, अर्थसाधन में सुधार, दिनचर्या व्यस्ततम, पराक्रम की वृद्धि, विदेश कार्य में प्रयास, चिंता का समाधान, पारिवारिक सहयोग, शिक्षा में उन्नति, चयन में सफलता, शत्रुपक्ष प्रभावी, नौकरी में अवरोध, धर्म में रुचि, राज्यपक्ष से सावधान, शुभ अंक 5

मकर (भो,जा,ज,खी,खू,खे,खो,गा,गी) सार्थक निर्णय से सफलता, धनागम में सफलता, लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सजग रहें, विदेश कार्य में प्रगति, निजी मतभेद, स्वजन का सहयोग, राजनीतिक अपयश, चयन में देरी, समय का सदुपयोग, प्रणय में अनबन, स्थान व पद परिवर्तन, व्यय अधिक, शुभ अंक 6

कुम्भ (गू,गे,गो,सा,सी,सू,से,सा,दा) व्यापारिक कार्य में वृद्धि, अर्थपक्ष में सुधार, धन के आवागमन में सावधानी, स्वविवेक से प्रगति, साधनों की पूर्ति, संतान के लिए सावधानी, खानपान का ध्यान रखें, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, ध्यान से लाभ, मन में चंचलता, यात्रा से बचें, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 7

मीन (दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची) भविष्य की योजना में विलंब, धनागम में प्रयास, कार्य में सलाह लें, विचार से मन अशांत, अति विश्वास से बचें, लेखन व बौद्धिक कार्य में सफलता, वाद-विवाद से बचें, सामाजिक कार्य योग, नौकरी में अवरोध, जीवनसाथी का मिलन, धर्म में रुचि, व्यय अधिक, शुभ अंक 8

प्रबल इच्छाशक्ति ही मनुष्य की सफलता का मुख्य आधार है

निरर्थक हंगामे में उलझा विपक्ष

संजय गुप्त

विपक्ष के अड़ियल रवैये के बावजूद सरकार ने कुछ विधेयक पारित करा लिए हैं, लेकिन विपक्षी दलों को इस पर भी आपत्ति है

संसद के मानसून सत्र को शुरू हुए तीन सप्ताह हो चुके हैं, पर विपक्ष का हंगामा थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों में शुरुआती दो हफ्ते में सिर्फ 18 घंटे ही कार्यवाही चल सकी। इस हंगामे को नेतृत्व कांग्रेस दे रही है और तृणमूल कांग्रेस जैसे क्षेत्रीय दल उसमें बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे हैं। यह हंगामा भारतीय राजनीति और संसदीय लोकतंत्र के लिए हितकारी नहीं। विपक्ष के अड़ियल रवैये के बावजूद सरकार ने कुछ विधेयक पारित करा लिए हैं, लेकिन विपक्षी दलों को इस पर भी आपत्ति है। विपक्ष के रवैये पर सत्तापक्ष का खिन्न होना स्वाभाविक है। विपक्ष के रवैये को इंगित करते हुए पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सेल्फ गोल कर रहा है। एक तो विपक्ष चर्चा में भाग नहीं ले रहा और जब कोई विधेयक सदन में चर्चा के लिए आता है तो वह शोर-शराबा करता है। आखिर हंगामा मचाने वाला विपक्ष सरकार पर यह तोहमत कैसे मढ़ सकता है कि वह विधेयकों को एक-दो मिनट में पास करा ले रही है? क्या विपक्ष यह चाहता है कि सरकार अपना काम न करे? यदि विपक्ष यह चाहता है कि विधेयकों पर चर्चा हो तो फिर उसे हंगामा मचाना छोड़ना होगा। विपक्ष का जैसा रवैया लोकसभा में है, वैसा ही राज्यसभा में। लोकसभा की तरह राज्यसभा में भी विपक्ष सदन नहीं चलने दे रहा है, पर सरकार इस सदन में बहुमत न होते हुए भी कुछ दलों के सहयोग से विधेयक पारित करा ले रही है। यह सत्तापक्ष के कौशल का परिणाम है। इसके बाद भी यह सही है कि संसद का कामकाज बुरी तरह प्रभावित है।

संसद में हंगामे को नेतृत्व दे रही जो कांग्रेस सदन में बहस से बच रही है, वह बाहर अपनी सक्रियता दिखा रही है। राहुल गांधी कभी ट्रैक्टर लेकर सड़क पर निकलते हैं और कभी साइकिल लेकर। ऐसा लगता है कि सरकार को सदन के बजाय सड़क पर कठघरे में खड़ा करने का तरीका ही उन्हें रास आ रहा है। पता नहीं वह कृषि कानूनों, पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्यों में वृद्धि और पेगासस जासूसी जैसे जिन मामलों को बाहर उठा रहे हैं, उन पर संसद में बहस करने को तैयार क्यों नहीं हैं? कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पेगासस मामले पर कुछ ज्यादा ही जोर दे रहे हैं। हालांकि हाल में इस मामले पर दायर एक याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने जब यह पूछा कि आपके पास क्या प्रमाण है कि जासूसी हुई तो याचिकाकर्ताओं के पास कोई जवाब नहीं था। इसी पर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने यह सवाल खड़ा किया कि क्या कारण है कि पेगासस मामले से भाजपा या भारत सरकार के संपर्क का एक भी प्रमाण पेश नहीं किया जा सका है? इस मामले की गंभीरता पर इसलिए भी संदेह होता है, क्योंकि जो मोबाइल नंबर सुप्रीम कोर्ट के एक न्यायाधीश का बताया गया, वह 2014 का निकला।

अवधेश राजपूत

अपने देश में जो तमाम समस्याएं हैं, उन पर संसद में चर्चा होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। यह अजीब है कि पिछले दिनों कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान विपक्ष सरकार को आड़े हाथ ले रहा था और विशेष सत्र की मांग कर रहा था। इसके लिए सरकार तैयार भी हुई, पर जब चर्चा का समय आया तो विपक्ष पेगासस जासूसी मामले में सरकार को घेरने की कोशिश करता रहा। पेगासस मामले पर आइटी मंत्री का कहना है कि किसी की जासूसी नहीं की गई। यह तो स्पष्ट नहीं कि सरकार ने पेगासस साफ्टवेयर खरीदा या नहीं, लेकिन यह तय है कि खुफिया एजेंसियों के पास जासूसी के अन्य साधन तो होंगे ही। जब सरकार यह कह चुकी है कि जो नंबर उजागर हुए हैं, वे उनकी जासूसी नहीं करा रही थी तो फिर उस पर विश्वास किया जाना चाहिए। विपक्ष सरकार को सदन में इस बात के लिए घेर सकता था कि जासूसी करने वाली एजेंसियों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था बनाई जाए कि वे यह काम मनमानी के साथ न करने पाएं और उन्हें जवाबदेह बनाया जाए। पता नहीं विपक्ष ऐसा क्यों नहीं करना चाहता?

राहुल गांधी यह मानकर चल सकते हैं कि उन्होंने विपक्षी नेताओं को नाश्ते पर बुलाकर और फिर उनके साथ साइकिल चलाकर एक बड़ी सफलता हासिल कर ली, पर उन्हें यह ध्यान रखना चाहिए कि विपक्षी दल अपनी राजनीति को क्षेत्रीय नजरिये से देखते हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि एक के बाद एक राज्यों में कांग्रेस कमजोर होती जा रही है। उसकी जमीन पर क्षेत्रीय दल काबिज होते जा रहे हैं। आखिर कमजोर होती कांग्रेस को क्षेत्रीय दल क्यों महत्व देंगे? कांग्रेस को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि तृणमूल कांग्रेस जैसे दल विपक्ष का नेतृत्व अपने हाथ में लेने की कोशिश कर रहे हैं। यदि कांग्रेस राज्यों में इसी तरह कमजोर होती रही तो वह दिन दूर नहीं कि खुद उसकी राजनीतिक हैसियत क्षेत्रीय दल सरीखी हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो कांग्रेस का और अधिक अप्रासंगिक होना तय है।

आज देश के सामने कई जटिल मुद्दे हैं। चाहे पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़े हुए दाम हों या फिर कोविड महामारी के कारण उभरी आर्थिक चुनौतियां अथवा बाढ़ की विभीषिका। अगर इन सारे मुद्दों पर चर्चा नहीं होगी तो फिर चुनौतियों से पार कैसे पाया जा सकेगा? चुनौतियां केवल राष्ट्रीय स्तर पर ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हैं। एक ओर अफगानिस्तान के हालात समस्याएं खड़ी कर रही हैं और दूसरी ओर चीन भी चुनौती बना हुआ है। कांग्रेस चीन के रवैये को लेकर बोलती तो खूब है, लेकिन वह एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने से इन्कार कर रही है। बाकी विपक्ष की तुलना में कांग्रेस के पास अंतरराष्ट्रीय मुद्दों का कहीं अधिक तजुर्बा है, लेकिन सदन के भीतर उसका आचरण आश्चर्यचकित करता है। समझना कठिन है कि देश के सामने उपस्थित चुनौतियों पर कांग्रेस कोई सार्थक बहस क्यों नहीं करना चाहती? कांग्रेस सहित विपक्ष यह भूल रहा है कि सदन के भीतर-बाहर के शोर-शराबे या धरने-प्रदर्शन का कोई खास राजनीतिक प्रभाव नहीं पड़ता। संसद के भीतर-बाहर हंगामे या धरना-प्रदर्शन पर दिल्ली का मीडिया कुछ दिन तो ध्यान देता है, पर उसका असर देश के कोने-कोने तक नहीं पहुंचता। अगर विपक्षी दल सार्थक चर्चा के जरिये सरकार को सदन में घेर पाएं और सकारात्मक सुझाव लाकर विधेयकों में संशोधन कराने में सफल हो जाएं तो इसका प्रभाव देश की जनता पर जरूर पड़ेगा।

response@jagran.com

बेमिसाल नीरज

टोक्यो ओलिंपिक में नीरज चोपड़ा ने सचमुच कमाल कर दिया। उन्होंने भाला फेंक में पहला स्थान हासिल कर न केवल देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता, बल्कि अभिनव बिंद्रा के बाद दूसरे ऐसे खिलाड़ी बन गए, जो किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में सबसे आगे रहे। इतना ही नहीं, वह स्वतंत्र भारत के पहले ऐसे खिलाड़ी बने, जिन्होंने एथलेटिक्स में पदक हासिल किया और वह भी स्वर्ण। निःसंदेह ओलिंपिक के एथलेटिक्स में मिल्खा सिंह से लेकर पीटी ऊषा तक ने अपने प्रदर्शन से देश और दुनिया को चमत्कृत किया, लेकिन पदक की आस अधूरी ही रही। इस अधूरी आस को नीरज चोपड़ा ने बेहद शानदार ढंग से पूरा किया। वह किस उच्च कोटि के खिलाड़ी हैं, इसका पता इससे चलता है कि उन्होंने अच्छे-खासे अंतर से न केवल फाइनल में जगह बनाई, बल्कि जीत भी हासिल की। यह असाधारण और उल्लेखनीय है कि उन्होंने भाला फेंक के उस खेल में अपनी बादशाहत हासिल की, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों की मुश्किल से ही गिनती होती थी। वह अपनी बेमिसाल कामयाबी के लिए शाबासी के हकदार हैं। उन्हीं के कारण 13 साल बाद ओलिंपिक में राष्ट्रगान गूंजा। उन्होंने देश को उत्साह और आनंद के वे अद्भुत क्षण प्रदान किए, जिनकी लोग व्यग्रता से प्रतीक्षा करते हैं। ऐसे क्षण देश को केवल गौरवान्वित ही नहीं करते, बल्कि लाखों बच्चों और किशोरों को खेल के मैदान में आने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

नीरज चोपड़ा की स्वर्णिम सफलता यह बताती है कि भारत उन खेलों में भी कामयाब हो सकता है, जिनके बारे में यह धारणा है कि उनमें हमारे खिलाड़ी कुछ खास नहीं कर सकते। नीरज इसकी मिसाल हैं कि लगन और मेहनत से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। भाला फेंक में नीरज के स्वर्ण पदक के साथ भारत ने टोक्यो ओलिंपिक में कुल सात पदक हासिल कर लिए हैं। इसी के साथ यह देश का सबसे सफलतम ओलिंपिक बन गया है। अब कोशिश इस बात की होनी चाहिए कि भारत खेल में एक बड़ी ताकत बने। आज के युग में किसी देश की प्रतिष्ठा इससे भी तय होती है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं और विशेषकर ओलिंपिक में कैसा प्रदर्शन करता है? भारत का लक्ष्य अगले या फिर उसके अगले ओलिंपिक की पदक तालिका में शीर्ष दस देशों में स्थान बनाने का होना चाहिए। यह कठिन काम है, लेकिन असंभव नहीं। इसके लिए उस खेल संस्कृति को और तेजी के साथ विकसित करने पर जोर दिया जाना चाहिए, जिस पर पिछले कुछ वर्षों से काम हो रहा है। इसमें खेल संघों के साथ राज्य सरकारों को भी अपने हिस्से की भूमिका का निर्वाह करना होगा, ताकि हमारे पास कई नीरज चोपड़ा हों।

बाढ़ से निजात की पहल

बिहार में बाढ़ से हर साल व्यापक क्षति होती है। जानमाल का नुकसान होता है। सरकार इससे निजात के लिए लगातार प्रयास भी कर रही है, ताकि इस प्राकृतिक आपदा से जानमाल की क्षति रोकी जा सकी। इसी कड़ी में जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने वेबिनार के माध्यम से देश-विदेश के विशेषज्ञों से सुझाव भी मांगे, यह अच्छी पहल है। इसका अवलोकन करने के बाद इस पर काम किया जाना चाहिए, ताकि राज्य को इसका लाभ मिल सके। उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के परिप्रेक्ष्य में यह देखना जरूरी है कि समुचित जल प्रबंधन से किस तरह इसका लाभ उठाया जा सकता है। सरकार ने इस दिशा में प्रयास भी किया है, जिसे और तेजी से आगे बढ़ाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का इस पर बहुत ज्यादा जोर भी है। यही कारण है कि उन्होंने नदियों की सुध लेते हुए कई निर्देश भी दिए हैं। बिहार में हर खेत को पानी देना भी प्राथमिकता में है, जिसमें नदी जल प्रबंधन बहुत कारगर सिद्ध हो सकता है। यह अच्छी बात है कि सरकार इस मुद्दे पर लगातार बात कर रही है। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ वेबिनार भी इसी का एक हिस्सा है, जिसमें इन मुद्दों पर विभागीय टीम सभी के सुझावों का अध्ययन कर आगे की रणनीति बनाएगी। इसमें बाढ़ के प्रभाव को कम करने और हर खेत तक पानी पहुंचाने के मुद्दे पर काम किया जाएगा। विशेषज्ञों ने नदियों को गहरा करने के साथ नए मार्ग बनाने का भी सुझाव दिया है, जिससे पानी पास की दूसरी नदियों में स्थानांतरित किया जा सके। इससे बाढ़ की समस्या बहुत हद तक कम हो सकती है और जहां पानी नहीं है, वहां पानी भी पहुंचाया जा सकता है। नदियों में जमा गाद को भी साफ करने का सुझाव दिया गाय है, ताकि जलस्तर अपनी सीमा में रहे। जलवायु परिवर्तन को भी ध्यान में रखते हुए योजना बनाने का सुझाव है। जो सुझाव आए हैं, उस पर पहले भी बात होती रही है। इसका गहराई से अध्ययन कर यहां की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार इसे गति देने की जरूरत है।

बाढ़ और सुखाड़ बिहार के लिए एक बड़ा मुद्दा है। यह खेती को व्यापक नुकसान पहुंचता है। इस दिशा में किए जा रहे प्रयास को जल्द से जल्द अमलीजामा पहनाने की जरूरत है

चेले को साधने का तरीका

हास्य-व्यंग्य

संतोष त्रिवेदी

जितना घुटा और खालिस चेला होता है, आगे चलकर वह उतना ही शातिर गुरु बनता है

सच्चे गुरु की खोज में सब रहते हैं, पर सच्चे चेले के लिए कभी गंभीरता से खोज हुई हो, नहीं मालूम। साहित्य के विद्वानों से यह भारी चूक हुई है। जहां कठिन साधना से एक अच्छा-खासा गुरु साधा जा सकता है, वहीं उभरता हुआ चेला शायद ही किसी से सधा हो! सच तो यह है कि पहुंचा हुआ गुरु भी सामान्य क्वालिटी का ही चेला चाहता है। उन्नत किस्म का चेला कब शातिर हो जाए, कोई नहीं कह सकता। साहित्य में हमने गुरु-महिमा खूब पढ़ी और सुनी है। गुरुओं पर पुराणों के पन्ने रंग डाले गए हैं, पर मजाल है कि चेलों पर कुछ भी लिखा गया हो। चेले हमेशा 'अंडररेट' किए गए। उन्हें 'गुरु बिन लहै न ज्ञान' कहकर भरमाया गया। जबकि सच तो यह है कि ज्ञान प्राप्त करने के लिए कोई चेला अपना वक्त बर्बाद नहीं करता। आजकल के गुरु इसीलिए 'ज्ञान' के बजाय 'सम्मान' बांट रहे हैं।

हालांकि गुरु-चेले का संबंध बड़ा संवेदनशील और बेहद आपसी मसला है, पर चेलों के बारे में जानना जरूरी है। इनके ऊपर अभी तक कोई विस्तृत शोध नहीं हुआ है। इस वजह से उनकी तमाम विशेषताओं से अधिकतर गुरु अनजान रहते हैं और गच्चा खा जाते हैं। साहित्य में सफल गुरु बनने के लिए जरूरी है कि चेलहाई के सारे दांव-पेच आने चाहिए। यह तभी संभव है, जब वह खुद विशुद्ध चेला रहा हो। जितना घुटा और खालिस चेला होता है, आगे चलकर वह उतना ही शातिर गुरु बनता है। असल चेला तो वही है, जो गुरु को उसके ही अखाड़े में पछाड़ दे। हमारे एक प्रसिद्ध गुरु का कहना था, 'पहले एक छोटे अखाड़े में प्रवेश करिए। अपने गुरु की सेवा कर दो-चार पैंतरे सीखिए और फिर दांव पाते ही सबसे पहले गुरु को ही चित्त कर दीजिये।' ज्ञानी जन इसे गुरुद्रोह नहीं कहते। इससे गुरु को वास्तविक मुक्ति मिलती है; साहित्य से भी और इस भौतिक संसार से भी। जो वाकई में 'गुरु' होते हैं, वे ऐसे चेलों के इरादे पहले ही भांप लेते हैं। अपने चेले से वे हमेशा सतर्क रहते हैं। उनमें गुरुदक्षिणा की लालसा भी नहीं बचती।

चेलहाई का काम कठिन होता है। अपने मनोरथ दबाकर गुरु जी पर फोकस करना पड़ता है। चेला गुरु जी का 'साहित्यिक-स्टाल' चलाता है, मजूरी में उसे साहित्य का हर 'सम्मान' मिलता है। चेला जब तक ठीक-ठाक नहीं लिखता-पढ़ता, गुरुजी का आशीष बना रहता है। जैसे ही चेले का साक्षात्कार अच्छे लेखन से होता है, उसके बुरे दिन शुरू हो जाते हैं। इससे गुरु तो कुपित होते ही हैं, साहित्य के सारे पुण्यों, सम्मानों से वह वंचित हो जाता है। ऐसे चेले अधम कोटि की श्रेणी में आते हैं।

चोटी का चेला किसी-किसी को ही नसीब होता है। ऐसा चेला गुरु के जीते जी अपने सारे सपने पूरे कर लेता है। गुरु द्वारा अर्जित की गई हर तरह की संपत्ति पर उसका 'वैध' अधिकार होता है। इसके लिए उसे गुरु की आज्ञा भी नहीं लेनी पड़ती। गुरु जी के लिए यह साफ संदेश होता है कि अब गुरुदक्षिणा मिलने का समय आ गया है। इस तरह दोनों को मुक्ति मिलती है।

चेलों की एक 'लंपट कोटि' भी है, जो आजकल तेजी से बढ़ रही है। इनके 'इनबाक्स' हमेशा ओवरफ्लो रहते हैं, जबकि बेचारे गुरु जी एक-एक कमेंट को तरसते हैं। ऐसे तत्व गुरु जी को गोष्ठियों के बजाय इंटरनेट मीडिया में घेरते हैं। उनकी 'अमृत-वाणी' पर सवाल उठाते हैं। गुरु जी की नई किताब बेचने से इन्कार कर देते हैं। नामुराद गुरु की कविता में छंद-दोष निकालते हैं। व्यंग्य में 'सरकार' और 'सरोकार' ढूंढ़ते-फिरते हैं। गुरु फिर भी 'गुरु' ठहरे। ऐसे चेलों का इलाज अपने पास रखते हैं। बचा हुआ मंत्र फूंक देते हैं। कभी हर किताब की पन्नी काटने वाले कन्नी काटने लगते हैं। असभ्य चेलों के नाम सभी 'सम्मान-सूचियों' से आदर के साथ यह कहकर कटवा देते हैं कि ये इतने छोटे सम्मान के योग्य नहीं। इसका असर यह होता है कि फिर किसी को गुरु जी के 'प्रिय' चेले को सम्मानित करने की हिम्मत नहीं होती। गुरुओं को इस हालत में लाने वाले ऐसे चेलों का कभी भी कल्याण नहीं हो सकता।

response@jagran.com

ऊर्जा

पर्यावरण और अध्यात्म

हमारे चारों ओर का वातावरण पर्यावरण कहलाता है। इसमें धरती-आकाश, नदी-पर्वत, वन-उपवन, जल-वायु तथा जीव-जन्तु सभी आते हैं। मनुष्य इस ब्रह्मांड की तुच्छ इकाई है, जो पूर्णतः अन्य तत्वों पर निर्भर है। उसकी लाचारी का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उसकी एक सांस भी वायु के बिन नहीं चलती, पर आज मनुष्य इनकी उपादेयता नहीं समझता। दुरुपयोग भी करता है और प्रदूषित भी।

हमारे प्राचीन ऋषि-मुनि केवल तपस्वी नहीं, वरन विज्ञानी भी थे। तभी पंचमहाभूतों को देवता माना और उनसे आत्मिक रिश्ता जोड़ा। धरती को मां और आकाश को पिता कहकर पुकारा। जब हम किसी को रिश्तों में बांध लेते हैं तो उनका सम्मान करते हैं, प्रदूषित नहीं। जब ये तत्व शुद्ध रहेंगे, पर्यावरण शुद्ध रहेगा। तब मानव शरीर भी स्वस्थ रहेगा। वैदिक साहित्य में ऋग्वेद के द्यौ, पृथ्वी, अग्नि आदि सूक्त इसके प्रमाण हैं। जिनमें पृथ्वी, जल, वायु आदि सभी तत्वों से प्राणि जगत के योगक्षेम की प्रार्थना की गई है। विविध जीव-जन्तुओं को देवों का वाहन कहकर उनका संरक्षण सुनिश्चित किया गया है।

वृक्ष पर्यावरण के आधार हैं। यही प्राणवायु प्रदाता और दूषित वायु के अवशोषक हैं। इस प्रकार वृक्ष गरलपायी शिव हैं। हमारे ऋषिगण यह जानते थे। अतः इन पर देवताओं का वास कहकर इनकी पूजा करते थे। पीपल पर ब्रह्मदेव और नीम पर देवी का वास बताया। गीता में श्रीकृष्ण ने खुद को वृक्षों में पीपल कहा है। आज विज्ञान ने भी मान लिया है कि पीपल सबसे अधिक प्राणवायु उत्सर्जक है तथा नीम में सबसे अधिक रोग निवारक तत्व मौजूद हैं। प्राचीन ग्रंथों में वृक्षों को जीवधारी माना गया है। उनमें सजीवों के सभी लक्षण मौजूद हैं। अतः उन्हें काटने का कोई प्रश्न ही नहीं था। आज पुनः पर्यावरण को अध्यात्म से जोड़ने की जरूरत है। तभी ग्लोबल वार्मिंग के खतरे से बचा जा सकेगा। इसके अतिरिक्त अन्य कोई मार्ग नहीं।

डा. सत्य प्रकाश मिश्र

नैनोबाडीज से कोविड का मुकाबला

मुकुल व्यास

एंटीबाडीज की मदद से हमारा इम्यून सिस्टम रोगाणुओं के हमले को रोकने की कोशिश करता है

जर्मनी के शोधकर्ताओं ने ऐसी सूक्ष्म एंटीबाडीज विकसित की है, जो कोरोना वायरस और उसके नए खतरनाक वैरिएंट का कारगर ढंग से मुकाबला कर सकती हैं। ये सूक्ष्म एंटीबाडीज अथवा नैनोबाडीज वायरस के साथ जुड़कर उसे निष्प्रभावी करने में उन नैनोबाडीज से 1000 गुणा ज्यादा प्रभावी हैं, जो पहले विकसित की जा चुकी हैं। विज्ञानियों ने नई नैनोबाडीज को कुछ इस तरह से विकसित किया है कि वे लंबे समय तक टिकाऊ रहें और उच्च तापमान झेल सकें। इन दोनों गुणों की वजह से ये कोविड-19 के इलाज में कारगर हो सकती हैं। इन्हें कम लागत पर अधिक मात्रा में तैयार करके कोविड की औषधियों की मांग को पूरा किया जा सकता है। इस समय क्लिनिकल ट्रायल के किए इन नैनोबाडीज का उत्पादन किया जा रहा है।

ध्यान रहे कि एंटीबाडीज की मदद से हमारा इम्यून सिस्टम रोगाणुओं के हमले को रोकने की कोशिश करता है। ये एंटीबाडीज वायरस के साथ जुड़कर उसे निष्प्रभावी कर देती हैं जिससे वह कोशिकाओं को संक्रमित नहीं कर सकता। एंटीबाडीज का उत्पादन औद्योगिक पैमाने पर किया जा सकता है। गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों के इलाज में इन एंटीबाडीज का प्रयोग किया जाता है। ये एंटीबाडीज दवाओं की तरह से काम करती हैं। ये बीमारी के लक्षणों को दूर करने और मरीज की रिकवरी के समय को कम करने में मदद करती हैं। हेपेटाइटिस बी और रेबीज के इलाज के लिए यह एक स्थापित उपचार विधि है। एंटीबाडीज का प्रयोग कोविड के इलाज के लिए भी किया जाता है, लेकिन औद्योगिक स्तर पर इनका उत्पादन एक जटिल प्रक्रिया है और पूरी दुनिया की मांग को पूरा करने की दृष्टि से यह बहुत महंगी भी है। नैनोबाडीज से इस समस्या का समाधान हो सकता है।

ये सूक्ष्म एंटीबाडीज अत्यंत टिकाऊ होने के साथ-साथ कोरोना वायरस और उसके अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वैरियंट के खिलाफ बहुत कारगर हैं। ये सभी कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन को अवरुद्ध करती हैं, जिसके जरिये वायरस कोशिकाओं में दाखिल होता है। ये सूक्ष्म एंटीबाडीज 95 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान बर्दाश्त कर सकती हैं और उच्च तापमान से उनके कार्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। दूसरे शब्दों में ये शरीर में लंबे समय तक सक्रिय रह सकती हैं। गर्मी को झेलने वाली नैनोबाडीज को तैयार करना और स्टोर करना ज्यादा आसान है। नैनोबाडीज के उत्पादन के लिए शोधकर्ताओं ने दक्षिण अमेरिका में पाए जाने एल्पाका ऊंट का प्रयोग किया। ये नैनोबाडीज पारंपरिक एंटीबाडीज की तुलना में बहुत छोटी होती हैं। शोधकर्ताओं ने एल्पाका के रक्त से नैनोबाडीज के करीब एक अरब ब्लूप्रिंट तैयार किए। नैनोबाडीज उत्पादन के लिए एल्पाका ऊंटों में कोरोना वायरस के स्पाइक प्रोटीन के हिस्से प्रविष्ट किए थे।

(लेखक विज्ञान के जानकार हैं)

राजरंग

साबित करने की जिद

पिछले दिनों मोदी मंत्रिमंडल में बड़ा फेरबदल हुआ और कइयों का पत्ता काट दिया गया। बड़ी चर्चा छिड़ गई कि आखिर लगभग एक दर्जन मंत्रियों को हटाया क्यों गया? कुछ लोग तो बिल्कुल चुप हैं। वह यह स्वीकार कर चुके हैं कि यह प्रधानमंत्री का अधिकार क्षेत्र है। उन्होंने ही मंत्री बनाया था और उन्होंने ही हटाया तो मन में कोई गांठ नहीं होनी चाहिए, लेकिन कुछ ऐसे भी हैं, जो अभी भी खुद को साबित करने में जुटे हुए हैं। बताया जाता है कि उत्तर भारत से आने वाले ऐसे ही एक पूर्व केंद्रीय मंत्री अब सांसदों के बीच अपनी उपलब्धियों की पुस्तिका बांटने की योजना बना रहे हैं। उनके दो साल के कार्यकाल में क्या कुछ किया गया, इसका संकलन किया जा रहा है। जाहिर है कि नेता जी भविष्य के लिए कुछ हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं।

लिहाज में गए दो साल

रेट्रोस्पेक्टिव टैक्स को हटाने का फैसला बहुत पहले हो गया होता, अगर सरकार ने प्रणव दा का लिहाज नहीं किया होता। असलियत में वर्ष 2014 में सत्ता में आने के बाद ही तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस टैक्स को हटाने को लेकर उच्च स्तर पर विमर्श किया था। सभी ने इसका समर्थन किया था। यहां तक कि कांग्रेस के पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने भी, लेकिन बात प्रणव दा पर जा कर अटक गई, जो उस समय राष्ट्रपति थे। दरअसल इकोनामी के लिए बेहद हानिकारक साबित हो चुके इस टैक्स को उन्होंने ही बतौर वित्त मंत्री लागू किया था। अब अगर सरकार इसे खत्म करती तो इस विधेयक पर बतौर राष्ट्रपति उन्हें ही हस्ताक्षर करना होता। यह बात प्रणव दा के लिए असहज होती। लिहाजा तब टाल दिया गया। वर्ष 2019 में कारपोरेट टैक्स की दर घटाने के साथ ही इस झमेले को समाप्त करने पर विचार किया गया, लेकिन तय यह हुआ कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के फैसले का इंतजार हो। इसका मुहुर्त अब बना है।

खयाली पुलाव

मध्य प्रदेश के कुछ-एक नेता इन दिनों दिल्ली में जबरिया की कसरत करते दिख रहे हैं। वे अपना जनसंपर्क अभियान कुछ इस तरह से चलाए हुए हैं, जैसे उनके प्रदेश में कुछ नया होने वाला है। खास बात तो यह है कि उनकी यह सक्रियता तब ज्यादा देखने को मिलती है, जब शिवराज मामा का दिल्ली दौरा होता है। इस बीच दिल्ली से लेकर प्रदेश भर में खूब अटकलें भी लगाई जाने लगती हैं। हालांकि इनमें कोई दम नहीं होता है। सिर्फ खयाली पुलाव ही होता है। हाल में दो दिन लगातार मामा को किसी काम से दिल्ली आना पड़ा। इसके बाद तो इन नेताओं की आंखें ही चमक गईं। लगा कुछ होने वाला है। सभी अपने-अपने स्तर पर बदलाव की अफवाहों को हवा देने लगे। अब इन्हें कौन बताए कि भाई यह मामा हैं। इनके पैर अंगद से कम मजबूत नहीं हैं।

काम का बोझ

नए मंत्रालय का कामकाज मिलने के बाद से बड़े साहब बोलने के बजाय समझने पर ज्यादा जोर दे रहे हैं। वैसे तो कामकाज उनके हिसाब से गांव और गरीब से जुड़ा है, लेकिन मंत्रालय में कई बड़े-बड़े विभाग और भारी भरकम योजनाएं और परियोजनाएं हैं, जिन पर प्रधानमंत्री कार्यालय की सीधी नजर रहती है। लगता है कि इसी वजह से वह काफी गंभीर हो गए हैं। दिनरात मंत्रालय की फाइलों को पढ़ने, जानने और समझने में लगे हुए हैं। जिस तीखी राजनीतिक बयानबाजी के लिए उन्हें जाना जाता है, फिलहाल उससे तौबा किए हुए हैं। संसद चले- न चले, लेकिन साहब की तैयारी पूरी रहती है। तभी तो गिरिराज जी फाइलों और कामकाज के बोझ से दबे हुए हैं। कहते हैं, पूरा बतियाएंगे, लेकिन पहले मंत्रालय को ठीक से समझ तो लें। छुट्टियों के दिन भी साहब मंत्रालय में अफसरों से सवाल दर सवाल कर उनसे जवाब ढूंढते रहते हैं।

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी* दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

1213 ईस्वी में तेलंगाना में तत्कालीन काकतीय वंश के राजा गणपति देव ने एक शिव मंदिर का निर्माण आरंभ किया। लगभग 40 वर्ष बाद निर्मित हुए इस मंदिर के वास्तुकार रामप्पा के नाम पर ही इस मंदिर का नामकरण किया गया।

आजकल

अनंत विजय
anant@nda.jagran.com

अश्लीलता और मुनाफे का खेल

मनोरंजन के नाम पर अश्लील सामग्री परोसने का चलन हमारे देश में बढ़ता जा रहा है। कम लागत में अधिक मुनाफा हासिल होने की प्रवृत्ति ने इस कारोबार को फलने-फूलने का मौका उपलब्ध कराया। हालांकि इंटरनेट माध्यमों पर अश्लील सामग्री परोसने और उसके जरिये मुनाफा कमाने का कारोबार पिछले कई वर्षों से जारी है, लेकिन फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा के इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त होने के आरोप के बाद से यह मामला चर्चा में है। लिहाजा इस संबंध में सख्त नियम बनाने का समय आ गया है, ताकि इंटरनेट मीडिया के जरिये परोसी जा रही अश्लीलता से जुड़ी सामग्रियों पर रोक लगाई जा सके

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा पर एप के माध्यम से अश्लीलता परोसने का आरोप। इंटरनेट मीडिया

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा इन दिनों अश्लील फिल्मों के बवंडर में घिरे हैं। थाना, पुलिस, कचहरी और जेल के चक्कर लगा रहे हैं। उन पर आरोप है कि वह एक एप के जरिये अश्लील फिल्मों का कारोबार करते हैं। यह पहली बार हो रहा है कि एक टाप की अभिनेत्री के पति अश्लील फिल्मों के कारोबार में फंसे हैं। लेकिन यह पहली बार नहीं है कि शिल्पा के पति विवाद में आए हैं। राज कुंद्रा जब 'राजस्थान रायल्स' के मालिकों में से एक थे तब उन पर मैच फिक्सिंग के आरोप लगे थे। उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी और जेल भी गए थे। उनकी टीम राजस्थान रायल्स के खेलने पर प्रतिबंध भी लगा था। उसके पहले जब राज कुंद्रा ने शिल्पा शेट्टी से शादी की थी तो उनकी पहली पत्नी और उनके बहनोई के रिश्तों को लेकर भी आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला था। इस बार राज कुंद्रा पहले के आरोपों से ज्यादा संगीन इल्जाम में फंसे हैं। उनकी पत्नी शिल्पा शेट्टी से भी पूछताछ की जा चुकी है। शिल्पा शेट्टी ने अपनी निजता को लेकर अपील भी की है, उनकी निजता का सम्मान होना चाहिए, लेकिन अगर कहीं कानून तोड़ा गया है तो उसकी चर्चा तो स्वाभाविक है। उसमें निजता आदि की बात बेमानी हो जाती है।

दरअसल अश्लील फिल्मों का कारोबार पिछले एक दशक में कई गुणा बढ़ा है। तकनीक के फैलाव और इंटरनेट के घनत्व के बढ़ते जाने से अश्लीलता के कोष्ठक में रखी जानेवाली सामग्री का चलन काफी बढ़ गया है। अगर गहराई से इस मामले पर विचार करें तो पाते हैं कि राज कुंद्रा पर जो दो आरोप लगे, उन दोनों से जुड़े कारोबार में लागत कम और मुनाफा बहुत अधिक है। यह सर्वविदित है कि मैच फिक्सिंग और अश्लील फिल्मों के कारोबार में बहुत अधिक पैसा कमाया जा सकता है। धंधे में इसको 'ईजी मनी' कहते हैं। अश्लील फिल्मों का कारोबार करना हमारे देश के कई कानूनों के अंतर्गत अपराध माना जाता है और आरोप सिद्ध होने पर दंड का भी प्रविधान है।

राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद इंटरनेट माध्यमों पर उपलब्ध अश्लील सामग्रियों को लेकर देशव्यापी बहस होनी चाहिए। इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील सामग्री को रोक पाना लगभग असंभव है। भारत समेत दुनिया के कई देशों में अश्लीलता के खिलाफ कानून है। कई देशों में दिशानिर्देश है कि मनोरंजन या यथार्थ के नाम पर आप कितना दिखा सकते हैं और कितना छिपा सकते हैं। अमेरिका में फिल्मों में इतना खुलापन है कि वहां स्त्री-पुरुष के बीच के अंतरंग दृश्यों को दिखाया जाता है और उस पर कोई वैधानिक प्रतिबंध नहीं है। इसी तरह कई यूरोपीय देशों में खुलापन है, लेकिन जापान समेत कई देश फिल्मों में इस तरह के दृश्यों को लेकर सचेत हैं और वहां उन दृश्यों में अंगों को छिपाने का दिशानिर्देश है। हमारे देश में इस तरह से कोई स्पष्ट दिशानिर्देश नहीं है और यह अदालत या जांच एजेंसी के विवेक पर निर्भर है। कामुकता और अश्लीलता के बीच एक बहुत ही बारीक रेखा है। उसको परिभाषित करने की अपनी अपनी दृष्टि है। आज फेसबुक से लेकर कई अन्य इंटरनेट मीडिया माध्यमों पर इस तरह की सामग्रियां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। ओटीटी यानी ओवर द टाप प्लेटफार्म पर भी अश्लील सामग्रियों की भरमार है। ओटीटी को लेकर नियमन जारी हो गया, संभव है कि उसको लेकर कार्रवाई भी आरंभ हो गई होगी, पर यहां उपलब्ध अश्लील सामग्री पर किसी तरह की रोक दिखाई नहीं देती। जितनी जुगुप्साजनक सामग्री पहले उपलब्ध थी वो अब भी है, बल्कि बढ़ ही रही है।

अश्लील फिल्में या सामग्री दिखानेवाले निर्माता या प्लेटफार्म अधिक मुनाफा की चाहत में ऐसा करते हैं। पहले 'सेक्रेड गेम्स' में नायिका को टापलेस दिखाया गया। 'लस्ट स्टोरीज' में उससे एक कदम आगे बढ़ गए। बाद में आई वेब सीरीज में रति प्रसंगों को दिखाया जाने लगा। वेब सीरीज को लेकर किसी तरह की कोई पाबंदी या दिशानिर्देश नहीं होने से इन निर्माताओं का हौसला बढ़ता गया। अश्लीलता को दिखाने का एक अलग ही पैटर्न है। और कई फिल्म निर्माता इस पैटर्न को अपनाते हैं। पहली बार जितना दिखाया जाता है अगली बार उससे अधिक या आगे दिखाने की प्रवृत्ति काम करती है। यह प्रवृत्ति संक्रामक होती है जो दूसरे फिल्म निर्माताओं को भी अपनी चपेट में ले लेती है। अगर हम भारतीय फिल्मों के उदाहरण से इसको समझें तो यह पैटर्न साफ दिखता है। वर्ष 1970 के पहले की फिल्मों को लें तो दुष्कर्म जैसे दृश्यों को दिखाने के लिए फूलों को मसलने जैसे दृश्य को प्रतीक के तौर पर उपयोग में लाया जाता था। फिर जब ये स्थापित हो गया तो निर्माता थोड़ा और आगे बढ़े और नायिका को जबरन पकड़ने व साड़ी आदि खींचने के दृश्य आ गए। अब तो यह प्रवृत्ति नग्नता तक चली गई है। इसका आधुनिकता और समाज के खुलेपन से कोई लेना-देना नहीं है, बल्कि यह अश्लीलता का व्याकरण है जो इस नियम का पालन करता है जिसमें थोड़ा और, थोड़ा और करते हुए आगे बढ़ते हैं।

चतुर निर्माता पहले थोड़ा दिखाते हैं और उन दृश्यों को दर्शकों की स्वीकार्यता की प्रतीक्षा करते हैं। उसको बोल्ड, खुलापन आदि कहकर एक सुंदर सा आवरण चढ़ाते हैं। अगर आप हिंदी फिल्मों में किसिंग सीन के विकास क्रम को देखें या नायिकाओं के बिकिनी या कम कपड़े पहनने के चलन के बारे में विचार करें तो निर्माताओं की चतुराई की प्रवृत्ति स्पष्ट दिखती है। 'संगम' फिल्म में वैजयंतीमाला के बिकिनी पहनने से फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' में मंदाकिनी के झरने में झीनी साड़ी में स्नान-दृश्य से लेकर फिल्म 'जिस्म' तक के दृश्यों में इसको रेखांकित किया जा सकता है। यह सब कहानी की मांग की आड़ में होता है। नायिकाओं के खुलेपन को दिखाने का भी एक कौशल होता है। राज कपूर की फिल्मों में यह कौशल दृष्टिगोचर होता है। वहां खुलेपन में भी एक कलात्मकता होती है या कह सकते हैं कि उस खुलेपन का एक सौंदर्यशास्त्र होता है। कालांतर में यह कलात्मकता गौण होती चली गई और उसका स्थान नग्नता ने ले लिया। यही हाल हिंसा का भी है। अगर आप 1970 के पहले की फिल्में देखें तो उसमें जिस तरह की हिंसा होती थी, उसके बाद हिंसा बढ़ती चली गई। अब तो हालत ये है कि किसी की हत्या के बाद उसके शरीर को इस तरह के काटा जाता है कि आप चंद सेकेंड उस दृश्य को नहीं देख सकते। पहले पेट में चाकू मारकर हत्या की जाती थी, फिर गोलियों से भूना जाने लगा, अब फाइट सीन के बाद खलनायक को नुकीली चीज पर टांग दिया जाता है या फिर मारकर अंतड़ियां तक निकाल दी जाती हैं। परिवार के साथ बैठकर न तो खुलापन देख सकते हैं, न ही हिंसा के दृश्य।

कुछ निर्माताओं या निर्देशकों के बारे में कहा जाता है कि कई बार वो अपनी फिल्मों में निजी कुंठा का प्रदर्शन करते हैं। ओटीटी पर कुछ वेब सीरीज के निर्माता या निर्देशक का नाम देखेंगे और उनके बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे तो ये और भी स्पष्ट हो जाएगा। मानसिक रूप से बीमार या कुंठित कुछ निर्माता यौनिकता के चित्रण में आनंद प्राप्त करते हैं। उनको जब दर्शक भी मिल जाते हैं तो उनका ये आनंद बढ़ जाता है।

राज कुंद्रा की गिरफ्तारी के बाद एक बार फिर से मनोरंजन के नाम पर अश्लील सामग्री परोसने की या अश्लील फिल्मों के निर्माण को लेकर सख्त नियम बनाने की बात शुरू हो सकती है। इंटरनेट माध्यमों पर उपलब्ध नग्नता को काबू में करने की बात और मांग संभव है।

विश्व धरोहर

तेलंगाना का रामप्पा मंदिर

डा. नीलम महेंद्र

तेलंगाना के रामप्पा मंदिर को हाल ही में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया गया है। भारत के लिए यह गौरव का पल था तो विश्व के विज्ञानियों के लिए एक अचंभा भी था। लगभग 800 साल पहले निर्मित रामप्पा मंदिर केवल एक सांस्कृतिक धरोहर ही नहीं है, बल्कि यह ज्ञान-विज्ञान से पूर्ण भारत के गौरवशाली अतीत का जीवित प्रमाण भी है। यह पत्थरों पर उकेरा हुआ एक महाकाव्य है जो 800 वर्षों से भारत की वास्तुकला और विज्ञान की गाथा गा रहा है।

वर्ष 1213 में तत्कालीन काकतीय वंश के राजा गणपति देव के मन में एक शिव मंदिर बनाने की प्रेरणा जगी। यह जिम्मेदारी उन्होंने सौंपी वास्तुकार रामप्पा को। उन्होंने अपने राजा की इच्छा को ऐसे साकार किया कि राजा को ही मोहित कर लिया। इतना मोहित कि उन्होंने मंदिर का नामकरण रामप्पा के ही नाम से कर दिया। आखिर राजा मोहित होते भी क्यों नहीं, रामप्पा ने राजा के भावों को बेजान पत्थरों पर उकेर कर करीब 40 वर्षों की मेहनत से उसे एक सुमधुर गीत जो बना दिया था। जी हां, रामप्पा ने 40 वर्षों में जो बनाया था वह केवल मंदिर नहीं था, वह विज्ञान का सार और कला का भंडार था। यह कलाकृति एक शिव मंदिर है जिसे रुद्रेश्वर मंदिर भी कहा जाता है।

किसी शिल्पकार के लिए इससे बड़ी बात और क्या हो सकती है कि उसके द्वारा बनाया गया मंदिर उसके नाम से जाना जाए। मशहूर खोजकर्ता मार्को पोलो ने जब इसे देखा था तो इसे 'मंदिरों की आकाशगंगा का सबसे चमकीला सितारा' कहा था। दरअसल जब इस मंदिर का अध्ययन किया गया तो विज्ञानियों और पुरातत्वेत्ताओं के लिए यह तय करना मुश्किल हो गया कि इसका कला पक्ष भारी है या इसका तकनीकी पक्ष।

छह फुट ऊंचे सितारे के आकार के प्लेटफार्म पर बनाए गए एक हजार पिलर वाले इस मंदिर की नींव सैंडस्टोन तकनीक से भरी गई थी जो भूकंप के दौरान धरती के कंपन की तीव्रता को कम करके इसकी रक्षा करती है। इसके अलावा मंदिर की मूर्तियों और छत के अंदर बेसाल्ट पत्थर प्रयोग किए गए हैं। अब यह वाकई में आश्चर्यजनक है कि वह पत्थर जिसे डायमंड इलेक्ट्रानिक मशीन से ही काटा जा सकता है, वह भी केवल एक इंच प्रति घंटे के दर से, कल्पना कीजिए कि आज से 800 साल पहले भारत के पास केवल ऐसी तकनीक ही नहीं

सांस्कृतिक धरोहर के साथ भारत के गौरवशाली अतीत का जीवित प्रमाण: रामप्पा मंदिर। इंटरनेट मीडिया

थी, बल्कि कला भी बेजोड़ थी। इस मंदिर की छत और खंभों पर भी इतनी बारीक कारीगरी की गई है जो आज भी मुश्किल प्रतीत हो रही है, क्योंकि उन पत्थरों पर उकेरी गई कलाकृतियों की कटाई और चमक देखते ही बनती है। कला की बारीकी की इससे बेहतर और क्या मिसाल हो सकती है कि मूर्ति पर उसके द्वारा पहने गए आभूषण की छाया तक उकेरी गई है। आज भी इन मूर्तियों की चमक सुरक्षित है। इससे भी बड़ी बात यह है कि पत्थरों की ये मूर्तियां थ्रीडी हैं। शिव जी के इस मंदिर में नंदी की मूर्ति इस प्रकार से बनाई गई है कि लगता है कि नंदी बस चलने ही वाला है। मंदिर की छत पर शिव जी की कहानियां उकेरी गई हैं तो दीवारों पर रामायण और महाभारत की। मंदिर में मौजूद शिवलिंग के तो कहने ही क्या। वह अंधेरे में भी चमकता है। आज एक बार फिर भारत की सनातन संस्कृति की चमक विश्व भर में फैल रही है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

ट्वीट-ट्वीट

पीएम मोदी के शासनकाल के सातवें वर्ष में भारत को ओलिंपिक में सात पदक। अद्भुत संयोग है! सरकार इससे उत्साहित हो खेल में और निवेश करेगी। संकेत साफ हैं!
ब्रजेश कुमार सिंह@brajeshksingh

हमारे बहुत से खिलाड़ी ऐसे हैं, जो कमाल कर रहे हैं, लेकिन ओलिंपिक में पदक से रह जा रहे हैं। ऐसे खिलाड़ियों पर भी दृष्टि बनाए रखिए, उनकी भी चर्चा कीजिए, उत्साह बढ़ाइए। यही अगले ओलिंपिक में पदक भी लेकर आएंगे।
हर्ष वर्धन त्रिपाठी@MediaHarshVT

जर्मनी के खिलाड़ी को मात देकर स्वर्ण हासिल करना छोटी बात नहीं। टोक्यो ओलिंपिक के पहले जर्मनी के जोहानिस वेटर फेवरेट थे, लेकिन फाइनल मुकाबले में वह फीके पड़ गए। उन्होंने कहा था कि नीरज चोपड़ा अच्छे हैं, पर इतने अच्छे नहीं कि उन्हें हरा सकें। उसने कर दिखाया।
मिन्हाज मर्चेंट@MinhazMerchant

एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदकों के साथ भारत का ओलिंपिक में अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन। पहले 50 में जगह बनाई। यह तो शुरुआत है।
अखिलेश शर्मा@akhileshsharma1

टोक्यो ओलिंपिक में दोनों वर्गों में शीर्ष हाकी टीमों का प्रदर्शन इस प्रकार है: पुरुष हाकी- बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, भारत, जर्मनी। महिला हाकी- नीदरलैंड, अर्जेंटीना, ग्रेट ब्रिटेन, भारत। भारत ही एक ऐसा देश है, जो दोनों वर्गों में मौजूद है।
मोहनदास मेनन@mohanstatsman

भारत ने अपनी 50 करोड़ आबादी को कोरोना रोधी वैक्सीन लगा दी है। यह आंकड़ा आस्ट्रेलिया की आबादी से 20 गुणा अधिक है। अभी हमें लंबा रास्ता तय करना है, पर यह क्षण टीकाकरण अभियान पर गर्व करने का अवसर जरूर दे रहा है।
सोनल कालरा@sonalkalra

रचनाकर्म

महाभारत पर शंकाओं का समाधान

ब्रजबिहारी

भारत की महानता के महाकाव्य महाभारत पर सदियों से कलम चलाई जा रही है। अलग-अलग भाषाओं में इसके कई रूप उपलब्ध हैं। समग्रता में और उसमें शामिल अलग-अलग चरित्रों के इर्द-गिर्द भी रचनाएं लिखी गई हैं। फिल्मों और टीवी सीरियलों के जरिये भी जन-जन तक इसके कई रूप पहुंचे हैं। इसकी वजह से वेदव्यास की मूल संस्कृत में लिखे गए इस महाकाव्य के कथ्य और तथ्य कई रचनाओं में नहीं मिलते हैं। हजारों वर्ष के दौरान लेखकों ने इसमें बहुत कुछ जोड़ा-घटाया है। इसके मद्देनजर आमी गनात्रा की पुस्तक 'महाभारत अनरावेल्ड : लेसर नोन फसेट्स आफ अ वेल नोन हिस्ट्री' का स्वागत किया जाना चाहिए।

आइआइएम अहमदाबाद की ग्रेजुएट आमी गनात्रा ने अपनी इस पुस्तक के जरिये आम लोगों में महाभारत को लेकर व्याप्त धारणा को तोड़ने का प्रयास किया है। महाभारत के गंभीर अध्येताओं के लिए तो इसमें कुछ भी नया नहीं है, लेकिन टीवी पर दिखाई गई महाभारत की कथा को सच मानने वालों को इसे पढ़कर काफी हैरानी हो सकती है। मसलन, शकुनि के चरित्र के बारे में आम धारणा यही है कि सब उसी का किया-धरा था। उसी ने दुर्योधन को उकसाया, लेकिन लेखिका ने मूल संस्कृत के पाठ के आधार पर बताया है कि महाभारत की कथा में एक ऐसा मोड़ भी आता है, जब शकुनि भांजे दुर्योधन से कहता है कि पांडवों को उनका राज लौटा दो। इसी तरह दुष्यंत और शकुंतला की कथा के जरिये लेखिका ने बताया है कि कालिदास ने जिस शकुंतला को प्रेम के वशीभूत दिखाया, वह मूल कथा में नारी सशक्तीकरण का प्रतीक बनकर उभरी है। दुष्यंत जब उन्हें नहीं पहचानते हैं तो वह कहीं से भी खुद को कमजोर नहीं समझती है, बल्कि पूरे भरोसे के साथ कहती है कि राजन, आप झूठ बोल रहे हैं। पुस्तक में महाभारत की मूल कथा के साथ ऐसे क्षेपक प्रसंगों को अलग से हाईलाइट किया गया है। इससे पाठक को काफी आसानी होगी।

महाभारत की कथा को लेकर एक और धारणा है कि द्रौपदी के द्वारा दुर्योधन को 'अंधे का पुत्र अंधा' कहना ही इस युद्ध की मुख्य वजह बनी, लेकिन मूल कथा में ऐसे किसी प्रसंग का उल्लेख नहीं है। पांडवों की नई राजधानी इंद्रप्रस्थ के शानदार महल की वास्तुकला के भ्रम में लड़खड़ाकर दुर्योधन के गिरने की बात सही है। वहां उपस्थित पांडव और दूसरे लोगों ने उसकी हंसी भी उड़ाई, लेकिन द्रौपदी इसमें शामिल नहीं थी। अलबत्ता, दुर्योधन जब लौटकर हस्तिनापुर पहुंचा तो उसने अपने अपमान की कहानी में द्रौपदी का नाम भी जोड़ दिया। हालांकि उसने भी यह नहीं बताया कि 'अंधे का पुत्र' कहकर उसका मजाक उड़ाया गया। जाहिर है, हजारों वर्षों के दौरान सैकड़ों लेखकों से गुजरते हुए मूल कथा कई जगह बदल गई है। इसलिए आज की पीढ़ी तक उसके बारे में सही जानकारी पहुंचाना जरूरी है।

इस पुस्तक में लेखिका ने महाभारत को लेकर अब तक अनेक प्रचलित धारणाओं को तथ्यों के आधार पर तोड़ने का प्रयास किया है। इसे पढ़ने-समझने के लिए अंग्रेजी का सामान्य ज्ञान ही काफी है। इसकी भाषा काफी सरल और सहज है...

पुस्तक : महाभारत अनरावेल्ड
लेखिका : आमी गनात्रा
प्रकाशक : ब्लूम्सबरी
मूल्य : 599 रुपये

केवल अंग्रेजी वालों के लिए ही नहीं, बल्कि अन्य भाषाओं के लोग भी इसका रसास्वादन कर अपनी कई शंकाओं का समाधान कर सकते हैं। खास बात यह है कि इसे पढ़ने और समझने के लिए अंग्रेजी का सामान्य ज्ञान ही काफी है, क्योंकि इसकी भाषा काफी सरल और सहज है।

बहरहाल, लेखिका का मानना है कि महाभारत पर इस तरह की पुस्तकें लिखने से वह कुछ लोगों तक पहुंचेंगी, लेकिन अगर देश के स्कूलों में शुरुआत से ही रामायण और महाभारत को पाठ्यक्रम में शामिल कर दिया जाए तो इस देश का ज्यादा कल्याण होगा। 19वीं सदी के मध्य में इस देश में अंग्रेजों की सत्ता कायम होने से पहले देश भर में फैले गुरुकुलों के जरिये शिक्षा दी जाती थी और वहां ये दोनों महाकाव्य पढ़ाए जाते थे। उन्हें पढ़कर व्यक्ति जिंदगी में किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकता था।

फिल्म लेखन का प्रशिक्षण

कन्हैया झा

सिनेमा एक ऐसा माध्यम है, जिसका आकर्षण बहुत लोगों में होता है। आप अपने आसपास देखेंगे तो कई लोग आपको यह कहते हुए मिलेंगे कि उनके पास एक कहानी है, जिस पर बहुत बढ़िया फिल्म बन सकती है। दरअसल हर लेखक की यह इच्छा होती है कि वह ऐसी फिल्म लिखे, जिस पर उसे गर्व हो। लेकिन फिल्म लेखन जैसी तकनीकी और सुनियोजित क्राफ्ट वाली भाषा में दक्षता प्राप्त करने के लिए आपको प्रशिक्षण की आवश्यकता भी होगी। ऐसे में इस पुस्तक के लेखकद्वय रामकुमार सिंह और सत्यांशु सिंह ने प्रयास किया है कि लेखकों को हिंदी फिल्म लेखन के बेहतर गुर सिखाए जा सकें।

यह किताब सिनेमा के एक सहयोगी पेशेवर के रूप में फिल्म-लेखक के कामकाज का चरणबद्ध तरीके से किया गया विवरण प्रस्तुत करती है। फिल्म का अपना एक तौर-तरीका होता है, जिसके दायरे में रहकर ही फिल्म-लेखक को काम करना पड़ता है। इसलिए एक हद तक अपनी स्वायत्त भूमिका रखने के बावजूद उसे निर्माता, निर्देशक, अभिनेता, कैमरा-निर्देशक आदि अनेक सहयोगी पेशेवरों के साथ संगति का ध्यान रखना पड़ता है। फिल्म लेखन जिस हद तक एक कला है, उसी हद तक शिल्प और तकनीक भी है। एक सफल फिल्म लेखक बनने के लिए प्रतिभा के साथ कौशल, अनुशासन और समन्वय की भी जरूरत होती है। फिल्म

पुस्तक : आइडिया से परदे तक : कैसे सोचता है फिल्म लेखक
लेखक : रामकुमार सिंह, सत्यांशु सिंह
प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन
मूल्य : 199 रुपये

लेखन के विविध आयामों- आइडिया, शोध, कहानी, थीम, दृश्य, संवाद, पहला प्रारूप, पुनर्लेखन आदि तथ्यों पर इसमें विस्तार से चर्चा है। एक लोकप्रिय कला के तौर पर सिनेमा एक महत्वपूर्ण उद्योग के रूप में विकसित हो चुका है। बड़ी संख्या में युवा अपना करियर बनाने के उद्देश्य से फिल्म निर्माण से जुड़ते हैं। फिल्म-लेखन की दिशा में आगे बढ़ने वालों के लिए यह किताब उपयोगी साबित हो सकती है।

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या नेताओं के नाम वाले सभी स्टेडियमों का नामकरण खिलाड़ियों के नाम पर किया जाना चाहिए?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या पूर्वी लद्दाख के गोगरा में सैन्य गतिरोध हल होने के बाद चीन पर भरोसा किया जा सकता है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

कुश्ती में भी देश ने जमा दिया है रंग,
सिल्वर दहिया ला रहे और कांस्य बजरंग।
और कांस्य बजरंग चला नीरज का भाला,
समझ गए हैं लोग देश है राणा वाला!
उठो युवाओं छोड़ बेवजह वाली मस्ती,
चुनो खेल मैदान और फिर जीतो कुश्ती!!
– ओमप्रकाश तिवारी

अमीर खुसरो की कविता का स्वदेश

यतीन्द्र मिश्र

हिन्दवी के प्रवर्तक कवि अमीर खुसरो को लेकर भारत के हिंदी और उर्दू समाज में जितने शोध अध्ययन होते रहे हैं, उससे अधिक विदेशी भाषाओं में उन्हें जानने, समझने का सिलसिला चलता रहता है। लगभग हजार साल पहले हुए इस महान रचनाकार के बारे में भारत में ढेरों प्रामाणिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें सबसे चर्चित काम गोपी चंद नारंग का माना जाता है। खुसरो को लेकर जिन अन्य महत्वपूर्ण लोगों ने उनकी पदावलियों का संकलन और जीवन-वृत्त उकेरा है, उसमें भोलानाथ तिवारी, सुदर्शन चोपड़ा और अंकित चड्ढा के नाम लिए जा सकते हैं। हाल ही में प्रकाशित 'अमीर खुसरो : हिन्दवी लोक काव्य संकलन' इस रूप में अनूठा है कि इस किताब को तैयार करते हुए नारंग साहब ने स्प्रिंगर-संग्रह की वह बर्लिन-प्रति, बर्लिन के राष्ट्रीय संग्रहालय में खोज निकाली, जिसकी वर्ष 1852 में जनरल आफ एशियाटिक सोसायटी बंगाल में प्रकाशित लेख में स्प्रिंगर ने चर्चा की थी। यह प्रति कभी अवध के शाही पुस्तकालयों में सुरक्षित थी, जो कालांतर में दुर्लभ हो गई।

यह काबिलेगौर है कि प्रोफेसर गोपी चंद नारंग ने अमीर खुसरो की फारसी किताबों में बिखरे हिन्दवी काव्य के मोती चुनकर आम पाठक के सामने प्रस्तुत किया है। इस लिहाज से भी यह संकलन ऐतिहासिक महत्व रखता है, जहां अमीर खुसरो द्वारा लिखी हुई पहेलियां, कह मुकरनियां, निस्बतें, दो सुखना, अनमिलियां या ढकोसला, कव्वालियों के बोल और खालिक बारी सभी कुछ प्रामाणिक ढंग से अध्ययन के लिए मौजूद हैं। अनुवाद मोहम्मद मूसा रजा ने किया है। अनुवादक की भूमिका को वे डा. राजेंद्र प्रसाद के इस कथन के आलोक में देखते हैं, 'आदर्श अनुवाद वह है जो मूल लेख की प्रत्येक अभिव्यक्ति को व्यक्त करता हुआ, उसके प्रत्येक कथ्य पर समुचित जोर देता हुआ, लेखक की भावना को व्यक्त करे।' इसी राह पर चलते हुए मूसा रजा ने खुसरो काव्य को मूल भाषा के नजदीक रखने की यथासंभव कोशिश की है।

लगभग हजार साल पहले हुए महान रचनाकार अमीर खुसरो के बारे में भारत में अनेक प्रामाणिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, लेकिन उन सभी में सबसे चर्चित काम गोपी चंद नारंग का माना जाता है

पुस्तक : अमीर खुसरो : हिन्दवी लोक काव्य संकलन
लेखक : गोपी चंद नारंग
अनुवाद : मोहम्मद मूसा रजा
प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
मूल्य : 299 रुपये

इस संचयन में खुसरो के हवाले से बहुत कुछ रोचक हासिल होता है। तीसरा अध्याय जवाहर-ए-खुसरवी की पहेलियां हैं, जिसका संपादन वर्ष 1918 में मौलाना मुहम्मद अमीन अब्बासी चिरैयाकोटी ने किया था। बहुत सारी पहेलियों को वाचिक परंपरा में हम सभी ने सुन रखा है, मगर यहां अपने शुद्ध प्रामाणिक पाठ के साथ इन 'बूझ पहेलियों' और 'बिन बूझ पहेलियों' को पढ़ना सुखद है। 'बिन बूझ पहेलियों' से एक उदाहरण देखिए- स्याम बरन पीतांबर कांधे मुरली धरनी होए/ बिन मुरली वह नादकरत है बिरला बूझे कोए (भौंरा)। इसी तरह हिंदी के 'दो सुखना' हमारी वरिष्ठ पीढ़ी की जुबान पर चढ़े रहते थे। आजकल उन्हें दोहराना या पूछना कम हुआ है, क्योंकि हमने अपने लोक और शास्त्र की आंतरिक जुगलबंदी को खुद के जीवन से दूर कर दिया है। इस किताब में इन्हें एक जगह पाना रोचक ढंग से पुराने दौर की याद दिलाता है। 'दो सुखना' के सवाल-जवाब में एक उदाहरण- रोटी जली क्यों, घोड़ा अड़ा क्यों, पान सड़ा क्यों? जवाब- फेरा न था। ऐसे भाषा और अर्थ के करतब को खुसरो बड़ी कुशलता से साधते हैं। निस्बतें यानी 'संबंध' के कौतुक भी भाषा विज्ञान के तहत समझे जा सकते हैं। एक-दो निस्बतें पढ़नी चाहिए। जैसे कपड़े और दरिया में क्या निस्बत है? जवाब- पाट। बादशाह और मुर्ग में क्या निस्बत है? जवाब- ताज। इस तरह खुसरो की काव्य-सत्ता में उतरकर जीवन जगत से संबंधित उन साधारण, मगर असाधारण निशानदेहियों को टटोल पाना अनूठा अनुभव है।

दूसरे अध्याय में बर्लिन-प्रति की हिन्दवी पहेलियां विश्लेषण के साथ मौजूद हैं। इन्हें हासिल करना, हिंदी के लिए ऐतिहासिक है। इसे गोपी चंद नारंग और मोहम्मद मूसा रजा मिलकर बोधगम्य और पठनीय बनाते हैं। अर्थ लिखने के संदर्भ में शब्दों का चयन सटीक ढंग से उभरता है, जो समग्र रूप से पहेलियों को हल करते हुए, बहते हुए गद्य की तरह सामने आता है। ऐसी 150 पहेलियों की व्याख्या और उनके संदर्भ इस किताब का हासिल हैं, जिन्हें पढ़ते हुए आप आनंदित होते हैं। उदाहरण के तौर पर एक पहेली दुशाला पर देखनी चाहिए- दो तिरियां मिल पुरुख कहाई/ और पता कब पश्म बुनाई... अर्थ करते हुए यह बताया गया है कि दुशाला पुल्लिंग है और दो तह किए जाने से दुशाला कहलाता है। पश्म का अर्थ यह कि दुशाला, पश्म (ऊन) से बुना जाता है। छोटी पहेली होकर भी अपने काव्यात्मक सौंदर्य और श्लेष रखते हुए यह दो अर्थों की पहेली बन जाती है।

किताब का आखिरी अध्याय, खालिकबारी पर आधारित है, जिसे 'जवाहर-ए-खुसरवी' से उठाया गया है। इस संकलन में इसके समायोजन से खुसरो-साहित्य की दर्शना होती है। पूरा संकलन ही मेहनत से तैयार किया गया है, जिसमें भाषागत त्रुटियों को परखते हुए यथासंभव पाठ-सामग्री को साफ-सुथरा रखने की कोशिश की गई है। प्रोफेसर नारंग ने अपनी भूमिका में इस पुस्तक को 'सबके अमीर खुसरो' कहा है। यह इस अर्थ में प्रशंसनीय है कि खुसरो पर मौजूद ढेरों किताबों की एक समग्र अवधारणा के तहत वे अधिकांश सामग्री का ऐसा कोलाज बनाते हैं, जिसमें अब तक प्राप्त खुसरो-काव्य के प्रामाणिक अंशों को देखा जा सकता है। यह संचयन खुसरो को नए ढंग से रेखांकित भी करता है।

14 से 18 अगस्त के बीच जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के दौरे पर जा सकती है कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी की अध्यक्षता वाली लोक लेखा समिति। इस दौरान समिति ऊंचाई वाले स्थान पर सुरक्षा कर्मियों को कपड़े और भोजन मुहैया कराए जाने की जांच करेगी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
रविवार 8 अगस्त, 2021

उत्तराखंड

पारदर्शी नीति की आवश्यकता

उत्तराखंड में कार्मिकों के तबादलों को लेकर नीति और नीयत दोनों ही सवालों के घेरे में हैं। राज्य को वजूद में आए 21 बरस बीत गए, लेकिन सरकारें तबादलों के लिए पारदर्शी नीति नहीं बना पाई। कभी कोई नीति बनी भी तो उस पर अमल के तौर-तरीकों को लेकर अंगुलियां उठती रहीं। ताजा उदाहरण उत्तराखंड पेयजल निगम का है। यहां अवर अभियंताओं को सहायक अभियंता पद पर प्रोन्नत करने के बाद मनचाही पोस्टिंग दे दी गई। वह भी तब, जबकि विभागीय नियमावली में स्पष्ट प्रविधान है कि प्रोन्नति देने के बाद तैनाती सुगम से दुर्गम क्षेत्र में दी जाएगी। लेकिन, किया इसके उलट गया। सभी को सुगम क्षेत्र में ही भेज दिया गया। दरअसल, यह अकेला ऐसा महकमा नहीं है, कमोबेश सभी में यही स्थिति है। हर साल तबादलों को लेकर मैराथन कसरत का दावा किया जाता है, पर नतीजा वही ढाक के तीन पात। हर बार कोई न कोई बहाना या तबादला नीति की खामियों की आड़ लेकर सरकारें अपने ही बनाए निमयों से 'खेल' करती आई हैं। इतना हीं नहीं, अपने किए पर पर्दा डालने के लिए तबादलों में अनुकंपा का दांव चला जाता है। सही मायने में इसमें सरकारें उन्हीं कार्मिकों को उपकृत करती दिखीं, जिनकी या तो राजनीतिक पहुंच ठीक ठाक होती है या फिर नेताओं की सियासी जमीन मजबूत करने में परोक्ष रूप से मददगार साबित होते हैं। कुछ मामलों में आर्थिक फायदा भी इसका पैमाना बनता है।

> तबादलों को लेकर राज्य सरकार को अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। खासकर, 'अपने' और 'पराए' की परंपरा को ढोने से निजात पानी होगी

विडंबना यह कि गंभीर बीमारी या विषम पारिवारिक हालात के चलते अनुकंपा के असल हकदारों को इसका लाभ नहीं मिल पाता। ऐसे कार्मिक हमेशा एड़ियां घिसटते नजर आते हैं। कहने में हिचक नहीं कि वृहद स्तर की मिलीभगत से ही अनुकंपा के जरिये चहेतों को कृपा बरसती है। इसका सबसे ज्यादा फायदा राजनीतिज्ञ, नौकरशाह और कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी उठाते रहे हैं।

राज्य बनने बाद से ही चल रही इस परंपरा की ध्वजवाहक राज्य सरकारें रही हैं। यही वजह है कि इतने वर्षों में जिन भी महकमों में तबादला नीतियां बनीं, उन पर अमल की इच्छाशक्ति न महकमों ने दिखाई और न ही सरकारों ने। हमेशा ही नीति और नीयत में खोट साफ नजर आया। वर्तमान में पर्वतीय इलाकों में कार्मिकों के अभाव में सरकारी दफ्तरों में सन्नाटा पसरा हुआ है तो इसके मूल में सरकारों की यही ढुलमुल नीति ही नजर आती है। राज्य को इस स्थिति से बाहर निकालने का प्रयास होना चाहिए। मैदानी और पर्वतीय जिलों में कार्मिकों के संतुलन के लिए यह जरूरी भी है। इस प्रकार के संतुलन का ध्यान राज्य सरकार को निश्चित रूप से रखना चाहिए।

पंजाब

बेनकाब हों नशे के सौदागर

बेअदबी, बिजली समझौतों जैसे मुद्दों पर विपक्ष ही नहीं, कांग्रेस के भीतर से भी दबाव पड़ने पर 'कुछ कर दिखाने' के लिए तत्पर हुई पंजाब सरकार अब नशे के मुद्दे पर भी करना तो ऐसा ही चाहती प्रतीत होती है, लेकिन इस कवायद में वह घिर भी सकती है। राज्य में नशीले पदार्थों के धंधे में शामिल बड़ी मछलियों को पकड़ने में ढिलाई बरतने के आरोपों पर गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की ओर से स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) से जवाब तलब किए जाने से राज्य में एक बार फिर नशे का जिन्न बोतल से बाहर आ गया है। एसटीएफ का यह जवाब वाकई सरकार के लिए मुश्किल खड़ी कर सकता है कि उसने साढ़े तीन साल पहले ही लिफाफे में बंद रिपोर्ट सौंप दी थी। एसटीएफ ने तो अपना पल्ला झाड़ लिया है या यूं कह लें कि उसने तो अपना काम कर दिया है। आगे सरकार को जो करना था वह साढ़े तीन साल में नहीं हो सका। अब जब नशा फिर मुद्दा बनने लगा है तो सरकार को अपना वह वादा भी याद आना चाहिए जो उसने पिछले विधानसभा चुनाव में जनता से किया था कि 40 दिनों में नशे की समस्या को हल कर देंगे।

> यह सवाल सरकार के समक्ष सबसे बड़ा है कि उसने इतना समय एसटीएफ की रिपोर्ट पर आखिर किया क्या?

नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगे लगाम। प्रतीकात्मक

यह सभी जानते हैं कि पिछले दो विधानसभा चुनावों में नशे का मुद्दा काफी गरमाया रहा और अब भी जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं यह मुद्दा उठने लगा है। दरअसल जैसे बिजली समझौतों, बेअदबी आदि गंभीर मामलों में कांग्रेस सरकार पिछले साढ़े चार साल में किसी निर्णायक निष्कर्ष तक नहीं पहुंच पाई उसी तरह नशे के मामले में भी नतीजा कुछ खास नहीं रहा है। बेशक एसटीएफ का गठन किया गया, लेकिन यह भी सच है कि कि साढ़े तीन साल में एसटीएफ के मुखिया ही बदलते रहे। यह सवाल सरकार के समक्ष सबसे बड़ा है कि उसने इतना समय एसटीएफ की रिपोर्ट पर आखिर किया क्या? सरकार इस दौरान नशे के दर्ज मामलों और पकड़े गए लोगों का आंकड़ा देकर यह बताने का प्रयास करती रही है कि उसने नशे की समस्या पर नकेल कसी है, लेकिन गृह विभाग ही अगर बड़ी मछलियों को न पकड़े जाने के आरोपों पर एसटीएफ से पूछ रहा है तो इन्हें हलके में नहीं लिया जा सकता। एसटीएफ को लेकर विपक्ष भी सरकार को घेरता रहा है और अब इस मुद्दे पर कांग्रेस के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू ने भी एक बार फिर यह कहकर इस मुद्दे को हवा दे दी है कि वह नशे के मामले में किसी को भी बख्शेंगे नहीं। इसलिए अब सरकार को भी एसटीएफ की रिपोर्ट को सार्वजनिक करके नशे के बड़े सौदागरों को न केवल बेनकाब कर देना चाहिए, बल्कि कार्रवाई भी जल्द होनी चाहिए।

हिमाचल प्रदेश

खिलाड़ियों को प्रोत्साहन

उपलब्धि पर सम्मान मिलना केवल उसे ही प्रोत्साहित नहीं करता है, बल्कि दूसरों को भी इससे प्रेरणा मिलती है। ओलिंपिक खेलों में चयन होना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इन खेलों में मेडल जीतना देश के लिए गौरवान्वित करना है। इस स्तर तक पहुंचने में खिलाड़ी को कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। हिमाचल प्रदेश के लिए भी यह गौरव की बात है कि पहाड़ के बेटे वरुण ने देश की झोली में पदक डाला है। देश को 41 साल बाद ओलिंपिक खेलों में हाकी में कोई पदक मिला है। इस होनहार खिलाड़ी की इस उपलब्धि को हिमाचल ने भी सम्मान दिया है। राज्य सरकार ने वरुण को एक करोड़ रुपये व सरकारी क्षेत्र में नौकरी देने की घोषणा की है। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सरकार ने सदन में यह घोषणा कर खिलाड़ियों में नया जोश भरने का प्रयास किया है। सरकार के इस फैसले से युवाओं का खेलों की तरफ रुझान बढ़ेगा। 41 साल पहले जब ओलिंपिक में देश को पदक मिला था, उस टीम में भी हिमाचल के चरणजीत सिंह शामिल थे। ओलिंपियन चरणजीत सिंह भी इस

> हिमाचल छोटा राज्य है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यहां के कई खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया है

हाकी में बड़ी उपलब्धि : वरुण। इंटरनेट मीडिया

उपलब्धि पर खुश हैं। हिमाचल के ही दीपक ठाकुर भी ओलिंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस बार के ओलिंपिक खेलों में मंडी जिला के आशीष कुमार ने भी बाक्सिंग में हिस्सा लिया था। हालांकि हिमाचल छोटा राज्य है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यहां के कई खिलाड़ियों ने देश का नाम रोशन किया है। इनमें शूटर विजय शर्मा और समरेश जंग, कबड्डी खिलाड़ी अजय ठाकुर, महिला क्रिकेट टीम की सदस्य हरलीन देयोल, सुषमा वर्मा भी शामिल हैं। क्रिकेट व कबड्डी में भी यहां की कई बेटियां राज्य का नाम रोशन कर चुकी हैं। राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार बेहतर प्रयास कर रही है, लेकिन इस दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है।

हमीरपुर के सांसद अनुराग ठाकुर के केंद्रीय खेल मंत्री बनने से राज्य में खेल ढांचे को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। प्रदेश का मौसम भी खेलों का अभ्यास करने के लिए बेहतरीन है। राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से यहां बेहतर खिलाड़ी तैयार करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि भविष्य में और खिलाड़ी देश का नाम रोशन करेंगे।

बंगाल

स्कूल-कालेज खोलने की कवायद

कोरोना महामारी की वजह से पिछले करीब डेढ़ साल से देश के अन्य हिस्सों की तरह ही बंगाल में भी स्कूल- कालेज बंद हैं। पिछले वर्ष नवंबर-दिसंबर के बाद कोरोना के मामले में कमी होने लगी तो उम्मीद जगी कि अब शिक्षण संस्थान फिर से खुलेंगे और बच्चों की पढ़ाई शुरू होगी। परंतु इसके कुछ माह बाद ही मार्च-अप्रैल में कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर शुरू हो गई और हालात और भी बदतर हो गए। हालांकि पिछले दो माह में देश समेत बंगाल में भी कोरोना के मामले कम हुए तो एक बार फिर उम्मीद की जा रही है कि स्कूल-कालेज खुलेंगे और पठन-पाठन फिर से शुरू होगा। इसके संकेत मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिए हैं। उन्होंने संदेश दिया है कि दुर्गा पूजा के बाद राज्य में स्कूल-कालेज खोले जा सकते हैं।

यह सही है कि डेढ़ वर्ष से स्कूल-कालेज बंद होने से बच्चों की पढ़ाई बाधित है। माध्यमिक, उच्च माध्यमिक की परीक्षा नहीं हो सकी तो बंगाल में सभी परीक्षार्थियों को पास कर दिया गया। ऐसे में मेधावी छात्रों के साथ अन्याय हुआ है। क्योंकि उनकी योग्यता का सही आकलन नहीं हो सका। इसीलिए जरूरी है कि स्कूल-कालेज खोले जाएं। इन सबसे अधिक जरूरी यह है कि पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि स्कूलों के शिक्षकों और अन्य सहायक स्टाफ सदस्यों का टीकाकरण किया गया है या नहीं? परंतु शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कोरोना संक्रमण के तीसरी लहर की आशंका अभी भी बनी हुई है। इसलिए निकट भविष्य में किसी भी स्तर पर स्कूल खोलने को लेकर सौ बार सोचना होगा। वैसे उनका यह भी कहना था कि जब भी स्कूल परिसर फिर से खुलेंगे, उच्च कक्षाओं के छात्र सबसे पहले आफलाइन कक्षाएं शुरू करेंगे, न कि प्राथमिक स्तर पर। यह भी ध्यान देना होगा कि कोरोना महामारी अभी गई नहीं है। तीसरी लहर के मद्देनजर गुरुवार को जब ममता स्कूल-कालेज खोलने के संकेत दे रही थीं तो साथ में ग्लोबल एडवाइजरी कमेटी के साथ बैठक भी की थी, जिसमें नोबेल पुरस्कार विजेता अभिजीत विनायक बंद्योपाध्याय भी मौजूद थे। इस बैठक में कोरोना महामारी और तीसरी लहर से बचने के उपायों पर चर्चा की गई। ऐसे में यह जरूरी है कि ऐसी व्यवस्था सरकारी तौर पर विकसित करनी होगी कि किसी भी महामारी काल में बच्चों की पढ़ाई और परीक्षा बाधित न हो। अगर ऐसा नहीं हुआ तो सिर्फ बंगाल ही नहीं संपूर्ण देश की शिक्षा पिछड़ जाएगी। इसीलिए जरूरी है कि पूरी व्यवस्था के साथ स्कूल-कालेज खोले जाएं और पठन-पाठन सामान्य हो।

> माध्यमिक, उच्च माध्यमिक की परीक्षा नहीं हो सकी तो बंगाल में सभी परीक्षार्थियों को पास कर दिया गया। कहा जा सकता है कि इससे मेधावी छात्रों के साथ अन्याय हुआ है

आइआइटी बीएचयू की बनाई विशेष कुर्सी देगी बुनकरों को दर्द से राहत

लकड़ी से बनी एर्गोनामिक कुर्सी से मस्कुलोस्केलेटल डिसआर्डर से हो सकेगा बचाव

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- बुनकर की लंबाई-चौड़ाई, वजन, कमर व पीठ की नाप लेकर बनाते हैं यह कुर्सी
- दिन में 12 घंटे से ज्यादा लगातार एक ही स्थिति में बैठकर काम करते हैं बुनकर

आइआइटी-बीएचयू में बनाई गई श्रम दक्षता की दृष्टि से (एर्गोनामिक) बनाई गई लकड़ी की विशेष कुर्सी बुनकरों को पीठ, जांघ और कमर दर्द से राहत दे सकती है। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के शोधकर्ताओं का दावा है कि इस विशेष कुर्सी के इस्तेमाल से आमतौर पर बुनकरों को होने वाली मस्कुलोस्केलेटल डिसआर्डर (एमएसडी) की बीमारी से बचाया जा सकता है। शुरुआती प्रयोगों के आधार पर बताया जा रहा है कि पिटलूम चलाने वाले बुनकरों के लिए यह चेयर काफी फायदेमंद होगी।

आइआइटी-बीएचयू ने फिलहाल दो एर्गोनामिक कुर्सियां बनाकर रामनगर स्थित सहकारी समिति के अध्यक्ष अमरेश कुशवाहा की हैंडलूम कंपनी के कारीगरों को उपलब्ध कराई हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापक डा. प्रभास भारद्वाज और रिसर्च स्कालर एम. कृष्ण प्रसन्ना नाइक ने बताया कि बनारस के हैंडलूम उद्योग की उत्पादकता काफी कम है। बुनकरों को रोज 12 घंटे से ज्यादा एक ही स्थिति में लगातार झुकने-बैठने से उन्हें मस्कुलोस्केलेटल डिसआर्डर का सामना करना पड़ रहा है। इस बीमारी में

आइआइटी बीएचयू में डिजाइन की गई एर्गोनामिक कुर्सी पर बैठकर काम करता बुनकर। जागरण

कमर और जांघ में भयंकर दर्द की समस्या होती है। एक अध्ययन में भी यह बात सामने आई थी कि बनारस के ज्यादातर बुनकर पीठ और जांघ में दर्द की समस्या से पीड़ित हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि बुनकर बेंच पर बैठते हैं और बैठने के दौरान सही तरीके से उनकी पीठ को कोई अवलंब या सहारा नहीं मिलता। यही कारण है कि न सिर्फ बुजुर्ग, बल्कि तमाम युवा बुनकर भी एमएसडी की समस्या से पीड़ित हो रहे हैं।

इसलिए बुनकरों के लिए एक ऐसी कुर्सी डिजाइन की गई है, जिसपर बैठ कर काम करने के दौरान उन्हें आराम मिल सके। साथ ही अपने काम को अधिक उत्पादक भी बना सकें। इसे बनाने में लागत भी बहुत कम आती है। नाइक ने बताया कि इस विशेष कुर्सी को बनाने से पहले बुनकर की लंबाई-चौड़ाई, वजन, बैठने पर कमर और पीठ की नाप ली गई। इसके बाद लकड़ी से कुर्सी की डिजाइन तैयार की गई है। इसको साइज के मुताबिक सेटिंग कर आगे-पीछे भी किया जा सकता है। इसे बनाना भी बहुत आसान है। रामनगर सहकारी समिति के अध्यक्ष अमरेश कुशवाहा ने कहा कि लगातार पांच-छह घंटे काम करने के बाद शरीर में दर्द होने से बुनकरों को थोड़ी देर के लिए आराम करना पड़ता है। शरीर में दर्द होने से बुनाई की गति भी प्रभावित होती है और कुल मिलाकर उत्पादकता घटती है। यदि इस विशेष कुर्सी के परिणाम बेहतर रहे तो बुनकरों के लिए और कुर्सियां तैयार कराई जाएंगी।

'2024 तक किसी भी महिला को सिर पर पानी नहीं उठाना पड़ेगा'

नईदुनिया, रायपुर

- केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने कहा- हर घर तक पाइप लाइन के जरिये पहुंचेगा शुद्ध पानी
- छत्तीसगढ़ में 2023 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य, शेखावत ने प्रदेश की नरवा योजना को सराहा

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि 2024 तक देश में कहीं भी किसी भी मां-बहन को सिर पर पानी ढोने के लिए विवश नहीं होना पड़ेगा। केंद्र सरकार इस समय सीमा में हर घर तक पाइप लाइन के जरिये शुद्ध पानी पहुंचाएगी। छत्तीसगढ़ में यह काम 2023 तक पूरा करने का लक्ष्य है। उक्त बातें उन्होंने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निवास कार्यालय में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक के बाद राजकीय अतिथि गृह पहुना में मीडिया से चर्चा के दौरान कहीं।

उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद केंद्र ने जल के क्षेत्र में बेहतर काम किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ हमने समीक्षा योजना के तहत राज्य में चल रहे कार्यों की समीक्षा की है। छत्तीसगढ़ में जल मिशन पर काम जारी है। पानी के लिए एक नई क्रांति का सूत्रपात कर रहे हैं। नियमित पानी मिले और साफ मिले, इस पर जोर दिया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि मुख्यमंत्री बघेल ने उन्हें राज्य सरकार की नरवा योजना की जानकारी दी है। जल संचयन के लिए यह अच्छी योजना है। गौरतलब है कि नरवा योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार प्राकृतिक जलस्रोतों का संरक्षण कर रही है।

मिशन का पैसा खर्च नहीं कर पा रही राज्य सरकार: एक सवाल के जवाब में शेखावत ने छत्तीसगढ़ के प्रदर्शन पर अफसोस जताते हुए कहा कि हर घर तक पानी पहुंचाने के मामले में छत्तीसगढ़ का प्रदर्शन सबसे खराब है। पिछले साल दिए गए पैसे को छत्तीसगढ़ सरकार खर्च नहीं कर पाई है। इस बार 1900 करोड़ में 400 करोड़ रुपये ही खर्च हुए हैं।

छत्तीसगढ़ 30वें स्थान पर: शेखावत ने बताया कि कोरोना की चुनौती के बीच हमने 25 फीसद ग्रोथ के साथ हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाने का काम किया है। देशभर में 74 ऐसे जिले हैं, जहां पर 100 फीसद हर घर पानी की सुविधा है। छत्तीसगढ़ में इस दिशा में सबसे कम प्रगति है। राज्य 30वें पायदान पर है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में पानी संबंधित मौतों में कमी आई है, लेकिन अभी और काम करने की जरूरत है।

टीकाकरण में देश अग्रणी: कोरोना के खिलाफ टीकाकरण को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि भारत टीकाकरण के क्षेत्र में आज अग्रणी है। इस आपदा से निपटने में भारत ने जिस तरह से काम किया है, उसे इतिहास में स्वर्ण अक्षरों से लिखा जाएगा।

जल्द ही दौड़ेगी हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

योजना

- सोनीपत और जींद के बीच परिचालन की चल रही तैयारी
- पहले चरण में दो डीजल मल्टिपल यूनिट में किया जाएगा बदलाव

प्रदूषण मुक्त रेल परिचालन की तरफ अहम कदम बढ़ाते हुए रेलवे ने हाइड्रोजन से ट्रेन चलाने का फैसला किया है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो जल्द ही हरियाणा के सोनीपत और जींद के बीच हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन पटरी पर उतरेगी। इसी के साथ भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जहां हाइड्रोजन से ट्रेन परिचालन होता है।

रेलवे अधिकारियों का कहना है कि जर्मनी और पोलैंड में हाइड्रोजन ईंधन से ट्रेन चलाने का परीक्षण किया गया है। भारत में डीएमयू (डीजल मल्टिपल यूनिट) में इसके इस्तेमाल का फैसला किया गया है। शुरुआत में दो डीएमयू रेक में इसके अनुरूप बदलाव किया जाएगा। सबसे पहले जींद-सोनीपत रेलखंड (89 किलोमीटर) पर हाइड्रोजन से डीएमयू चलेगी। इसके लिए भारतीय रेल वैकल्पिक ईंधन संगठन (आइआरओएएफ) ने निविदा आमंत्रित की है। 17 अगस्त एवं नौ सितंबर को निविदा पूर्व बैठक आयोजित होगी। प्रस्ताव देने की तारीख 21 सितंबर और निविदा खुलने की तारीख पांच अक्टूबर निर्धारित की गई है।

हाइड्रोजन से डीएमयू चलाने से प्रत्येक वर्ष ईंधन पर खर्च होने वाले 2.3 करोड़ रुपये की बचत होगी। साथ ही, प्रत्येक वर्ष 11.12 किलो टन कार्बन फुटप्रिंट और 0.72 किलो टन पार्टिकुलेट मैटर का उत्सर्जन भी रुकेगा। यदि पायलट प्रोजेक्ट सफल रहता है तो अन्य डीएमयू को इससे चलाने के लिए काम किया जाएगा।

दहेज लोभियों की डिग्री रद करने की व्यवस्था हो : आरिफ

जासं, बुलंदशहर : केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि दहेज प्रथा पर अंकुश लगाने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को पहल करनी चाहिए। डिग्री देने से पहले विद्यार्थियों से शादी में दहेज नहीं लेने का शपथ-पत्र लेना चाहिए। इसके बाद भी कोई दहेज ले तो तत्काल उसकी डिग्री रद कर दी जाए। इससे दहेज उत्पीड़न के मामलों पर अंकुश लगेगा।

नरसेना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर बरबाला के मूल निवासी आरिफ मोहम्मद खान जनपद के दो दिवसीय भ्रमण पर हैं। बुलंदशहर से स्याना पहुंचे, जहां कई कार्यक्रमों में शामिल हुए।

ट्रीमैन ने गांवों में बंजर भूमि पर लगाए आक्सीजन बाग

रविवार विशेष

सोनीपत के देवेंद्र सूरा कोरोना महामारी से दो साल पहले से चला रहे अनूठी मुहिम

संजय निधि • सोनीपत

>> अपनी जनता नर्सरी में आक्सीजन बाग के लिए तैयार किए गए पौधों की देखभाल खुद करते हैं देवेंद्र सूरा • जागरण

अब तक एक दर्जन से अधिक बाग लगे

गावों की बंजर जमीन पर आक्सीजन बाग लगाने की मुहिम अब रंग लाने लगी है। सोनीपत जिले में देवेंद्र सूरा 12 से अधिक आक्सीजन बाग ग्रामीणों के सहयोग से लगा चुके हैं। उनकी मुहिम जिले से बाहर भी निकल चुकी है। इस वर्ष उनके पास दादरी, करनाल, झज्जर, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, जींद, रोहतक, भिवानी जिले के गांवों से आक्सीजन बाग लगाने का प्रस्ताव आए हैं। इनमें से दादरी, झज्जर आदि में तो उन्होंने बाग विकसित कर भी दिए हैं। अब जिला प्रशासन का भी सहयोग मिल रहा है। अन्य क्षेत्रों में भी आक्सीजन बाग विकसित किए जाएंगे।

हमेशा अपनी साइकिल में पौधा लेकर चलने वाले चंडीगढ़ पुलिस के सिपाही देवेंद्र सूरा ने पार्क व खाली जगह पर पौधे लगाने की मुहिम से आगे बढ़कर गांव की बंजर भूमि पर पौधारोपण की सोची और इसे कामयाब कर दिखाया। कोरोना महामारी से करीब दो साल पहले ही उन्होंने आक्सीजन बाग लगाने का विचार कर लिया था। इस बाबत गांव के सरपंचों से बात की और योजना का पूरा खाका तैयार किया। वर्ष 2018 में गांव चटिया से इसकी शुरुआत हुई और आज सोनीपत जिले के गांव फतेहपुर, छतेहरा, सांदल, बली, भठगांव, भैंसवाल, कामी, राजपुर, जागसी, बीधल, जुआं, बली कुतुबपुर, ठरू उल्देपुर में आक्सीजन बाग लग चुके हैं। ये बाग एक एकड़ से लेकर 10 एकड़ तक में फैले हैं।

चंडीगढ़ से मिली प्रेरणा : ट्रीमैन के नाम से साथियों में मशहूर देवेंद्र सूरा बताते हैं कि वर्ष 2011 में चंडीगढ़ पुलिस में नियुक्ति हुई तो वहां की हरियाली मन को भा गई। उनके मन में विचार आया कि यदि चंडीगढ़ हरा-भरा है तो सोनीपत जिला भी हरा-भरा हो सकता है। इसी सोच के तहत गांव-गांव जाकर टीम बनाई, युवाओं को इकट्ठा किया और पर्यावरण बचाने व पौधे लगाने की मुहिम शुरू की। हरियाणा के विभिन्न जिलों में फिलहाल 10 हजार से ज्यादा युवा उनकी पर्यावरण मित्र मंडली से जुड़े हैं। उन्होंने खुद की नर्सरी बनाई है, जिसमें 40 से 50 हजार पेड़ हर वर्ष पर्यावरण मित्र मंडली के सदस्य तैयार करते हैं।

ऐसे हुई आक्सीजन बाग शुरुआत: देवेंद्र सूरा पौधारोपण मुहिम को जनआंदोलन का रूप दे चुके हैं। वर्ष 2018 में एक दिन गांव बली कुतुबपुर से गुजरने के दौरान गांव की पंचायती खाली व बंजर जमीन पर उनकी नजर गई, जिसमें कीकर की झाड़ियां उगी हुई थीं। उन्होंने इसमें बड़े पैमाने पर ज्यादा आक्सीजन देने वाले पीपल, नीम व बरगद के पौधे लगाने की सोची। गांव के सरपंच से संपर्क किया तो उन्होंने हामी भर दी। फिर सूरा ने अपनी मंडली के साथ कीकर व अन्य झाड़ियां साफ कीं। जुताई करवाई और लोगों व गोशालाओं से मांग कर गोबर की खाद डलवाई। दो महीने की मशक्कत के बाद जमीन पौधारोपण के लायक हुई और फिर यहां आक्सीजन बाग तैयार कर तारबंदी भी करवाई गई।

विशेष रूप से तैयार करते हैं पौधे: आक्सीजन बाग में लगने वाले पौधे देवेंद्र अपनी नर्सरी में तैयार करते हैं। ज्यादातर बरगद, नीम, पीपल, औषधीय पौधे हरड़, बहेड़ा, अर्जुन, पिलखन व ढाक लगाए जाते हैं। बरगद और पीपल के तो 12 से 15 फीट के पौधे तैयार होते हैं, ताकि एक साल के अंदर बाग तैयार हो जाए। सारा खर्च देवेंद्र और उनकी टोली ही करती है।

तालाब भी कर रहे विकसित : बाग का क्षेत्रफल बड़ा होने से देवेंद्र सूरा इसमें तालाब भी विकसित कर रहे हैं ताकि जलसंरक्षण हो सके, पशु-पक्षियों के लिए पानी सुलभ हो सके। जंगली बेर, गूलर आदि के अलावा जामुन, अमरूद जैसे फलदार पौधे भी लगाए जाते हैं, ताकि आक्सीजन बाग पक्षियों का भी बसेरा बन सके।

इस खबर को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

अनादि और अनंत शिव

भगवान शिव अनादि और अनंत हैं। यह समग्र सृष्टि ही शिव के अंदर प्रविष्ट है। सृष्टि के आदि में सदाशिव ही महाकाल के रूप प्रतिष्ठित होकर इस चराचर सृष्टि का आधार बनते हैं। अपने शाश्वत स्वरूप द्वारा पूर्ण सृष्टि का भरण-पोषण भी करते हैं। इसी स्वरूप द्वारा परमात्मा ने अपने ओज व उष्णता की शक्ति से सभी ग्रह नक्षत्रों को एकत्रित कर रखा है। परमात्मा का यह स्वरूप अत्यंत ही कल्याणकारी माना जाता है। शिव सृष्टि को संहार से बचाते हुए संहारकारक भी हैं। भगवान विष्णु का परम भक्त होने के कारण शिव को सबसे बड़ा वैष्णव भी कहा जाता है। वेदों में इनका नाम रुद्र है। लोक में इन्हें भोलेनाथ, शंकर, महेश, रुद्र, नीलकंठ, गंगाधर, विष्णु, बाघम्बर आदि नामों से जाना जाता है। तंत्र साधना में भैरव कहते हैं। शिव मानवीय चेतना के अंतर्यामी हैं। शक्ति से युक्त होकर अर्धनारीश्वर के रूप में पूर्ण होते हैं। योगीराज के रूप में सबके आराध्य हैं। इनकी पूजा शिवलिंग तथा मूर्ति दोनों रूपों में की जाती है। शंकर सौम्य आकृति एवं रौद्ररूप दोनों के लिए विख्यात हैं। शुक्ल यजुर्वेद संहिता में सूर्य, इंद्र, विराट पुरुष, वृक्ष, वनस्पति, अन्न, जल, वायु एवं मनुष्य सभी भगवान शिव स्वरूप ही है। भगवान सूर्य के रूप में शिव मनुष्य के कर्मों का भली-भांति निरीक्षण कर उन्हें वैसा ही फल देते हैं। आशय यह है कि संपूर्ण सृष्टि शिवमय है। मनुष्य अपने-अपने कर्मानुसार फल पाते हैं। स्वस्थ बुद्धि वालों को सुख, शांति, समृद्धि और दुर्बुद्धि वालों को व्याधि, दुख, मृत्यु प्रदान करते हैं।

प्रो. विनय कुमार पांडेय
पूर्व विभागाध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, बीएचयू, वाराणसी

स्कैन करें और पढ़ें 'श्रावण मास' से संबंधित सभी सामग्री

10 से 15 मिनट की अंतरिक्ष यात्रा के लिए ब्रिटिश अरबपति रिचर्ड ब्रैनसन की वर्जिन ग्लैक्टिक ने सीटों की बिक्री की घोषणा की है। कंपनी ने एक सीट की शुरुआती कीमत 4.50 लाख डालर (करीब 3.33 करोड़ रुपये) रखी है।

अफगानिस्तान में तालिबान का स्वयंभू गवर्नर ढेर

बढ़ता टकराव ▶ 24 घंटे में 375 तालिबान आतंकी भी मारे गए, लश्कर गाह में जबरदस्त संघर्ष, शबरगान पर तालिबान का कब्जे का दावा

यूएन दूत ने सुरक्षा परिषद से की हालात संभालने की अपील

काबुल, एएनआइ : अफगानिस्तान में निर्णायक जंग छिड़ी हुई है। नमरुज प्रांत की राजधानी जरंज पर कब्जा करने के दावे के बाद अफगान सेना ने तालिबान के स्वयंभू गवर्नर सहित 25 आतंकियों को मार गिराया है। इधर, हेलमंद प्रांत की राजधानी लश्कर गाह पर जबरदस्त संघर्ष चल रहा है। जौजान की राजधानी शबरगान पर कब्जा करने का तालिबान ने दावा किया है। पिछले 24 घंटे में अफगान सेना ने 375 तालिबान आतंकी मार दिए, 210 घायल हुए हैं।

अफगान रक्षा मंत्रालय के अनुसार, नमरुज प्रांत में तालिबान का स्वयंभू गवर्नर अब्दुल खालिक मारा गया है। जरंग शहर में हमले के दौरान अफगान सेना ने उसे मार गिराया। यहां सेना और तालिबान आतंकियों के बीच रात पर जमकर संघर्ष हुआ। पिछले 24 घंटे के दौरान तालिबान ने लश्कर गाह पर हमले तेज कर दिए हैं। जौजान प्रांत के शहर शबरगान में सात दिन से भीषण संघर्ष चल रहा है। यहां तालिबान आतंकी सरकारी इमारतों में घुस गए।

शबरगान में तालिबान आतंकियों ने पूरी तरह से कब्जा करने का दावा किया है। इधर, रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि शबरगान से आतंकियों को दोबारा खदेड़ दिया गया है। कब्जा हटाने के लिए हवाई हमले किए गए।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासचिव की विशेष प्रतिनिधि डेबोरा लियोंस ने शुक्रवार को सुरक्षा परिषद को अफगानिस्तान के ताजा हालात से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सप्ताह से लड़ाई खतरनाक मोड़ पर आ चुकी है। स्थिति बेहद विस्फोटक है। ऐसी स्थिति में संयुक्त राष्ट्र को हालात संभालने के लिए दखल देना चाहिए।

जून-जुलाई में ग्रामीण क्षेत्रों पर कब्जा करने के बाद अब तालिबान शहरों में प्रवेश कर रहे हैं। प्रांतीय राजधानी कंधार, हेरात और लश्कर गाह पर तालिबान कब्जे के लिए पूरा दबाव बनाए हुए हैं। यहां मानवाधिकारों का बेदर्दी से उल्लंघन किया जा रहा है। नागरिक पूरी तरह असुरक्षित हो गए हैं।

सरकारी मीडिया एवं सूचना केंद्र के प्रमुख दावा खान मेनपाल को शनिवार को श्रद्धांजलि दी गई। तालिबान ने मेनपाल की शुक्रवार को गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के प्रवक्ता थे। एपी

अमेरिका और ब्रिटेन ने नागरिकों से अफगानिस्तान छोड़ने को कहा

एएनआइ के अनुसार लगातार बिगड़ रहे हालात के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने अपने नागरिकों तत्काल अफगानिस्तान छोड़ने के लिए कहा है। काबुल स्थित इन दोनों देशों के दूतावास ने इस संबंध में एडवाइजरी जारी की है। अब काबुल में भी अमेरिका और ब्रिटेन के नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। इधर आइएएनएस के अनुसार व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने कहा है कि अमेरिका अफगानिस्तान में नागरिकों की हत्या को लेकर चिंतित है। उसकी स्थिति पर पूरी तरह नजर है।

आतंकियों ने बच्चे की हत्या की

आइएएनएस के अनुसार तालिबान नागरिकों की हत्या कर रहा है। मालिस्तान में पिछले एक सप्ताह में 40 नागरिकों की हत्या कर दी गई है। माताखान जिले में एक बच्चे की उसके माता-पिता के सामने हत्या कर दी गई। जिलों में कब्जा किए जाने के बाद तालिबान नागरिकों को मार कर लूटपाट कर रहा है।

गुरुद्वारा पर धार्मिक ध्वज फिर सम्मान के साथ स्थापित

एएनआइ के अनुसार, पाक्तिआ प्रांत के चामकनी में गुरुद्वारा थाला साहिब में धार्मिक ध्वज निशान साहिब को पूरे सम्मान के साथ फिर स्थापित कर दिया गया है। यह जानकारी इंडियन वर्ल्ड फोरम के अध्यक्ष पुनीत सिंह चंढोक ने दी है। उन्होंने बताया कि गुरुद्वारा की देखरेख करने वालों से बात हुई है। तालिबान के दल ने गुरुद्वारे का निरीक्षण करने के बाद निशान साहिब को पूरे सम्मान के साथ स्थापित करा दिया है।

भारत में रहने वाले अफगान अपने रिश्तेदारों के लिए चिंतित

एएनआइ के अनुसार, भारत में रहने वाले तमाम अफगान शरणार्थी अपने रिश्तेदारों को लेकर चिंतित हैं। नई दिल्ली में छोटा काबुल में अफगान व्यंजन परोसने वाले रेस्त्रां के कर्मचारी 28 वर्षीय हमीद खान की अफगानिस्तान के हर घटनाक्रम पर नजर है। वो वहां रहने वाले अपने माता-पिता को लेकर चिंतित है। ऐसे कई शरणार्थी युद्ध में फंसे अपने रिश्तेदारों को लेकर परेशान हैं।

मरने वाले आतंकियों में 30 पाकिस्तानी

एएनआइ के अनुसार, हेलमंद प्रांत में अफगान सेना के हवाई हमले में 112 आतंकवादी मारे गए हैं। इनमें से 30 पाकिस्तानी नागरिक थे। ये सभी अलकायदा के आतंकी थे। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि पाक अफगानिस्तान में छद्म युद्ध ही नहीं लड़ रहा, बल्कि अलकायदा को संरक्षण भी दे रहा है।

अफगान महिलाओं का लास एंजिलिस में प्रदर्शन

एएनआइ के अनुसार अफगान महिलाओं ने अपने देश में तालिबान के द्वारा महिलाओं के साथ किए जा रहे अत्याचार के विरोध में अमेरिका के लास एंजिलिस में प्रदर्शन किया।

अफगानिस्तान पर आयोजित बैठक में नहीं बुलाने से तिलमिलाया पाक

इस्लामाबाद, एएनआइ : संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अफगानिस्तान पर हुई बैठक में नहीं बुलाए जाने से पाकिस्तान तिलमिला गया है। उसने इस मंच का उपयोग अपने खिलाफ झूठे प्रचार के लिए किए जाने का आरोप लगाया है। अफगानिस्तान में बढ़ती हिंसा के बीच शुक्रवार को भारत की अध्यक्षता में सुरक्षा परिषद की एक बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक के बाद संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने कहा, हमने बैठक में भाग लेने के लिए औपचारिक अनुरोध किया था। लेकिन इससे इन्कार कर दिया गया।

▶ भारत की अध्यक्षता में बुलाई गई थी सुरक्षा परिषद की बैठक

इसके बाद शनिवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी इस पर अफसोस जताया। इसने एक बयान जारी कर कहा कि अफगानिस्तान पर सुरक्षा परिषद की बैठक में भाग लेने का पाकिस्तान का अनुरोध स्वीकार नहीं करना और इस मंच का पाकिस्तान के खिलाफ झूठा प्रचार करने के लिए इस्तेमाल किया जाना दुखद है।

बी-52 बमवर्षक से हमले का आदेश : आइएएनएस के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अफगानिस्तान में तीन महत्वपूर्ण शहरों की ओर बढ़ रहे तालिबान आतंकियों को रोकने के लिए बी-52 बमवर्षक जहाज से हमले का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हेलमंद प्रांत के कंधार, हेरात और लश्कर के आसपास बी-52 बमवर्षक विमान से तालिबान आतंकियों को निशाना बनाया जा रहा है।

पख्तून समूह ने की मीडिया प्रमुख की हत्या की आलोचना : एएनआइ के अनुसार, पख्तून तहाफुज मूवमेंट (पीटीएम) की यूरोप शाखा ने अफगान सरकार की मीडिया शाखा के प्रमुख की हत्या की कड़ी आलोचना की है। दावा खान मीनापाल को राजधानी काबुल में शुक्रवार को दारुल अमन रोड पर गोलियों से भून दिया गया था। पीटीएम ने एक बयान जारी कर कहा कि हम दावा खान की हत्या की कड़ी आलोचना करते हैं। वे एक शांत और प्यारे इंसान थे।

अफगान वायु सेना का पायलट मारा गया : रायटर के अनुसार, अफगान वायु सेना का एक पायलट शनिवार को काबुल में बम हमले में मारा गया। तालिबान ने बम हमले की जिम्मेदारी ली है। अधिकारियों ने बताया कि हमीदुल्लाह अजीमी शनिवार को कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उनके वाहन में लगाए गए बम में विस्फोट हो गया। इस घटना में पांच नागरिक भी घायल हो गए। अजीमी अमेरिका निर्मित यूएच-60 ब्लैक हाक हेलीकाप्टर उड़ाते थे और लगभग चार वर्षों से अफगान वायु सेना में काम कर रहे थे।

पूरी तरह ठीक होने तक पाक नहीं लौटेंगे नवाज

नवाज शरीफ। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के विपक्षी नेता शहबाज शरीफ ने कहा है कि उनके भाई नवाज शरीफ जब तक पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते, लंदन से वापस नहीं लौटेंगे। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ के मामले में ब्रिटेन के आव्रजन ट्रिब्यूनल में वीजा अवधि बढ़ाने के संबंध में अपील की गई है। जब तक इसका फैसला नहीं हो जाता, उनका वहां रहना पूरी तरह वैधानिक है। विपक्षी पार्टी पीएमएल-एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने कहा कि इमरान खान की सरकार के मेडिकल बोर्ड ने ही इलाज के लिए नवाज शरीफ को पाकिस्तान से बाहर जाने की अनुमति दी थी। तीन बार के प्रधानमंत्री के खराब स्वास्थ्य के बाद भी राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

अमेरिका में बढ़ा कोरोना का कहर, रोजाना मिल रहे एक लाख मामले

वाशिंगटन, एपी : कोरोना महामारी की दो लहरों का सामना करने वाले अमेरिका में इस खतरनाक वायरस का कहर फिर बढ़ गया है। स्थिति यह हो गई है कि इस समय रोजाना औसतन एक लाख से ज्यादा नए मामले मिल रहे हैं। देश में संक्रमण फिर बढ़ने के लिए कोरोना के डेल्टा वैरिएंट को कारण बताया जा रहा है।

50 फीसद अमेरिकियों को लग चुकी हैं वैक्सीन की दोनों डोज

अमेरिका में गत जून के आखिर में रोजाना औसतन करीब 11 हजार केस मिल रहे थे। अब यह संख्या एक लाख सात हजार 143 हो गई है। देश में वे लोग कोरोना की चपेट में तेजी से आ रहे हैं, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। अधिकारियों ने दैनिक मामलों में और बढ़ोतरी होने का अंदेशा जताया है। संक्रामक रोग विशेषज्ञ एंटोनी फासी ने हाल में कहा था कि आने वाले दिनों में डेल्टा वैरिएंट के चलते दैनिक मामलों का आंकड़ा दो लाख के पार पहुंच सकता है।

समाचार एजेंसी एएनआइ के अनुसार, व्हाइट हाउस में कोरोना डाटा निदेशक साइरस शाहपर ने शुक्रवार को बताया कि 50 फीसद अमेरिकियों का टीकाकरण पूरा हो चुका है। इन वयस्कों को वैक्सीन की दोनों डोज लग गई हैं। रायटर के मुताबिक, यूनाइटेड एयरलाइंस ने सभी घरेलू कर्मचारियों के लिए टीकाकरण अनिवार्य कर दिया गया है। यह कदम उठाने वाली यह पहली अमेरिकी एयरलाइन है।

बीजिंग में संक्रमण रोकने को उठाए गए कदम : रायटर के मुताबिक, चीन में डेल्टा वैरिएंट तेजी से पांव पसार रहा है। कई शहरों में इसका प्रसार हो गया है। राजधानी बीजिंग में संक्रमण की रोकथाम के लिए कई कदम उठाए गए हैं। शहर में बाहर से आने वाले लोगों को निगेटिव टेस्ट दिखाना होगा। इस बीच, देशभर में बीते 24 घंटे में 107 नए मामले पाए गए।

पाकिस्तान में एक दिन में सर्वाधिक मौत : एएनआइ के अनुसार, पाकिस्तान में चौथी लहर में बीते 24 घंटे में सर्वाधिक 95 पीड़ितों की मौत हुई। इस दौरान 4,720 नए संक्रमित पाए गए। यहां दैनिक संक्रमण दर तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान में संक्रमण दर नौ फीसद से ज्यादा हो गई है।

अमेरिका में कोरोना का संक्रमण बढ़ रहा है। इसके बाद भी लोग लापरवाही बरत रहे हैं। इस गंभीर खतरे के बीच मिसौरी प्रांत के रोला में आयोजित एक कार्यक्रम में बिना मास्क लगाए भाग लेते लोग। एएफपी

कानूनी अड़चनों के चलते भारत को वैक्सीन देने में देरी

▶ अमेरिकी प्रशासन ने कोरोना टीकों में देरी पर कही यह बात

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका ने कहा है कि वह कोरोना महामारी से मुकाबले के लिए भारत को वैक्सीन देने का इच्छुक है, लेकिन कुछ कानूनी अड़चनों के चलते देरी हो रही है। जैसे ही नियम संबंधी दिक्कतें दूर हो जाएंगी, हम भारत को पर्याप्त वैक्सीन दे देंगे।

अमेरिका से कोरोना वैक्सीन की सप्लाई में देरी के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में व्हाइट हाउस की प्रवक्ता जेन साकी ने कहा कि अभी कानूनी और नियामक संस्था संबंधी कुछ मामलों को हल किया जाना है।

अमेरिका ने जून में घोषणा की थी कि वह 50 करोड़ फाइजर के टीके खरीदेगा और 100 देशों में उनका वितरण करेगा। इसी योजना के तहत बांग्लादेश, भूटान और दक्षिण कोरिया में टीके भेजे गए हैं। भारत को अभी ये टीके दिए जाने हैं।

उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर और उनके अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन ने नई दिल्ली में संयुक्त प्रेस वार्ता में कहा था कि दोनों ही देश वैक्सीन का उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर टीकों की उपलब्धता बढ़ सके।

भारतीय मूल के सीनेटर राजा कृष्णमूर्ति की फाइल फोटो। आर्काइव

राजा कृष्णमूर्ति की भारत को पर्याप्त वैक्सीन देने की मांग : प्रेट्र के अनुसार, भारतीय मूल के प्रभावशाली सीनेट सदस्य राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत को अभी तक 75 लाख टीके दिए गए हैं। उन्होंने बाइडन प्रशासन से भारत को पर्याप्त टीके देने की मांग की है। टीके देने के मुद्दे पर उनका साथ 116 सदस्यों ने किया।

पाकिस्तान में मंदिर तोड़ने वाले 150 कट्टरपंथियों पर केस, 50 गिरफ्तार

▶ भारत के विरोध के बाद कार्रवाई हुई तेज

▶ नेशनल असेंबली में प्रस्ताव पारित कर मंदिर तोड़े जाने की निंदा

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में हिंदू मंदिर तोड़ने के बाद भारत के तेवर तीखे होने का असर हुआ है। पाक सरकार की नींद टूट गई है और पंजाब पुलिस ने 150 कट्टरपंथी मुस्लिमों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इनमें से 50 को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बुधवार को पंजाब प्रांत के रहीम यार खान जिले के भोंग में भव्य गणेश मंदिर पर उन्मादी भीड़ ने हमला बोल दिया था। मंदिर में जमकर तोड़फोड़ कर उसे आग के हवाले कर दिया गया। घटना के संबंध में भारत की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद वहां की सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया और कार्रवाई के निर्देश दिए। दबाव पड़ने के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी घटना की आलोचना करते हुए पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

पुलिस ने बताया कि मंदिर पर हमले के मामले में आतंकवाद व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें 150 लोगों को नामजद किया गया है। पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बुजदार ने कहा है कि इस शर्मनाक घटना में वीडियो के आधार पर पहचान कर 50 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर मंदिर के दोबारा निर्माण का काम भी शुरू कर दिया गया है।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर पर हमले को रोक न पाने पर सरकारी एजेंसियों की आलोचना की थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस गुलजार अहमद ने टिप्पणी की है कि मंदिर में तोड़फोड़ से देश की बदनामी हुई है और पुलिस मूकदर्शक बनी रही। इस मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 13 अगस्त को होगी।

पाकिस्तान की संसद ने भी इस मामले की आलोचना की है। पाक संसद ने बिना किसी विरोध के एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें मंदिर पर हमला और तोड़फोड़ की निंदा की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पाकिस्तान में 75 लाख हिंदू रहते हैं, जबकि समुदाय की जानकारी के मुताबिक उनकी संख्या 90 लाख है।

पाकिस्तान के रहीम यार खान जिले में स्थित गणेश मंदिर में घुसकर उन्मादी कट्टरपंथियों ने बुधवार को मूर्तियों को तोड़ डाला था। घटना के बाद इसे आगे से कपड़े से ढक दिया गया था। जागरण आर्काइव

पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हो रहा घोर अत्याचार : विहिप

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों को तोड़े जाने के मामले में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने संयुक्त राष्ट्र संघ (यूएन) व यूरोपीयन यूनियन समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

इस संबंध में विहिप के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री स्वामी विज्ञानानंद ने यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, यूएन मानवाधिकार आयोग प्रमुख व यूरोपीयन यूनियन के प्रमुख को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिंदू, ईसाई, बौद्ध व सिख समेत अन्य पर अत्याचार बढ़े हैं। हाल ही में एक जिले में सिद्धि विनायक मंदिर को सैकड़ों लोगों के हुजूम ने तोड़ा। मंदिर के आसपास रह रहे 100 से अधिक हिंदू परिवारों को धमकियां दी जा रही हैं। वे डर के साए में जी रहे हैं। विहिप नेता ने कहा कि पाकिस्तान में वहां हिंदू और ईसाई लड़कियों व महिलाओं का अपहरण कर मतांतरण कराने व जबरन शादी के मामले बढ़े हैं। इससे वहां मानवाधिकार का घोर संकट पैदा हो गया है। अल्पसंख्यकों का मानवाधिकार खतरे में है। उनके पास बोलने, पूजा करने और आजीविका का अधिकार नहीं है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए इस मामले में तत्काल अंतरराष्ट्रीय संगठनों के हस्तक्षेप की जरूरत है।

दखल की उठी मांग

▶ संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य वैश्विक संस्थाओं को लिखा पत्र

▶ पाकिस्तान में तत्काल हस्तक्षेप करने की जरूरत बताई

तबाही के निशान...

अमेरिका के कैलिफोर्निया राज्य में ग्रीनविले के डिक्सी क्षेत्र में लगी अब तक की सबसे भीषण आग में जलकर नष्ट हुए वाहन तबाही की गवाही दे रहे हैं। इस आग से गोल्ड रश शहर पूरी तरह से तहस-नहस हो गया है। डिक्सी फायर डिपार्टमेंट का दावा है कि आग से करीब 1700 वर्ग किमी क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। एएफपी

यूएन में जुंटा विरोधी म्यांमार के राजदूत को मारने की साजिश विफल

▶ न्यूयार्क पुलिस ने भाड़े के दो अपराधियों को किया गिरफ्तार

न्यूयार्क, रायटर : संयुक्त राष्ट्र में म्यांमार के जुंटा (सैन्य शासन) विरोधी राजदूत क्याव मो टुन की अमेरिका में हत्या करने की साजिश रची जा रही थी। इस मामले में न्यूयार्क में म्यांमार के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए दोनों भाड़े के अपराधियों को काम दिया गया था कि पहले वे मो टुन को इस्तीफा देने के लिए मजबूर करें। वह ऐसा नहीं करते हैं तो उन पर प्राणघातक हमला कर दें।

क्याव मो टुन संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में म्यांमार के स्थायी प्रतिनिधि हैं। जुंटा के सत्ता में आने के बाद उन्होंने लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की को रिहा कराने के लिए संयुक्त राष्ट्र में उनकी वकालत की और सेना के अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाई थी।

फरवरी में सैन्य तख्ता पलट के बाद म्यांमार के राजदूत को धमकी दी गई थी। धमकी के बाद उनकी अमेरिका में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। न्यूयार्क के दक्षिण जिले के अटार्नी कार्यालय ने कहा है कि पकड़े गए म्यांमार के नागरिक 28 वर्षीय फियो हेन हट और 20 वर्षीय ये हेंन जेव हैं। ये विदेशी राजनयिक पर घातक हमला करने की योजना के आरोपित हैं। इस अपराध में अधिकतम पांच साल की सजा का प्रविधान है।

हमले को अंजाम देने के लिए थाइलैंड के एक हथियार डीलर ने संपर्क किया : समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, अटार्नी कार्यालय के अदालत में दाखिल दस्तावेज में पकड़े गए दोनों लोगों ने पूछताछ में बताया है कि हमले को अंजाम देने के लिए उनसे थाइलैंड के एक हथियार डीलर ने संपर्क किया था। यही डीलर जुंटा को हथियार सप्लाई करता है। इस डीलर ने येन हट से संपर्क कर एडवांस के तौर 23 जुलाई को डालर में भुगतान भी किया।

उल्लेखनीय है कि म्यांमार के सैन्य शासन को संयुक्त राष्ट्र ने मान्यता नहीं दी है। इसलिए लोकतांत्रिक सरकार के चुने हुए स्थायी प्रतिनिधि क्याव मो टुन को ही मान्यता मिली हुई है।

थाइलैंड में भड़की हिंसा...

थाइलैंड में कोरोना संक्रमण से निपटने में सरकार की नाकामी को लेकर हजारों की संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुई। कई स्थानों पर वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री प्रयुत्थ चान-ओचा के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार लोगों को टीकाकरण करने में भी पूरी तरह से विफल रही है। रायटर

अमेरिका में पढ़ने वाले भारतीयों को जल्द वीजा दे बाइडन सरकार

▶ सीनेट सदस्यों ने वीजा में देरी पर जताई नाराजगी

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिकी सासंदों ने भारत सहित सभी देशों के अंतरराष्ट्रीय छात्रों को वीजा देने में तेजी लाए जाने की बाइडन सरकार से मांग की है। वर्तमान में हजारों भारतीय छात्र अमेरिका में अध्ययन करने के लिए वीजा पाने का इंतजार कर रहे हैं।

दिल्ली में अमेरिकी दुतावास से केवल आपातकालीन मामलों में ही वीजा जारी किए जा रहे हैं। इसके कारण अमेरिका में अध्ययन करने जाने वाले छात्र बेहद परेशान हैं। इन छात्रों के अगले सत्र पर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। ज्ञात हो कि अमेरिका में एक लाख से ज्यादा भारतीय छात्र हैं और वे अमेरिका की अर्थव्यवस्था में अच्छा-खासा योगदान देते हैं।

छात्रों को हो रही परेशानी के संबंध में दो दर्जन प्रभावशाली सीनेट सदस्यों ने विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन को पत्र लिखा है। उन्होंने ब्लिंकन से कहा है कि छात्रों के वीजा में देरी चिंताजनक है। यह ऐसी स्थिति हो रहा है, जब हम कोरोना महामारी से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

सीनेट सदस्यों ने कहा है कि जब प्रतिस्पर्धी देश अंतरराष्ट्रीय सदस्यों को वीजा व अन्य सहूलियतें देने में आगे हैं, अमेरिका को तेजी से वीजा बनाने पर काम करना चाहिए। अमेरिकी सीनेटरों ने कहा कि चिंता की बात है कि इस पर काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। छात्रों की यह चिंता जायज है कि उनके नए सत्र की शुरुआत होने के बाद भी वीजा मिलने क्यों दिक्कत आ रही है।

बड़ी संख्या में भारतीय छात्र अमेरिका में अध्ययन करने के लिए वीजा पाने का कर रहे हैं इंतजार। फाइल फोटो इंटरनेट मीडिया

धन्यवाद नीरज

मुंह मांगी गुरुदक्षिणा मिली तो कोच बोले, चोपड़ा की मेहनत पर भरोसा था

विकास शर्मा • चंडीगढ़

मुंह मांगी गुरुदक्षिणा मिली तो कोच बोले नीरज तुम धन्य हो। भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने अपने कोच के विश्वास को पूरा करते हुए ओलिंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

इस जीत से उत्साहित कोच नसीम अहमद ने कहा कि कि मुझे नीरज की मेहनत पर 101 फीसद भरोसा था, इसीलिए मैंने पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में बड़ी स्क्रीन लगवाई थी। ट्रेनी खिलाड़ियों, कोचों व स्टाफ को खासतौर पर मैच देखने के लिए आमंत्रित किया था। इतना नहीं ढोल और मिठाई भी पहले ही मंगवा ली थी। यह सब प्रबंध मैंने नीरज पर अपने भरोसे के चलते किया था। कोच होने के नाते मैं जानता हूं कि खेल में कुछ भी नतीजे हो सकते थे, लेकिन मुझे फिर भी नीरज पर इतना यकीन था कि मैं उसे शब्दों में बयां नहीं करता हूं। नीरज ने मुझे निराश नहीं किया और मुझे गुरुदक्षिणा के तौर पर ओलिंपिक स्वर्ण पदक जीतकर दिया। मैं खुशनसीब हूं कि देश को नीरज चोपड़ा जैसा एथलीट दे पाया, ऐसा खिलाड़ी हर किसी कोच को नसीब नहीं होता।

नीरज का भाला फेंक से ऐसे जुड़ा रिश्ता : पानीपत जिले के खंडरा गांव के निवासी नीरज चंडीगढ़ में डीएवी कालेज के छात्र रहे हैं। वह 2011 में कालेज से जुड़े थे। इस साल उन्होंने आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी का रिकार्ड तोड़ दिया। नीरज के पिता किसान हैं। पढ़ाई में बेहतर भविष्य बने, इसके लिए उनके पिता ने उन्हें चाचा के साथ चंडीगढ़ भेज दिया। कोच नसीन अहमद ने बताया कि नीरज के चाचा 2011 में उनके पास नीरज को लेकर आए और यह कहा कि यह मेरा भतीजा है जो खा-खाकर मोटा हो रहा है, आप इसे भी दौड़ाया करो। मैंने कहा कि आप स्टेडियम में भेज दिया करें, जिसके बाद नीरज रोज आने लगा। पानीपत का एक और लड़का पैरा एथलीट नरेंद्र था, जो कि मेरे पास हास्टल में रहता था। नरेंद्र और नीरज की दोस्ती हो गई। इसके बाद वह भी हास्टल में रहने आ गया और 2016 तक यहां रहकर उनसे भाला फेंक के गुर सीखे। इस दौरान नीरज को कई तरह की दिक्कतें आईं, लेकिन वह कभी निराश नहीं हुए वह हर बार कहते, सर मैं एडजस्ट कर लूंगा। आप चिंता न करें। यकीनन उन्होंने कभी हालात से शिकायत नहीं की, हमेशा डटे रहे।

हर किसी का जीवन में कुछ बनने का लक्ष्य होना चाहिए। बैडमिंटन में (पुलेला) गोपीचंद ने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने विश्वस्तरीय बैडमिंटन खिलाड़ी तैयार किए हैं। हर कोच को उनकी तरफ देखना चाहिए, लेकिन ओलिंपिक में एथलेटिक्स मुख्य आयोजन है। हमने सात-आठ अच्छे एथलीट तैयार किए हैं, लेकिन पदक नहीं जीत पाए। मिल्खा सिंह, पीटी उषा (800 मीटर), अंजू बाबी जार्ज (लंबी कूद), श्रीराम सिंह (800 मीटर), गुरबचन सिंह रंधावा (110 मीटर बाधा दौड़), ये पांच एथलीट फाइनल में पहुंचे, लेकिन पदक नहीं जीत सके। यह मेरी आखिरी इच्छा है (कि भारत एथलेटिक्स में पदक जीते)। रोम ओलिंपिक से पहले मैंने 80 अंतरराष्ट्रीय दौड़ें लगाईं और तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान गाया गया। मेरे पास खुशी के आंसू थे। मैं कहना चाहता हूं कि भारत में एथलेटिक्स में प्रतिभा है। रोम 1960 में लोगों का मानना था कि अगर कोई 400 मीटर जीतेगा तो वह मिल्खा सिंह होंगे (लेकिन ऐसा नहीं हुआ)।
मिल्खा सिंह, 2020 में फिट इंडिया इवेंट के दौरान

जीव मिल्खा बोले, आज पिता होते तो खुशी से झूम उठते

मिल्खा सिंह के बेटे गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने दैनिक जागरण से बातचीत में बताया कि आज पिता जिंदा होते तो उनकी आंखों से खुशी के आंसू बहते, उनकी खुशी का कोई ठिकाना न होता। आज उनका वर्षों पुराना सपना नीरज ने पूरा कर दिया। मैं खुद इस पल को महसूस कर गर्व महसूस कर रहा हूं। मैं नीरज की मेहनत और जज्बे को सलाम करता हूं। ईश्वर उन्हें हमेशा सलामत रखे।

नीरज का स्वर्ण पदक भारतीय खेल जगत के लिए बहुत ही गौरव का पल है। **आदिल सुमरिवाला**, अध्यक्ष, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ

यह भारतीय एथलेटिक्स में चीजों को बदलने वाला पल होना चाहिए। विश्व चैंपियनशिप (2003) में मेरे पदक से भारतीय एथलेटिक्स में बेहतरी के लिए काफी बदलाव हुए। हमने राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतना शुरू कर दिया। हमें नीरज के स्वर्ण पदक से यही उम्मीद है। वह अभी काफी युवा है और हम उससे आगामी टूर्नामेंट और ओलिंपिक में काफी उम्मीदें कर सकते हैं।
अंजू बाबी जार्ज, पूर्व एथलीट

नीरज काफी अनुशासित खिलाड़ी हैं और फाइनल में उसका आत्मविश्वास झलक रहा था। वह कोई दबाव नहीं ले रहा था। मुझे पूरा भरोसा था कि यह जोहानेस वेटर का दिन नहीं था जो क्वालीफिकेशन दौर में भी जूझ रहे थे।
कृष्णा पूनिया, चक्का फेंक एथलीट

हम अपने देशवासियों को एथलेटिक्स में एक भी ओलिंपिक पदक नहीं दे सके थे इसलिए यह बदलाव लाने का पल है।
श्रीराम सिंह, पूर्व धावक

अनु रानी के पूर्व कोच ने निखारा था चोपड़ा का थ्रो

संतोष शुक्ल • मेरठ

खेल जगत की सुर्खियां बन चुके भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की क्षमता को अनु रानी के पूर्व कोच काशीनाथ ने निखारा था। नीरज ने पटियाला में 2015 से 2017 तक काशीनाथ के पास रहकर ट्रेनिंग की और यहीं पर पहली बार 80 मीटर की दूरी को पार किया। टोक्यो जाने से पहले नीरज ने पुणे में अपने पूर्व कोच से आशीर्वाद लिया था।

2010 नई कामनवेल्थ खेलों में भारत के लिए जेवलिन थ्रो में कांस्य पदक जीतने वाले काशीनाथ बाद में मेरठ की अनु रानी और हरियाणा के नीरज चोपड़ा के कोच बन गए। वह कई बार मेरठ भी आए। पटियाला में नीरज को रोजाना छह घंटे से ज्यादा ट्रेनिंग कराया। कोच बताते हैं कि नीरज में थ्रो की नैसर्गिक क्षमता है। उसकी पावर पोजीशन बेहतरीन है। यानी, शरीर के अंगों का तालमेल स्वाभाविक तौर पर अन्य एथलीटों से ज्यादा है। कोच ने नीरज में जहां आत्मविश्वास भरा, वहीं रनवे पर स्पीड और थ्रो के दौरान शरीर का संतुलन संभालने की ट्रेनिंग दी। काशीनाथ बताते हैं कि

कामनवेल्थ पदकधारी काशीनाथ ने 2015 से 2017 तक दी थी ट्रेनिंग, 33 से 37 डिग्री पर जेवलिन थ्रो करने में नीरज को है महारत

स्वर्ण पदक के साथ नीरज चोपड़ा • प्रेट्र

उनकी देखरेख में ट्रेनिंग लेने के दौरान ही नीरज ने 2016 में साउथ एशियन गेम्स में 82 मीटर से ज्यादा भाला फेंककर स्वर्ण पदक जीता था। 86.48 मीटर से ज्यादा भाला फेंककर जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप-अंडर-20 में नया वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया। कोच ने नीरज की सेना में भर्ती कराई। बाद में नए कोच के साथ फिनलैंड और स्वीडन में ट्रेनिंग ली। पूर्व कोच काशीनाथ कहते हैं कि नीरज लगातार 33 से 37 डिग्री पर भाला फेंकने की क्षमता रखते हैं। उनका दावा है कि टोक्यो में नीरज 90 मीटर पार कर सकते थे, लेकिन अंतिम चार थ्रो में लय टूट गई।

समापन समारोह में ध्वजवाहक होंगे बजरंग

जेएनएन, नई दिल्ली : टोक्यो ओलिंपिक में शनिवार को कांस्य पदक जीतने वाले भारत के स्टार पहलवान बजरंग पूनिया रविवार को होने वाले समापन समारोह के लिए ध्वज वाहक होंगे। कोरोना के बीच सफल रूप से संपन्न हुए ओलिंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह की तरह समापन समारोह भी टोक्यो के राष्ट्रीय ओलिंपिक स्टेडियम में आयोजित होगा। समापन समारोह के दौरान देशों की परेड में पहलवान बजरंग उदघाटन समारोह में ध्वजवाहक बने भारतीय पुरुष हाकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह और मुक्केबाज एमसी मेरी कोम की जगह लेंगे।

नीरज चैंपियन तो उनके कोच थे विश्व चैंपियन

पदक तालिका

	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
चीन	38	31	18	87
अमेरिका	36	39	33	108
जापान	27	12	17	56
आरओसी	20	26	23	69
ग्रेट ब्रिटेन	20	21	22	63
आस्ट्रेलिया	17	7	22	46
जर्मनी	10	11	16	37
नीदरलैंड्स	10	11	12	33
इटली	10	10	19	39
फ्रांस	9	12	11	32
भारत	1	2	4	7

नोट : भारत तालिका में 47वें स्थान पर है। आरओसी (रूसी ओलिंपिक समिति)

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : नीरज चोपड़ा ने जहां भाला फेंक स्पर्धा में गोल्डन थ्रो (87.58) से इतिहास रच दिया। वहीं उनके गुरु यानी भारतीय भाला फेंक टीम के पूर्व जर्मन कोच उवे हान भी किसी से कम नहीं हैं। नीरज अगर वर्तमान में भाला फेंक चैंपियन हैं तो उनके कोच हान 104.80 मीटर दूरी तक भाला फेंकने वाले अभी भी दुनिया के एकमात्र विश्व चैंपियन खिलाड़ी हैं। हान ने 1984 में 100 मीटर से अधिक की दूरी पर भाला फेंका था, लेकिन उसके बाद 1986 से भाला की आकृति बदल दी गई, जिसके चलते उनका यह स्कोर आंतरिक विश्व रिकार्ड के तौर पर माना जाता है। हालांकि, पिछले तीन वर्षों से नीरज को भाला फेंक के गुण सिखाने वाले हान ने ओलिंपिक से ठीक पहले जून में ही भारतीय एथलेटिक्स संघ और भारतीय खेल प्राधिकरण से अनबन के बाद साथ छोड़ दिया था और वर्तमान में वह आस्ट्रेलिया की महिला भाला फेंक टीम को को कोचिंग दे रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि वह हान ही हैं, जिनसे नई तकनीक और बारीकियां सीखकर नीरज ने स्वर्णिम दूरी तय की है। वर्तमान में भारतीय भाला फेंक टीम के कोच जर्मनी के ही क्लाउस बार्टोनिट्ज़ हैं।

साल 2018 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद नीरज भारतीय कोच हान की शरण में आए और भाला फेंक स्पर्धा की बारीकियां सीखनी शुरू कर दीं। हान ने ना सिर्फ नीरज के खेल को सुधारा, बल्कि उनकी तकनीक के साथ-साथ फिटनेस पर भी काफी काम किया। 59 वर्षीय हान ने अपने करियर में भले ही एक भी ओलिंपिक पदक जर्मनी के लिए ना जीता हो, लेकिन इस खेल को समझने में उन्हें महारथ हासिल है। हान ने अपने करियर में पूर्वी जर्मनी के लिए खेलते हुए 1982 यूरोपियन चैंपियनशिप और उसके बाद 1985 एथलेटिक्स विश्व कप की भाला फेंक स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया था।

हान के सानिध्य में नीरज के प्रदर्शन में लगातार सुधार होता रहा। इसका बेजोड़ नमूना तब देखने को मिला जब ओलिंपिक से ठीक पहले मार्च में पटियाला में आयोजित इंडियन ग्रांप्रि में नीरज ने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो से 88.07 मीटर दूरी तक भाला फेंका था। इस प्रदर्शन के बाद से ही नीरज के ओलिंपिक में पदक लाने की चर्चा ने अधिक जोर पकड़ लिया था, जिसको सच साबित करते हुए नीरज ने ओलिंपिक में स्वर्ण पदक हासिल किया। हालांकि इस दौरान वह भाले से अपनी ही सर्वश्रेष्ठ 88.07 मीटर दूरी को नहीं पार सके। हान ने नीरज के अलावा अन्य भाला फेंक खिलाफी शिवपाल सिंह को भी भाला फेंक की बारीकियां सिखाई थीं। मगर वह 76.40 मीटर के थ्रो के साथ क्वालीफिकेशन में ही हारकर बाहर हो गए थे।

रंग लाई बजरंग की मेहनत

नंदकिशोर भारद्वाज • सोनीपत

ओलिंपिक में शनिवार को हरियाणवी पहलवान बजरंग पूनिया का दिन था। शुक्रवार को सेमीफाइनल में हार की मायूसी को बजरंग ने जीत में बदलकर देश की झोली में कांस्य पदक डाल दिया। कुश्ती जीतते ही सबसे पहले बजरंग ने साई के फ्री स्टाइल के मुख्य कोच जगमिंदर सिंह और अपने निजी कोच शाको बेंडिटिस का आशीर्वाद लिया। इसके बाद से बजरंग को बधाई देने वालों का तांता लग गया।

कुश्ती जीतने के बाद जगमिंदर ने फोन पर बताया कि ओलिंपिक पदक के लिए बजरंग कई साल से जीतोड़ मेहनत कर रहा था। बजरंग को अंतरराष्ट्रीय कुश्ती की बारीकियां सिखाने के लिए उन्होंने और उनके सहयोगी समेत निजी कोच शाको ने कोई कमी नहीं छोड़ी थी। शुक्रवार को बजरंग पहले मुकाबले में तकनीकी आधार पर विजयी हुआ। इसके बाद क्वार्टर फाइनल में ईरानी पहलवान को एकतरफा मुकाबले में चित करते हुए कुश्ती जीती, लेकिन सेमीफाइनल में विरोधी पहलवान अजरबैजान ने बजरंग को कोई मौका नहीं दिया। सेमीफाइनल में हार के बाद बजरंग को मायूसी ने घेर लिया था, लेकिन उसे कांस्य पदक का मुकाबला जीतने के लिए प्रोत्साहित किया। शनिवार को कुश्ती के दौरान मुख्य कोच जगमिंदर सिंह ने कई बार बजरंग को कई बार दांव लगाने के लिए प्रेरित किया। जीत के बाद मुख्य कोच ने फोन पर बताया कि ओलिंपिक में पदक जीतना कोई आसान काम नहीं था और 65 किग्रा में पदक के लिए विश्व के अच्छे पहलवानों के बीच जंग थी। बजरंग ने अपनी कई साल की मेहनत से इस जंग में विजय हासिल करते कांस्य जीतकर देश का नाम रोशन किया।

टोक्यो से खुशखबरी, बजरंग ने शानदार तरीके से मुकाबला किया। आपकी उपलब्धि के लिए आपको बधाई, इस पर हर भारतीय को गर्व और खुशी है।
नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

बजरंग को कांस्य, तीसरा स्थान। तुमने कर दिखाया। भारत के रोमांच को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। मुझे आप पर बहुत गर्व है, आपके दबदबे वाले प्रदर्शन और अभियान को शानदार तरीके से खत्म करने को देखकर अच्छा लगा।
रामनाथ कोविंद, राष्ट्रपति

कांस्य पदक के साथ भारतीय पहलवान बजरंग पूनिया • एएफपी

पहली बार गोल्फ के मुरीद बने भारतीय

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक के टोक्यो ओलिंपिक में ऐतिहासिक प्रदर्शन से कुछ घंटों तक यह खेल चर्चा का विषय बना रहा जो पहले कभी नहीं हुआ था। टोक्यो ओलिंपिक में महिला गोल्फ स्पर्धा का चौथा और अंतिम दौर भारत में इस खेल का सबसे ज्यादा देखा जाना वाला टूर्नामेंट बन सकता है।

रियो ओलिंपिक में खेल चुकी 23 साल की अदिति चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं, लेकिन उनके प्रदर्शन से गोल्फ भारत में कुछ ही घंटों में ऐसी ऊंचाई पर पहुंचा जैसा कभी नहीं हुआ था। इंटरनेट मीडिया पर बर्डी, बोगी और ईगल ट्रेंड करता रहा और इस खेल को देखकर इस तरह का उत्साह देखा गया जो क्रिकेट मैचों में ही देखा जाता है। भारत के राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी अदिति को काफी प्रशंसा मिली। राष्ट्रपति कोविंद ने ट्वीट किया, 'बहुत बढ़िया खेलीं अदिति अशोक। भारत की एक और बेटी ने अपनी छाप छोड़ी। आप इस ऐतिहासिक प्रदर्शन से भारतीय गोल्फ को नई ऊंचाई पर ले गईं। आप बेहतरीन संतुलन और संयम से खेलीं। शानदार जज्बे और कौशल का प्रदर्शन करने के लिए बधाई।' मोदी ने लिखा, 'एक पदक चूक गए, लेकिन आप किसी भी अन्य भारतीय से आगे निकल गईं।' कुछ दिन पहले तक और यहां तक कि फाइनल दौर से पहले तक कुछ कमेंटेटर शाट्स को प्वाइंट्स कह रहे थे। अदिति पहले तीन दौर तक शीर्ष तीन में बनी रहीं। इंटरनेट मीडिया पर ट्विटर स्पेसिज पर एक बार में 140 लोग भारतीय गोल्फ पर चर्चा कर रहे थे और टीवी पर हर कोई इसे देख रहा था जिसमें बैडमिंटन की पूर्व विश्व जूनियर रजत पदक विजेता अपर्णा पोपट, टेबल टेनिस स्टार नेहा अग्रवाल और पेशेवर गोल्फर एस चिक्कारंगप्पा भी शामिल थे।

भारतीय गोल्फर अदिति अशोक • रायटर

भारतीयों का ओलिंपिक पदक चूकने का सिलसिला जारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : ओलिंपिक में पदक चूकने का मलाल सबसे ज्यादा चौथे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी या टीम को होता है, आखिरी स्थान पर रहना निराशाजनक होता है, लेकिन चौथे स्थान पर होना सबसे ज्यादा दर्द देता है। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक शुरुआती तीन चरण में पदक की दौड़ में थी, लेकिन चौथे चरण के बाद दो शाट से कांस्य पदक हासिल करने से चूक गईं।

अदिति अशोक के अलावा टोक्यो ओलिंपिक में पहलवान दीपक पूनिया, भारतीय महिला हाकी टीम भी चौथे स्थान पर रहते हुए पदक से चूके। इससे

गोल्फर अदिति से पहले भी कई भारतीय खिलाड़ी ओलिंपिक में रह चुके हैं चौथे स्थान पर

पहले भी ओलिंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ी या टीमें मामूली अंतर से पदक हासिल करने में नाकाम रहे हैं जिसकी शुरुआत 1956 ओलिंपिक में फुटबाल टीम के साथ हुई थी। मेलबर्न ओलिंपिक 1956 में मेजबान आस्ट्रेलिया को क्वार्टर फाइनल में 4-2 से हराने के बाद भारतीय टीम सेमीफाइनल में यूगोस्लाविया और फिर कांस्य पदक मुकाबले में बुल्गारिया से हार गइ। इसके चार साल बाद रोम ओलिंपिक (1960) महान धावक मिल्खा सिंह सबसे 400 मीटर की दौड़ में सेकेंड के 10वें हिस्से से कांस्य पदक से चूक गए। महिला हाकी टीम के बाद इससे पहले 1980 में भी पदक जीतने का मौका था, लेकिन मास्को ओलिंपिक में छह टीमों के मुकाबले में आखिरी मैच में टीम तत्कालीन सोवियत संघ से 1-3 से हारकर चौथे स्थान पर रही। पीटी ऊषा लास एंजिलिस में 1984 के ओलिंपिक में 400 मीटर बाधा दौड़ में सेकेंड 100वें हिस्से से पदक जीतने से चूक गईं। वह किसी भी प्रतियोगिता में भारतीय एथलीटों में सबसे करीब से पदक चूकने वाली खिलाड़ी हैं। इसके 20 साल के बाद एथेंस ओलिंपिक (2004) में लिएंडर पेस और महेश भूपति की जोड़ी 2004 पोडियम से चूक गई थी। टेनिस के पुरुष डबल्स में शुरुआती मैचों में शानदार प्रदर्शन करने के बाद यह जोड़ी सेमीफाइनल और कांस्य पदक मुकाबले में लय नहीं बरकरार रख सकीं। इसी ओलिंपिक में कुंजुरानी देवी भारोत्तोलन के 48 किग्रा में चौथे स्थान पर रही थी। लंदन में 2012 में हुए ओलिंपिक खेलों में निशानेबाज जायदीप कर्माकर मामूली अंतर से पिछड़कर चौथे स्थान पर रहे। जिमनास्ट दीपा कर्माकर भी रियो ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रही थी।

अमेरिका ने बास्केटबाल में जीता 16वां स्वर्ण

टोक्यो, एपी : टोक्यो ओलिंपिक में अमेरिका की पुरुष बास्केटबाल टीम ने अपना वर्चस्व कायम रखते हुए फाइनल में फ्रांस को 87-82 से हराकर लगातार चौथा ओलिंपिक स्वर्ण पदक हासिल किया। फाइनल मैच में फ्रांस ने अमेरिका को कड़ी टक्कर दी और दोनों ही टीम ने बेहतरीन रक्षात्मक खेल दिखाया, लेकिन अंत में केविन ड्यूरेंट (29 अंक) और जैसन टैटम (19 अंक) ने अपनी शैली का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अमेरिका को एक बार ओलिंपिक चैंपियन बना दिया।

पहले क्वार्टर में अमेरिका ने अच्छी शुरुआत की और ड्यूरेंट के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्हें 22-18 से बढ़त मिल गई। दुसरे क्वार्टर में फ्रांस ने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन अमेरिका फिर भी पांच अंकों से आगे रहा। तीसरे क्वार्टर में भी अमेरिका ने 27-24 से बढ़त बनाई। चौथे क्वार्टर समाप्त होने में जब सिर्फ आठ सेकेंड बचे थे तब फ्रांस पांच अंक पीछे था, जहां से वह वापसी नहीं कर सका और उसे रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारत बनाम इंग्लैंड | भारत को मिला 209 रनों का लक्ष्य, जसप्रीत बुमराह ने लिए पांच विकेट

रूट के शतक के बावजूद भारत मजबूत स्थिति में

मैच के दौरान शाट खेलते इंग्लिश कप्तान जो रूट • रायटर

नाटिंघम, प्रेट्र : इंग्लैंड की दूसरी पारी में भी भारतीय तेज गेंदबाज शुरुआती विकेट झटकने में सफल रहे। लेकिन एक छोर पर इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने अपनी जड़ें जमाई रखी और टीम को शुरुआती झटकों से उबार दिया। इंग्लैंड की टीम रूट के 109 रनों के बावजूद 303 रनों पर आलआउट हो गई। इसके बाद भारत को 209 रनों का लक्ष्य मिला। जसप्रीत बुमराह ने इंग्लैंड की दूसरी पारी में 64 रन देकर पांच विकेट लिए। भारत ने खबर लिखे जाने तक बिना विकेट गंवाए 28 रन बना लिए थे। भारतीय ओपनर केएल राहुल 22 और रोहित शर्मा पांच रन बनाकर खेल रहे थे।

चौथे दिन की शुरुआत में युवा भारतीय तेज गेंदबाज मुहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज रोरी बर्न्स (18) को चलता किया तो जोड़ीदार सीनियर गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने जैक क्राउली (06) का विकेट चटकाकर इंग्लैंड को बैकफुट पर ढकेल दिया था। इन दोनों बल्लेबाजों को कैच विकेट के पीछे रिषभ पंत ने लपके। रूट ने इसके बाद आक्रामक रवैया अपनाकर टीम से दबाव को कम किया। उन्होंने बुमराह के खिलाफ शानदार चौका लगाने के बाद सिराज की गेंद में कवर ड्राइव का बेहतरीन नमूना पेश करते हुए एक और शानदार चौका मारा। वहीं, दिन के पहले सत्र में मुहम्मद शमी लय हासिल करने के लिए जूझते दिखे। रूट ने उनके खिलाफ आसानी से रन बटोरे। इस बीच, रूट के खिलाफ रवींद्र जडेजा ने एलबीडब्ल्यू की अपील की जिस पर मैदानी अंपायर ने दिलचस्पी नहीं दिखाई। भारतीय कप्तान कोहली ने इसके बाद डीआरएस का सहारा लिया लेकिन रिव्यु में गेंद विकेट के सामने पिच करती नहीं नजर आ रही थी।

उन्होंने इसके बाद जडेजा के खिलाफ चौका जड़कर पारी के 35वें ओवर में टीम के स्कोर को 100 रन के करीब पहुंचाया। शमी की गेंद पर चौका लगाकर रुट ने इस मैच का दूसरा और टेस्ट करियर का 51वां अर्धशतक पूरा किया। सिराज और बुमराह ने दो- दो विकेट झटके। इंग्लैंड की तरफ से अन्य दो बल्लेबाज डाम सिब्ले ने 28 रन तो जानी बेयरस्टो ने भी 30 रनों का योगदान दिया।

भारतीय हाकी टीमों ने सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय पुरुष व महिला हाकी टीमों ने टोक्यो ओलिंपिक में ऐतिहासिक अभियान के बूते विश्व रैंकिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान हासिल किया। पुरुष टीम तीसरे और महिला टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई। भारतीय पुरुष टीम ने ओलिंपिक में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर 41 साल के पदक सूखे को समाप्त किया था। वह स्वर्ण पदक विजेता बेल्जियम और रजत पदक हासिल करने वाली आस्ट्रेलिया से पीछे है। पुरुष टीम ने जहां कांस्य पदक हासिल किया तो वहीं महिला टीम पदक से चूक गई जिसे तीसरे स्थान के प्ले-आफ में ब्रिटेन से हार मिली और वह चौथे स्थान पर रही। पुरुष टीम एफआइएच हाकी प्रो लीग के दूसरे चरण के पहले तीन राउंड में शानदार प्रदर्शन के बूते पिछले साल मार्च में चौथे स्थान पर थी।

वहीं, महिला टीम की इससे पहले सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नौंवा स्थान थी जब उसने 2018 में लंदन में विश्व कप में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इससे टीम शीर्ष रैंकिंग की एशियाई टीम बनी थी और उसने जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था।

रानी बोलीं, कांस्य चूकने का गम अभी खत्म नहीं हुआ : भारतीय महिला हाकी टीम ने ओलिंपिक खेलों में चौथे स्थान के साथ भले ही देशवासियों का दिल जीत लिया हो, लेकिन कप्तान रानी रामपाल ने कहा कि कांस्य पदक के मुकाबले को हारने का उनका गम अब भी कम नहीं हुआ है। रानी ने कहा, 'रियो खेलों में हम 12वें स्थान पर रहे। हमें पता था कि हम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाएंगे क्योंकि वह हमारा पहला ओलंपिक था और हमारे पास कोई अनुभव नहीं था। हम टोक्यो में इस विश्वास के साथ पहुंचे थे कि हम कुछ करेंगे। सेमीफाइनल में पहुंचना एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने हमसे कहा कि टूर्नामेंट में आपने जो हासिल किया है, वह भारतीय इतिहास में कभी नहीं हुआ और आपका भविष्य उज्ज्वल है।'

आइपीएल के लिए क्वारंटाइन नहीं होंगे विदेशी खिलाड़ी

दुबई, प्रेट्र : आइपीएल में भाग लेने वाले किसी भी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को क्वारंटाइन में नहीं रहना होगा, लेकिन फ्रेंचाइजी के सदस्यों व परिवारों के खिलाफ बबल उल्लघंन के लिए कार्रवाई हो सकती है।

अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात में बहाल होने वाले टी-20 टूर्नामेंट से पहले बीसीसीआइने स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकाल जारी किया है। इस बार उम्मीद की जा रही है कि यूएई में आइपीएल का आयोजन सफल होगा। बायो बबल (कोरोना से बचाव के लिए खिलाड़ियों के लिए बनाया गया सुरक्षित माहौल) में कई उल्लंघन के बाद अप्रैल में स्थगित हुई आइपीएल के मैच यूएई में 19 सितंबर से आयोजित होंगे, जिसमें पहले मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स का सामना गत चैंपियन मुंबई इंडियंस से होगा। संचालन संस्था ने कहा, 'फ्रेंचाइजी सदस्य या उनके परिवारों पर बायो-बबल के किसी भी प्रोटोकाल के उल्लंघन के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे करें फेसबुक वीडियो को डाउनलोड

इंटरनेट मीडिया

क्या आपको फेसबुक का कोई वीडियो पसंद आ गया है। अगर हां, तो अपने पसंदीदा वीडियो को आसानी से डाउनलोड कर सकते हैं। फेसबुक वीडियो डाउनलोड करने के लिए बहुत सारे एप्स मौजूद हैं। हालांकि किसी भी एप को डाउनलोड करने के दौरान सावधान रहना चाहिए, क्योंकि ये आपके स्मार्टफोन की सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं और साइबर हमलों की चपेट में भी आ सकते हैं। इसलिए हम ऐसे एप्स और साफ्टवेयर का उपयोग करने की सलाह नहीं देंगे। इसके बजाय बिना कोई नया एप इंस्टाल किए सीधे वीडियो डाउनलोड कर सकते हैं। ब्राउजर के माध्यम से भी फेसबुक वीडियो को डाउनलोड करना आसान है। आइए, जानते हैं एंड्रायड और आइफोन पर वीडियो को कैसे कर सकते हैं डाउनलोड :

एंड्रायड स्मार्टफोन : अगर एंड्रायड फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो फिर यहां पर फेसबुक वीडियो को डाउनलोड करने के लिए फेसबुक एप पर उस वीडियो पर टैप करें, जिसे अपने फोन पर डाउनलोड करना चाहते हैं। आपको वीडियो के ठीक नीचे 'शेयर' का विकल्प दिखाई देगा। इसे टैप करें और फिर पापअप करने वाले विकल्पों में कापी लिंक पर टैप करें। फोन के ब्राउजर में fbdown.net साइट ओपन करें। यहां पर एक बार मिलेगा, जहां वीडियो का लिंक पेस्ट करना होगा। इसके बाद डाउनलोड पर क्लिक करें। आपको दो विकल्प मिलते हैं- वीडियो को नार्मल क्वालिटी या फिर एचडी क्वालिटी में डाउनलोड करने का। अब अपनी पसंद के विकल्प पर टैप करें। वीडियो चलना शुरू हो जाएगा। तीन बिंदुओं वाले मेन्यू पर टैप करें। आपको वीडियो डाउनलोड का विकल्प दिखाई देगा। डाउनलोड पर टैप करें। जब यह आपके फोन पर डाउनलोड हो जाता है, तो इसे डाउनलोड फोल्डर से ब्राउज कर सकते हैं।

आइफोन : आइफोन पर भी फेसबुक वीडियो डाउनलोड करने की प्रक्रिया काफी हद तक एंड्रायड फोन के समान ही है। फेसबुक एप को ओपन करने के बाद उस वीडियो का लिंक कापी कर लें, जिसे फोन पर डाउनलोड करना चाहते हैं। अब सफारी ब्राउजर के एड्रेस बार में fbdown.net साइट को ओपन करें। साइट ओपन होने के बाद एक बार मिलेगा। वहां कापी किए गए वीडियो लिंक को पेस्ट करें। अब डाउनलोड पर क्लिक करें। फिर आप 'सेव टू फाइल्स' विकल्प का चयन कर सकते हैं। एक बार जब यह आपके फोन पर डाउनलोड हो जाता है, तो फोटो एप में वीडियो ढूंढ सकते हैं।

फीचर डेस्क

इंटरनेट आडियो प्लेटफार्म

हाल में इंटरनेट आडियो चैट एप 'क्लबहाउस' तेजी से लोकप्रिय हुआ है। भारत में भी इसके यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेट आडियो चैट एप्स उन लोगों के लिए एक बेहतर प्लेटफार्म बनकर उभर रहे हैं, जो फेसबुक, ट्विटर जैसे प्लेटफार्म के इतर नये विकल्प की तलाश में हैं। आइए जानते हैं उभरते हुए इन्हीं इंटरनेट आडियो प्लेटफार्म के बारे में...

रेडिट टाक

जो लोग रेडिट का बड़े पैमाने पर उपयोग करते हैं, उनके लिए रेडिट टाक भी एक विकल्प हो सकता है। इस आडियो चैट के माध्यम से समान विचारधारा वाले लोगों को ढूंढ़ना आपके लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आपको बता दें कि रेडिट टाक में केवल माडरेटर को ही टाक होस्ट करने की अनुमति मिलती है। कंपनी ने संकेत दिया है कि वह इस फीचर को टेस्ट कर रही है और रेडिट टाक को बड़े दर्शकों के लिए पेश कर सकती है। क्लबहाउस के समान रेडिट टाक सबरेडिट माडरेटर को सार्वजनिक आडियो टाक शुरू करने की अनुमति देता है। कोई भी बातचीत में शामिल हो सकता है और बोलने के लिए अनुरोध भी कर सकते हैं। इसका यूजर इंटरफेस भी आपको क्लबहाउस की तरह ही लगेगा। यदि आप रेडिट यूजर हैं, तो रेडिट टाक क्लबहाउस जैसे आडियो इंटरनेट नेटवर्क के साथ एक बेहतर एप है।

आडियो एप्स का बढ़ा क्रेज

इन दिनों इंटरनेट आडियो एप्स तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। खासकर जो यूजर फेसबुक, ट्विटर आदि से हटकर नये तरह के विकल्प की तलाश कर रहे हैं, उनके लिए इंटरनेट आडियो एप एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इंटरनेट आडियो के क्षेत्र में 'क्लबहाउस' के आने के बाद काफी कुछ बदला है। बड़ी इंटरनेट मीडिया कंपनियां भी इस क्षेत्र में कदम रखने जा रही हैं। अगर क्लबहाउस की ही बात करें, तो पिछले कुछ महीनों में ही भारत में एंड्रायड प्लेटफार्म पर यह 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया गया है। यह इंटरनेट मीडिया का एक ऐसा प्लेटफार्म है, जहां आप अन्य यूजर्स के साथ बातचीत कर सकते हैं। सभी आडियो चैट सार्वजनिक होते हैं यानी कोई भी व्यक्ति बातचीत में शामिल हो सकता है और सुन सकता है। इसके अनूठे दृष्टिकोण की वजह से यूजर्स क्लबहाउस और इसके जैसे एप्लीकेशंस को पसंद करने लगे हैं। इंटरनेट मीडिया पर सर्फिंग करने वाले यूजर्स के लिए यह एक नये तरह का एक्सपीरियंस है। अगर एंड्रायड और आइओएस पर इंटरनेट आडियो एप्स का इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो ये भी विकल्प हैं।

क्लबहाउसः यह इंटरनेट आडियो चैट एप दुनियाभर में तेजी के लोकप्रिय हो रहा है। पहले यह इनवाइट बेस्ड आडियो चैट प्लेटफार्म था, लेकिन अब बिना इनवाइट के भी इस प्लेटफार्म से जुड़ सकते हैं। इसमें क्लबहाउस सेशंस के दौरान कोई भी विभिन्न टापिक्स पर हो रही चर्चाओं को ज्वाइन कर सकता है, बातचीत को सुन सकता है। यह एक कान्फ्रेंस काल की तरह है, जहां कुछ लोग किसी टापिक पर चर्चा करते हैं और दूसरे सिर्फ सुनते हैं। आडियो-चैट सेशन विभिन्न विषयों पर आधारित होते हैं, जो एप में स्पष्ट रूप से चिह्नित होते हैं। इस प्लेटफार्म पर साइनअप करने के बाद उन विषयों को चुन सकते हैं, जिनमें आपकी रुचि है। यहां पर विभिन्न विषयों पर हो रही चर्चा और आने वाली चर्चाओं की जानकारी भी मिलती है। फोन काल की तरह ही बातचीत खत्म होने पर आडियो सत्र भी समाप्त हो जाते हैं। हाल ही में इसमें बैकचैनल नाम से नया डायरेक्ट मैसेजिंग फीचर जोड़ा गया है, जो इस इंटरनेट आडियो एप पर वन-टु-वन और ग्रुप टेक्स्ट चैट की अनुमति देता है। आप अपने को-होस्ट के साथ चैट करने के लिए बैकचैनल का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह एंड्रायड और आइओएस दोनों के लिए उपलब्ध है।

क्लबहाउस की तरह ही है ट्विटर 'स्पेस'

क्लबहाउस की लोकप्रियता के बाद ट्विटर ने भी 'स्पेस' पेश किया है। स्पेस भी सार्वजनिक है। इसका मतलब है कि कोई भी व्यक्ति एक्सेस कर सकता है। हर स्पेस का एक लिंक होता है, जिसे सार्वजनिक रूप से शेयर कर लोगों को आमंत्रित किया जा सकता है। स्पेस में एक समय में अधिकतम 11 लोग (होस्ट सहित) बोल सकते हैं, लेकिन श्रोताओं की संख्या की कोई सीमा नहीं है। नया स्पेस बनाने के दौरान आपको अपने स्पेस को नाम देने और स्पेस शुरू करने के विकल्प दिखाई देंगे। यहां होस्ट नियंत्रित कर सकता है कि कौन बोल सकता है।

फेसबुक लाइव आडियो रूम्सः फेसबुक ने भी आधिकारिक तौर पर फेसबुक लाइव आडियो रूम्स फीचर पेश किया है। यहां पर एक ही समय में 50 लोग एक ही विषय पर बोल सकते हैं, जबकि सुनने वालों की कोई सीमा नहीं है। साथ ही, फेसबुक लाइव रूम मेजबानों को फंडरेजर स्थापित करने देता है। इस तरह की सुविधा अभी क्लबहाउस में नहीं है। फेसबुक के लाइव आडियो रूम्स और पाडकास्ट फीचर को फिलहाल सिर्फ अमेरिकी यूजर्स के लिए जारी किया गया है। इसके अलावा, यह सिर्फ आइओएस यूजर्स के लिए उपलब्ध है। अमेरिका के बाहर रहने वाले यूजर्स को इस फीचर के लिए फिलहाल इंतजार करना होगा। शुरुआत में फेसबुक लाइव आडियो रूम्स को क्रिएट करने का विकल्प सिर्फ पब्लिक फिगर और सेलेक्टेड फेसबुक ग्रुप्स को दिया जा रहा है। फेसबुक ने कहा है कि आने वाले समय में यह फीचर दूसरे यूजर्स के लिए भी उपलब्ध होगा। क्लबहाउस और ट्विटर स्पेस पर कोई भी लाइव आडियो सेशन होस्ट कर सकता है, लेकिन फेसबुक पर इस फीचर की कमी है। फिलहाल यह सिर्फ पब्लिक फिगर के लिए जारी किया गया है। खास फेसबुक ग्रुप्स भी लाइव आडियो को होस्ट कर सकते हैं। इसका पूरा कंट्रोल एडमिन के पास रहेगा कि लाइव आडियो रूम को होस्ट करने की परमिशन वह किसे देता है।

फायरसाइड : यदि मेड-इन-इंडिया क्लबहाउस जैसे विकल्प की तलाश में हैं, तो फायरसाइड को ट्राई कर सकते हैं। इसे उसी टीम द्वारा विकसित किया गया है, जिसने चिंगारी एप को डेवलप किया है। चिंगारी भारतीय यूजर्स के लिए टिकटाक का एक बेहतर विकल्प है। फायरसाइड की बात करें, तो यह काफी हद तक क्लबहाउस की तरह ही दिखता है और उसी तरह काम भी करता है। सभी आडियो चैट सार्वजनिक होती हैं, इसलिए कोई भी इसमें शामिल हो सकता है और बातचीत सुन सकता है। आडियो आधारित इंटरनेट मीडिया एप में हर तरह का नियंत्रण भी मिलता है। वर्तमान में फायरसाइड अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ को सपोर्ट करता है।

लेहरः यह भी एक भारतीय एप है, जो लाइव आडियो और वीडियो डिस्कशन क्लब है, जबकि क्लबहाउस में केवल आडियो-चैट विकल्प है। लेहर के पास आडियो और वीडियो चैट दोनों के लिए सपोर्ट है। इसमें क्लबहाउस के समान ही सर्च करने योग्य फीड है, जहां आप क्लबों में शामिल हो सकते हैं और बातचीत सुन सकते हैं। यूजर्स पसंदीदा विषयों और रुझानों को भी सर्च कर सकते हैं। लेहर के पास एंड्रायड और आइओएस दोनों के लिए एप हैं, इसलिए यह एक अच्छा विकल्प है। आप अपना खुद का क्लब शुरू कर सकते हैं और समान विचारधारा वाले लोगों के लिए जगह बना सकते हैं, जो समान हितों और विचारों को साझा करते हैं।

इसके अलावा, टेलीग्राम वायस चैट फीचर को भी ट्राई कर सकते हैं। यह स्टैंडअलोन एप नहीं है, बल्कि टेलीग्राम एप के अंदर ही है। वायस चैट को सिर्फ ग्रुप एडमिन या चैनल का आनर ही चालू कर सकता है। इसके अलावा, आप स्पोटिफाई ग्रीनरूम का भी उपयोग कर सकते हैं।

अमित निधि

टिप्स ऐंड ट्रिक्स

टूट गया है वाल्यूम बटन तो ऐसे करें उपयोग

आपके एंड्रायड फोन का वाल्यूम बटन ठीक से काम नहीं कर रहा है या फिर वह टूट गया है, तो फिर फोन इस्तेमाल करने में आपको परेशानी हो सकती है। कई बार वाल्यूम बटन के कार्य नहीं करने के कारण फिजिकल डैमेज या फिर साफ्टवेयर की समस्या भी हो सकती है। हालांकि आप इसे ठीक करा सकते हैं, लेकिन तत्काल इस्तेमाल के लिए कोई तरीका ढूंढ़ रहे हैं, तो वह भी संभव है। टूटे हुए वाल्यूम बटन के साथ भी अपने एंड्रायड फोन का उपयोग कर सकते हैं। आपको बता दें कि हार्डवेयर वाल्यूम बटन के बिना भी एंड्रायड फोन पर वाल्यूम को नियंत्रित करने के कई तरीके हैं। इसे फोन की सेटिंग, एक्सेसिबिलिटी मेन्यू या फिर थर्ड पार्टी एप्लीकेशन के जरिए भी नियंत्रित किया जा सकता है।

सिस्टम सेटिंग्स का करें उपयोगः वाल्यूम कीज के बिना वाल्यूम बदलने का सबसे आसान तरीका सिस्टम सेटिंग्स के माध्यम से है। सभी एंड्रायड फोन में सेटिंग में वाल्यूम कंट्रोल होता है। इसके लिए एंड्रायड फोन की सेटिंग्स को खोलें। साउंड ऐंड वाइब्रेशन सेक्शन में जाएं। आपको यहां पर रिंग और नोटिफिकेशन, अलार्म और मीडिया वाल्यूम के लिए स्लाइडर दिखाई देंगे। स्लाइडर का उपयोग करके अपनी आवश्यकता के अनुसार वाल्यूम बढ़ा और घटा सकते हैं। अगर आप चाहें, तो साउंड विजेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। वैसे, हर बार वाल्यूम बदलने के लिए सेटिंग्स में जाना थकाऊ हो सकता है। आप साउंड विजेट के माध्यम से इन सेटिंग्स के लिए एक सीधा शार्टकट बना सकते हैं। अपनी होम स्क्रीन पर साउंड विजेट को देर तक दबाएं और विजेट > सेटिंग्स > साउंड पर टैप करें। साउंड विजेट को अपनी होम स्क्रीन पर छोड़ें। अब फोन के वाल्यूम को एडजस्ट करने के लिए इस पर भी टैप कर सकते हैं।

एक्सेसिबिलिटी मेन्यू के माध्यम सेः एंड्रायड फोन का एक्सेसिबिलिटी मेन्यू आपको क्विक एक्सेस पैनल देता है, जिसके माध्यम से गूगल असिस्टेंट, वाल्यूम, पावर, ब्राइटनेस, लाक व अन्य कंट्रोल के लिए शार्टकट मिलता है। यदि फोन का वाल्यूम बटन टूट गया है या ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो एक्सेसिबिलिटी मेन्यू पैनल का उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए अपने एंड्रायड फोन की सेटिंग्स को ओपन करें। एक्सेसिबिलिटी सेक्शन में जाएं। यहां पर एक्सेसिबिलिटी मेन्यू पर टैप करें, फिर इसे इनेबल करना होगा। अब स्क्रीन के नीचे से दो अंगुलियों से ऊपर की ओर स्वाइप करें। यह वाल्यूम डाउन और वाल्यूम अप शार्टकट के साथ एक्सेसिबिलिटी मेन्यू को खोलेगा। अब एंड्रायड फोन पर वाल्यूम बटन के बिना भी वाल्यूम को कंट्रोल करने के लिए शार्टकट का उपयोग कर सकते हैं। यदि वाल्यूम बटन साफ्टवेयर समस्याओं के कारण काम नहीं कर रहा है, तो फोन को रीबूट करके इसे सेफ मोड में बूट करें या फिर फोन को फैक्ट्री रीसेट भी कर सकते हैं।

फीचर डेस्क

लें थर्ड पार्टी एप्स की मदद

वाल्यूम बटन के लिए थर्ड पार्टी एप्स की मदद भी ले सकते हैं। ये आपको आन-स्क्रीन वाल्यूम बटन देते हैं, इसलिए आपको फिजिकल कीज पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। आप गूगल प्ले स्टोर से असिस्टिव वाल्यूम बटन एप को डाउनलोड और इंस्टाल कर लें। एप को ओपन करें और चलाने के लिए आवश्यक अनुमति दें। एक बार जब सर्विस को इनेबल कर लेते हैं, तो आपको स्क्रीन पर दो फ्लोटिंग वाल्यूम बटन मिलेंगे। वाल्यूम को बढ़ाने और घटाने के लिए इन बटनों का उपयोग कर सकते हैं।

टेलीग्राम ग्रुप वीडियो काल में जुड़ेंगे 1000 लोग

टेलीग्राम पर ग्रुप वीडियो काल करने वालो के लिए अच्छी खबर है। एक नये अपडेट के बाद टेलीग्राम के ग्रुप वीडियो काल में 1,000 लोग जुड़ सकेंगे। आपको बता दें कि टेलीग्राम ने हाल ही में ग्रुप वीडियो कालिंग फीचर जारी किया था। द वर्ज की रिपोर्ट में कहा गया है कि टेलीग्राम के ग्रुप वीडियो काल में 1000 व्यूअर्स जुड़ सकेंगे, हालांकि मेंबर्स के तौर पर अभी भी अधिकतम 30 लोग ही जुड़ सकेंगे। टेलीग्राम का कहना है कि वीडियो काल के दौरान किसी लेक्चर में व्यूअर्स के तौर पर हिस्सा ले सकेंगे। अच्छी बात यह है कि व्यूअर्स को हाई रिजाल्यूशन में देखने का मौका मिलेगा। यूजर्स अपना वीडियो रिकार्ड भी कर सकते हैं। टेलीग्राम के इस नये अपडेट का फायदा मोबाइल और डेस्कटाप यूजर्स उठा सकते हैं।

टेक अपडेट

वीवो वाई 12जी

वीवो ने बजट स्मार्टफोन वाई 12जी लांच किया है। फोन में 6.51 इंच का एचडी प्लस डिस्प्ले है। यह डुअल रियर कैमरा सेटअप के साथ आता है। इसमें प्राइमरी कैमरा 13एमपी और सेकंडरी 2एमपी डेप्थ सेंसर है। वहीं सेल्फी के लिए 8एमपी का कैमरा दिया गया है। स्मार्टफोन में क्वालकाम स्नैपड्रैगन 439 चिपसेट दिया गया है। यह सिंगल स्टोरेज वैरियंट 3जीबी रैम और 32जीबी स्टोरेज के साथ आता है। स्टोरेज को माइक्रोएसडी कार्ड के माध्यम से 256जीबी तक बढ़ाया जा सकेगा। फोन मल्टी टर्बो 3.0 सपोर्ट से लैस है। इसमें साइड माउंटेड फिंगरप्रिंट सेंसर है। यह एंड्रायड 11 फनटच 11 आउट आफ द बाक्स पर काम करता है। फोन में 5,000 एमएएच की बैटरी दी गई है। इसके साथ 10वाट चार्जर दिया गया है। फोन की कीमत 10,999 रुपये है।

गैजेट रिव्यू

सैमसंग गैलेक्सी ए 22 5जी

सैमसंग का यह किफायती 5जी फोन है। फोन में 6.6 इंच फुल एचडी प्लस इनफिनिटी-वी डिस्प्ले दिया गया है। हाथों में फोन की ग्रिप अच्छी रहती है। इसके रियर पैनल पर मैट फिनिश दी गई है, इसलिए अंगुलियों के निशान नहीं पड़ते हैं। स्क्रीन 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ आती है। डिस्प्ले पर कलर्स अच्छे और ब्राइट नजर आते हैं। फोन मीडियाटेक डायमेंसिटी 700 प्रोसेसर से लैस है। एप्स तेजी से ओपन होते हैं और मल्टीटास्किंग आसान है। नार्मल गेमिंग के दौरान भी बेहतर एक्सपीरियंस मिलता है और यह ज्यादा गर्म भी नहीं होता। फोन 6 और 8 जीबी रैम वैरियंट में उपलब्ध है। इंटरनल स्टोरेज 128 जीबी है। यह एंड्रायड 11 पर आधारित वन कोर यूआइ 3.1 पर काम करता है। कैमरा की बात करें, तो फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप – 48 एमपी प्राइमरी, 5 एमपी का अल्ट्रा-वाइड और 2 एमपी का डेप्थ कैमरा है। फ्रंट में 8 एमपी का कैमरा है। दिन की रोशनी में प्राइमरी कैमरा से डिटेल के साथ तस्वीरें कैप्चर होती हैं। फोन तेजी से फोकस को लाक कर लेता है। जहां रोशनी कम हो, वहां पर नाइट मोड इस्तेमाल कर सकते हैं। यह फीचर तस्वीर को ब्राइट जरूर कर देता है, लेकिन डिटेल की कमी जरूर महसूस होती है। लाइट पर्याप्त हो सेल्फी कैमरा से बेहतर तस्वीरें मिलेंगी। फोन में 5000एमएएच की बैटरी है, जो 15 वाट चार्जिंग को सपोर्ट करता है। फोन की बैटरी फुल चार्ज होने के बाद एक दिन आराम से चल जाती है। 6जीबी वैरियंट की कीमत 19,999 रुपये है। अगर 20 हजार रुपये की रेंज में 5जी फोन खरीदना चाहते हैं, तो एक विकल्प हो सकता है।

तकनीक और गैजेट से जुड़ी खबरों को पढ़ने के लिए https://www.jagran.com/technology-hindi.html? पर विजिट करें।
अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

आज का भविष्यफल

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थितिः 8 अगस्त, 2021 रविवार श्रावण मास कृष्ण पक्ष अमावस्या का राशिफल।
आज का राहुकालः शाम 04:30 बजे से 06:00 बजे तक।
आज का दिशाशूलः पश्चिम।
पर्व एवं त्योहारः हरियाली अमावस्या, स्नानदान की अमावस्या।
विशेषः बुध मघा नक्षत्र सिंह राशि में।

मेषः स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। निजी सुख में व्यवधान आएगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं। संयम से काम लेना होगा।

वृषः शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। मधुर संबंध बनेंगे।

मिथुनः पारिवारिक महिला के कारण तनाव मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी, मित्र या भाई का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

कर्कः भाई-बहन का सहयोग मिलेगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंहः व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। मैत्री संबंध मधुर होंगे। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासन सत्ता से सहयोग मिलेगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

कन्याः आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। दांपत्य जीवन सुखमय होगा। नए संबंध बनेंगे।

तुलाः स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। पिता या घर के मुखिया से तनाव मिल सकता है। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

वृश्चिकः सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। भाग्यवश सुखद समाचार मिलेगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। बुद्धि कौशल से किए गए कार्य में सफलता मिलेगी।

धनुः महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मकरः भौतिक प्रयास फलीभूत होंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रुका हुआ कार्य संपन्न होगा। पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी का सहयोग एवं सान्निध्य मिलेगा।

कुंभः मन अशांत रहेगा। अपनों से ही तनाव मिल सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यक्ति विशेष के कारण तनाव मिल सकता है। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।

मीनः दांपत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि लेंगे। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

कल 9 अगस्त का पंचांग

कल का दिशाशूलः पूर्व।
पर्व एवं त्योहारः सोमवार व्रत।
विक्रम संवत 2078 शके 1943 दक्षिणायन, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु श्रावण मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 18 घंटे 57 मिनट तक, तत्पश्चात् द्वितीया आश्लेषा नक्षत्र 09 घंटे 50 मिनट तक, तत्पश्चात् मघा नक्षत्र परियान योग 22 घंटे 14 मिनट तक, तत्पश्चात् परिघ योग कर्क में चंद्रमा 09 घंटे 50 मिनट तक तत्पश्चात् सिंह में।

वर्ग पहेली-1661

बाएं से दाएं

5 [illegible] (3)।
6 [illegible] (4)।
7 [illegible] (3)।
8 [illegible] (5)।
10 [illegible] (4)।
12 [illegible] (4)।
14 [illegible] (5)।
17 [illegible] (3)।
18 [illegible] (4)।
19 [illegible] (3)।

ऊपर से नीचे

1 [illegible] (4)।
2 [illegible] (4)।
3 [illegible] (3,2)।
4 [illegible] (3)।
9 [illegible] (3)।
11 [illegible] (3)।
13 [illegible] (5)।
14 [illegible] (4)।
15 [illegible] (3)।
16 [illegible] (3)।

कल का हल

जागरण सुडोकू 1661

8			5			1		3
6	3			2	1			8
							6	
	8		6				3	
1		4	7		3			2
			8			7	1	
2	5					3		1
	1		2	7	6		8	
			1					9

कल का हल

1	5	2	4	3	8	9	7	6
6	3	8	2	9	7	1	4	5
9	4	7	5	1	6	2	8	3
4	1	5	6	7	3	8	2	9
3	7	9	8	2	5	6	1	4
8	2	6	9	4	1	3	5	7
7	9	1	3	8	4	5	6	2
5	8	3	7	6	2	4	9	1
2	6	4	1	5	9	7	3	8

मौसम

कल पढ़ें

अप्रतिम था उनका बलिदान

काकोरी कांड के बाद गिरफ्तार किए गए क्रांतिकारियों की शहादत की गाथा को बयां करता आलेख, चंद्रशेखर के आजाद बनने की दास्तान, [illegible] एवं अन्य स्थाई स्तंभ...

ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत

1942 में आज ही महात्मा गांधी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन की घोषणा की थी। मुंबई में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के सत्र में इसका आह्वान किया गया। बौखलाई अंग्रेजी हुकूमत ने इसमें शामिल कई बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया था।

विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला को पहला स्वर्ण पदक

2010 में आज ही जर्मनी में विश्व शूटिंग चैंपियनशिप में तेजस्विनी सावंत ने 50 मीटर राइफल प्रोन इवेंट में स्वर्ण पदक जीता था। वह इस श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। उन्होंने 597 अंक के साथ विश्व रिकार्ड की भी बराबरी की थी।

भीष्म साहनी ने तमस में उकेरी थी विभाजन के दंश की तस्वीर

लेखक, अभिनेता और शिक्षक भीष्म साहनी का जन्म आज ही 1915 में रावलपिंडी (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। 1940 में बड़े भाई और अभिनेता बलराज साहनी के साथ इंडियन पीपुल्स थिएटर में काम किया। विभाजन के समय परिवार भारत आ गया था। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे। उन्होंने विभाजन के दंश पर तमस उपन्यास लिखा था। इसके लिए उन्हें 1975 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 1988 में इस पर फिल्म भी बनी थी। 1998 में पद्म भूषण सम्मान मिला। 11 जुलाई, 2003 को दिल्ली में निधन हो गया।

पिछले 47 साल में 29 फीसद सिकुड़ गया मच्छोई ग्लेशियर

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

- कश्मीर विवि के जियो इंफार्मेटिक्स विभाग के विज्ञानियों ने किया शोध
- जलवायु परिवर्तन को बताया इसके लिए एक अहम कारण
- सोनमर्ग और जंस्कार की पहाड़ियों के बीच फैला है मच्छोई ग्लेशियर

मच्छोई ग्लेशियर का स्वरूप। फाइल फोटो

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण का असर अब मच्छोई ग्लेशियर पर भारी पड़ने लगा है। वर्ष 1972 से 2019 तक बीते 47 वर्षों में यह ग्लेशियर करीब 29 फीसद सिकुड़ गया है। कश्मीर विश्वविद्यालय के जियो इंफार्मेटिक्स विभाग के विज्ञानियों ने इस संबंध में एक नया किया है। मच्छोई ग्लेशियर के शोध में अहम भूमिका निभाने वाले विज्ञानी डा. इरफान रशीद ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के पश्चिमोत्तर हिमालयाई क्षेत्र में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। हिमालयाई क्षेत्रों की तुलना में जम्मू कश्मीर में ग्लेशियरों के पिघलने की गति ज्यादा तेज है। हमने अपने शोध में ग्लेशियर की प्रकृति में आ रहे बदलाव, उसके अगले हिस्से और ऊपरी सतह की स्थिति और ग्लेशियर की मोटाई जैसे विषयों का अध्ययन किया है। यह ग्लेशियर सोनमर्ग और जंस्कार की पहाड़ियों के बीच फैला है। यह शोध सेटेलाइट रिमोट सेंसिंग और क्षेत्रीय अध्ययन पर आधारित है।

हर सा 0.61 फीसद सिकुड़ रहा है ग्लेशियर : उन्होंने कहा कि अध्ययन में पता चला है कि मच्छोई ग्लेशियर हर साल औसत 0.61 फीसद के हिसाब से घट अथवा सिकुड़ता जा रहा है। बीते 47 वर्षों में इसका 29 फीसद आकार घट चुका या एक तरह से समाप्त हो चुका है। डा. रशीद के मुताबिक ग्लेशियरों की पिघलने का मुख्य कारण वैश्विक जलवायु परिवर्तन और बारिश में कमी है। मच्छोई ग्लेशियर मुख्यतः कश्मीर में ग्रेटर हिमालय शृंखला में ही है। हम यह पता लगाना चाहते थे कि इसके पिघलने की गति पहलगाम के ऊपरी हिस्से में स्थित काल्होई ग्लेशियर के समान है या उससे ज्यादा। यह ज्यादा तेजी से घट रहा है। द्रास नदी को आकार देने वाले अधिकांश नाले इसी ग्लेशियर से निकलते हैं और इसे ही द्रास नदी का स्रोत भी कह सकते हैं। द्रास और उसके नीचे के इलाकों में बसे लोग एक तरह से इसी ग्लेशियर पर ही पानी के लिए निर्भर हैं। अगर यह ग्लेशियर इसी गति से पिघलता रहा तो इससे निकलने वाले नदी-नालों का जलस्तर भी प्रभावित होगा और उन पर आश्रित लोग भी प्रभावित होंगे। उन्होंने बताया कि मच्छोई ग्लेशियर के पिघलने का बड़ा कारण इसका श्रीनगर-कारगिल राष्ट्रीय राजमार्ग के पास होना है। यह राजमार्ग से लगभग 500 मीटर की दूरी पर है। राजमार्ग से निकलने वाले वाहनों से पैदा होने वाला प्रदूषण इसके पिघलने का बड़ा कारण है। वाहनों के धुएं और अन्य हानिकारक कण ग्लेशियर की ऊपरी सतह पर जमा होते रहते हैं। यह जलने से बच गया कार्बन होता है। यह ग्लेशियर को ढक रहे हैं। ग्लेशियर में गर्मी बढ़ने के साथ ही पिघलने की गति बढ़ती जा रही है।

पर्यावरण का संरक्षण जरूरी

डा. रशीद ने कहा कि अगर मच्छोई ग्लेशियर को बचाना है तो उसके आसपास के क्षेत्र के पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। मानवीय हस्तक्षेप ग्लेशियर पर कम होना चाहिए। वाहनों से निकलने वाले धुएं को न्यूनतम स्तर पर लाना होगा। ग्लेशियर से सटे हाईवे से डीजल और पेट्रोल से चलने वाले वाहनों पर रोक लगाते हुए सीएनजी से चलने वाले वाहनों का विकल्प अपनाना होगा। इससे ही कुछ फायदा होगा।

पत्नी को कंधे पर उठाकर दौड़ते हैं पति...

दुनिया में अजीबो-गरीब प्रतियोगिताएं लोगों का ध्यान खींचती हैं। ऐसी ही एक दिलचस्प और रोमांच से भरी वाइफ कैरिंग चैंपियनशिप हंगरी के टैपिओविक्स में होती है। इसमें पुरुष प्रतियोगी अपनी पत्नी को कंधे पर उठाकर उबड़-खाबड़, पानी और कीचड़ भरे रास्तों से होकर अपनी मंजिल तक पहुंचने की जद्दोजहद करते हैं। इसमें कई वर्ग हैं। मसलन, क्लासिक पिकीबैक, फायरमैन कैरी (कंधे पर) अथवा एस्टोनियाई शैली। इस वर्ष 40 हंगेरियन पति-पत्नी इसमें शामिल हुए। रायटर

इधर-उधर की

सफाई में मिला 146 साल पुराना मैरिज सर्टिफिकेट

संबंधित परिवार वालों की खोजने की हो रही कोशिश ● इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, एजेंसी : अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक दुकान की सफाई के दौरान 146 वर्ष पहले का मैरिज सर्टिफिकेट मिला है। एक कर्मचारी ने फ्रेम के पीछे कागज देखा, जिसे साफ करने पर 1875 में विलियम और केटी के नाम पर जारी किया गया मैरिज सर्टिफिकेट सामने आया। दुकान से संबंधित एक व्यक्ति ने बताया, हमें इस युगल की अगली पीढ़ियों के किसी सदस्य की तलाश है। उम्मीद है कि कोई सदस्य जरूर मिलेगा। सर्टिफिकेट इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्रसव बाद नींद में खलल से एजिंग में तेजी

शोध ▸ छह महीने तक सात घंटे से कम सोने पर तीन से सात साल ज्यादा लगने लगती है उम्र

यूसीएलए के शोधकर्ताओं ने 33 माताओं पर किया अध्ययन

वाशिंगटन, एएनआइ : प्रसव के बाद बच्चे की देखभाल के कारण माताओं की नींद में खलल पड़ना कोई नई बात नहीं है। इसके कारण उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियां भी हो जाती हैं। लेकिन अब एक और समस्या सामने आई है। यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया लास एंजिलिस (यूसीएलए) के विज्ञानियों ने बताया कि नींद की कमी के कारण नई माताओं में बुढ़ापा (एजिंग) भी तेज हो जाता है। यानी बुढ़ापे के लक्षणों में तेजी आ जाती है। यह शोध स्लीप हेल्थ जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

शोधकर्ताओं ने 23 से 45 साल की 33 महिलाओं का गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के एक साल बाद तक अध्ययन किया। इस दौरान महिलाओं के रक्त नमूने के डीएनए का विश्लेषण किया गया। देखा गया कि उनकी वास्तविक उम्र (क्रोनोलाजिकल एज) और जैविक उम्र (बायोलाजिकल एज) में फर्क होता है। उन्होंने पाया कि जिन महिलाओं ने बच्चे

सेहत के लिए जरूरी है नींद। फाइल फोटो

को जन्म देने के एक साल में कम से कम छह महीने रात में सात घंटे से कम नींद ली, उनमें सात या इससे अधिक समय सोने वाली नई माताओं की तुलना में तीन से सात साल तक ज्यादा उम्र के लक्षण प्रतीत हुए।

इतना ही नहीं, जिन माताओं ने सात घंटे से कम नींद ली, उनके व्हाइट ब्लड सेल्स (डब्ल्यूबीसी) में टेलोमेयर (गुणसूत्र के छोर पर पाई जाने वाली एक यौगिक संरचना) का आकार भी छोटा था। यह संरचना जूते के फीते के छोर पर लगे प्लास्टिक जैसे सुरक्षा कैप की तरह काम करता है। टेलोमेयर के छोटा होने से कैंसर, कार्डियोवास्कुलर (हृदय तथा रक्तवाहिका संबंधी) और अन्य रोगों के खतरे के साथ ही जल्द मौत का भी जोखिम बढ़ता है।

शोध की मुख्य लेखिका जूडिथ कैरोल और यूसीएलए में मनोविज्ञान के प्रोफेसर जार्ज एफ सोलोमोन ने बताया कि प्रसव के बाद शुरुआती महीनों में कम सोने का प्रभाव लंबे समय तक पड़ता है। एक शोध से पता चला है कि रात में सात घंटे से कम सोना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है या यह बढ़ती उम्र संबंधी रोगों का जोखिम भी बढ़ाता है। उन्होंने बताया कि शोध में शामिल महिलाएं रात को औसतन पांच से नौ घंटे सोती थीं, लेकिन इनमें से आधे से ज्यादा छह महीने या सालभर तक सात घंटे से कम ही सोती थीं।

कैरोल के मुताबिक, पाया गया कि हर अतिरिक्त घंटे की नींद से नई माताओं की जैविक उम्र कम दिखने लगती है। उन्होंने कहा कि मैं और अन्य स्लीप साइंटिस्ट मानते हैं कि स्वास्थ्य के लिए जिस प्रकार से खानपान और व्यायाम का महत्व है, उसी तरह नींद भी अहम है। कैरोल नई माताओं को सलाह देती हैं कि दिन में जब कभी बच्चा सोया हो तो उन्हें भी उसी समय कम से कम झपकी तो लेनी ही चाहिए और बच्चे की देखभाल में परिवार या मित्रों की भी मदद लेनी चाहिए।

शोध की सह-लेखिका क्रिस्टीन डंकेल शेटर के मुताबिक, डीएनए में होने वाले बदलाव के विश्लेषण में आधुनिकतम तकनीक, जिसे एपिजेनेटिक एजिंग भी कहते हैं, का सहारा लिया गया ताकि बायोलाजिकल एजिंग का सही-सही आकलन किया जा सके। डीएनए प्रोटीन के उत्पादन का कोड उपलब्ध कराता है। यह प्रोटीन कोशिकाओं और शरीर में कई प्रकार का काम करता है। एपिजेनेटिक्स यह बताता है कि इस कोड के क्षेत्र खुले हैं

चूंकि डीएनए का विशिष्ट स्थान उम्र के साथ खुलता और बंद होता है, इसलिए यह प्रक्रिया घड़ी की तरह चलती है। इससे विज्ञानी किसी व्यक्ति की जैविक उम्र (बायोलाजिकल एज) का अनुमान लगाते हैं। किसी व्यक्ति की बायोलाजिकल या एपिजेनेटिक एज जितनी अधिक होगी, उसे रोग और मौत का खतरा उतना ही ज्यादा होगा।

लार के नमूने से एक घंटे में हो सकेगी कोरोना की पहचान

अनुसंधान

आसान होगी कोरोना की जांच। फाइल फोटो

कोरोना वायरस (कोविड-19) से मुकाबले के लिए जहां प्रभावी दवाओं की खोज के लिए निरंतर शोध किए जा रहे हैं, वहीं इस वायरस की जांच प्रक्रिया में तेजी लाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इसी कवायद में जुटे शोधकर्ताओं ने एक ऐसा उपकरण विकसित किया है, जिसके जरिये लार के नमूने से कोरोना की पहचान हो सकती है। छोटे आकार का यह उपकरण महज एक घंटे में इस काम को अंजाम दे सकता है।

साइंस एडवांसेज पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, इस तरीके से जांच का नतीजा पीसीआर टेस्ट जितना ही सटीक पाया गया है। इस समय कोरोना की पहचान के लिए पीसीआर टेस्ट का चलन है। यह अध्ययन अमेरिका के मैसाच्यूसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) के शोधकर्ता जेम्स कोलिंस के नेतृत्व में किया गया है। जेम्स ने कहा, 'हमने साबित किया है कि हमारा यह प्लेटफार्म कोरोना के उभर रहे नए वैरिएंट की पहचान में भी सक्षम हो सकता है।' उन्होंने बताया, 'इस अध्ययन में हमने ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील में पाए गए वैरिएंट पर ध्यान केंद्रित किया है। लेकिन इस डाइग्नोस्टिक प्लेटफार्म का इस्तेमाल डेल्टा और दूसरे उभरते वैरिएंट की पहचान में भी कर सकते हैं।' शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस डिवाइस के उपयोग से कोरोना संबंधी कुछ वैरिएंट के खास वायरल म्यूटेशन की पहचान भी हो सकती है। इसके नतीजे महज एक घंटे के अंदर प्राप्त हो सकते हैं। इस तरीके से कोरोना के विभिन्न वैरिएंट पर आसानी से नजर भी रखी जा सकती है। इस उपकरण का इस्तेमाल भी आसान है। -आइएएनएस

70 हजार 'बत्तखें' नदी में डालीं...

अमेरिकी राज्य इलिनोइस के शिकागो शहर में डकी डर्बी के दौरान नदी में रबर की 70 हजार डक (बतख) बहाई गई। इस डर्बी का आयोजन प्रतिवर्ष स्पेशल ओलिंपिक के लिए फंड एकत्रित करने के लिए किया जाता है। इसमें एक डक की कीमत करीब पांच डालर होती है। इस अनोखे आयोजन में जिसकी डक सबसे पहले फिनिश लाइन तक पहुंचती है, उसे इनाम में एक एसयूवी गाड़ी दी जाती है। एएफपी

व्यायाम से कम होता है अवसाद

- बदलाव स्वीकार करने की मस्तिष्क की क्षमता बढ़ाने में है सहायक
- प्रेरणा और सामाजिक एकजुटता को भी मिलता है बढ़ावा

व्यायाम के हैं कई फायदे। फाइल फोटो

वाशिंगटन, एएनआइ : व्यायाम रोग से बचाता भी है और उसका इलाज भी बनता है। एक हालिया शोध में व्यायाम का एक आयाम भी सामने आया है। इसमें अवसादग्रस्त लोगों के लिए इसका दोहरा फायदा बताते हुए कहा गया है कि व्यायाम से सिर्फ अवसाद के लक्षण कम होते हैं बल्कि बदलाव स्वीकार करने के लिए दिमाग की क्षमता भी बढ़ाता है, जो अनुकूलन और सीखने की प्रक्रिया के लिए जरूरी होती है। शोध का यह निष्कर्ष फ्रंटियर्स साइकैट्री जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

शोध का नेतृत्व करने वाले एसोसिएट प्रोफेसर कैरिन रोसेनक्रांजो ने बताया कि यह निष्कर्ष बताता है कि शारीरिक गतिविधियां (फिजिकल एक्टिविटी) किस प्रकार से अवसाद जैसे रोग से बचाता भी है और उसके इलाज में भी फायदेमंद है। इतना ही नहीं, व्यायाम प्रेरणा और एकजुटता को भी बढ़ावा देता है।

अक्सर देखा जाता है कि अवसादग्रस्त लोग किसी भी काम से पीछे हट जाते हैं और शारीरिक तौर पर सुस्त पड़ जाते हैं। कैरिन की टीम ने शारीरिक सक्रियता का इन पर पड़ने वाले असर का अध्ययन करने के लिए ऐसे 41 रोगियों का चयन किया, जो अस्पतालों में इलाज करा रहे थे।

अध्ययन में शामिल इन सहभागियों को दो वर्गों में बांटा गया। इनमें से एक वर्ग के लोगों ने तीन सप्ताह का व्यायाम प्रोग्राम पूरा किया। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी आफ बीएलेफेल्ड प्रोफेसर थामस शैक के नेतृत्व में स्पोर्ट्स एंड साइंस टीम द्वारा बनाया गया था, जिसमें कई मजेदार गतिविधियां शामिल थीं, लेकिन कोई प्रतिस्पर्धा या परीक्षा नहीं थी। इसके बदले उनमें टीम भावना को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया।

कैरिन ने बताया कि इससे प्रेरणा और सामाजिक एकता तो बढ़ी ही, इसके साथ शारीरिक सक्रियता से चुनौतियों का डर और नकारात्मक अनुभव भी कम हुए। यह शारीरिक सक्रियता स्कूलों में कराए जाने वाले व्यायाम जैसा थी।

शोधकर्ताओं ने व्यायाम प्रोग्राम से पहले और उसके बाद प्रतिभागियों में अरुचि, किसी बात से प्रेरित नहीं होना तथा नकारात्मकता का अनुभव जैसे अवसाद के लक्षणों की गंभीरता का आकलन किया। मस्तिष्क के बदलाव की क्षमता, जिसे न्यूरोप्लाटिसिटी का भी आकलन किया। यह आकलन ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिम्युलेशन की मदद से बाहर से भी किया जा सकता है। मस्तिष्क में बदलाव की क्षमता सभी तरह की अनुकूलन और सीखने की प्रक्रिया के लिए अहम होती है।

बदलाव की क्षमता बढ़ी, अवसाद के लक्षण घटे : परिणाम से सामने आया कि अवसादग्रस्त लोगों में सामान्य या स्वस्थ लोगों की तुलना में मस्तिष्क की बदलाव क्षमता कम होती है। व्यायाम प्रोग्राम के बाद पाया गया कि अवसादग्रस्त लोगों में भी यह क्षमता सामान्य या स्वस्थ लोगों के बराबर हो गई। साथ ही अवसाद के लक्षणों में भी कमी देखी गई।

कैरिन के मुताबिक, लेकिन ये बदलाव दूसरे वर्ग के प्रतिभागियों में नहीं देखी गई, जो एक कंट्रोल प्रोग्राम में सहभागी हुए थे। इसमें शारीरिक सक्रियता पर जोर नहीं दिया गया था। उन्होंने बताया कि परिणाम से जाहिर हुआ कि शारीरिक सक्रियता का असर अवसाद के लक्षणों और मस्तिष्क में बदलाव की क्षमता पर हुआ।

स्क्रीन शॉट

'लोगों को लगता था कि आएशा मेरी बायोपिक फिल्म की तरह है'

कई बार कुछ फिल्मों की कहानियों को सितारों की व्यक्तिगत जिंदगी से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन सच्चाई कुछ और ही होती है। डेल्ही 6, और नीरजा जैसी फिल्मों की अभिनेत्री सोनम कपूर के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ था साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म आएशा को लेकर। इस फिल्म की रिलीज के 11 वर्ष पूरे होने पर शुक्रवार रात सोनम ने फिल्म की प्रोड्यूसर और अपनी बहन रिया कपूर के साथ इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म क्लब हाउस पर चर्चा की। इस दौरान सोनम ने कहा, 'मुझे याद है एक रेस्टोरेंट में मेरी एक बड़े नामी निर्देशक के साथ मुलाकात हुई। उन्होंने डेल्ही 6 में मेरे काम की तारीफ की, लेकिन आएशा में मेरे किरदार के प्रति उनकी बहुत ही गलत समझ थी। इस फिल्म के किरदार जेन आस्टेन के उपन्यास एम्मा पर आधारित थे, लेकिन कुछ लोगों को लगता था सोनम का व्यक्तित्व भी फिल्म के किरदार आएशा की तरह है। हां, मैं मानती हूं मैं खुशकिस्मत हूं। अनिल कपूर की बेटी होने के कारण मुझे कई विशेषाधिकार प्राप्त हैं, मुझे कई चीजें पहले से ही तैयार मिलीं, लेकिन मैं उस लड़की की तरह नहीं हूं। लोगों को लगता था कि आएशा मेरी बायोपिक फिल्म की तरह है। ऐसा नहीं था। आएशा ने मुझे बहुत कुछ दिया, लेकिन उसकी वजह से मैं मीडिया और लोगों के लिए एक साफ्ट टारगेट भी बन गई थी। इससे मैंने बहुत कुछ सीखा, इस फिल्म ने मुझे समाज और इंडस्ट्री की वास्तविकता से परिचय कराया।' आएशा में सोनम के साथ अभय देओल, अमृता पुरी और लीजा हेडेन अहम किरदारों में थे। सोनम की आगामी फिल्म ब्लाइंड डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज होगी।

आगामी दिनों में फिल्म ब्लाइंड में नजर आएंगी सोनम कपूर। इंस्टाग्राम

राकेश ने खोला राज- अक्स से अमिताभ ने रखी फ्रेंच दाढ़ी

किरदार के लिए कलाकार तमाम तरह के लुक ट्राई करते हैं। कई बार वह लुक ट्रेंड भी बन जाता है, लेकिन बहुत कम ऐसा होता है कि किसी किरदार के लिए डिजाइन की गई चीज कोई कलाकार असल जिंदगी में अपना ले। हालांकि ऐसा हुआ है हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन के साथ। उनकी फ्रेंच दाढ़ी रखने का राज भाग मिल्खा भाग फिल्म के निर्देशक राकेश ओम प्रकाश मेहरा ने अपनी हालिया रिलीज किताब द स्ट्रेंजर इन द मिरर में खोला है। इस किताब में उन्होंने अपने कार्य के अनुभवों को साझा किया है। फिल्म अक्स में अमिताभ बच्चन को निर्देशित करने वाले राकेश ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक छोटी सी क्लिप साझा की है। उसके पीछे संगीत बज रहा है बंदा यह बिंदास है। यह गाना भी फिल्म अक्स का है। उन्होंने किताब की झलक के साथ अमिताभ के लिखे कोट को साझा किया है। महानायक ने लिखा है कि उन्होंने (राकेश ओमप्रकाश) ने फिल्म अक्स के लिए मेरी फ्रेंच दाढ़ी को डिजाइन किया था। उसके बाद से मैंने उसे कभी नहीं हटाया। वहीं राकेश ने लिखा- क्या कोई नवोदित निर्देशक बड़े पर्दे पर इससे बड़ी शुरुआत मांग सकता है? उल्लेखनीय है कि राकेश ओम प्रकाश ने फिल्म अक्स से निर्देशन में कदम रखा था। उसमें अमिताभ बच्चन प्रमुख भूमिका में थे।

राकेश ओम प्रकाश ने अपनी किताब में किया है जिक्र। इंस्टाग्राम

अपने गानों में एक्टिंग तो मैं करता हूं, लेकिन हमेशा दायरे में रहकर : शान

इन दिनों इंडिपेंडेंट म्यूजिक वीडियो में अधिकतर गायक अभिनय भी करते नजर आते हैं। चांद सिफारिश.. और बहती हवा सा... जैसे गानों के गायक शान भी फिलहाल अपने म्यूजिक वीडियो के अलग-अलग किरदारों में एक्टिंग का आनंद ले रहे हैं। गायन के साथ-साथ अभिनय के बारे में शान ने दैनिक जागरण से बातचीत में कहा, 'अपने चैनल पर ही रिलीज होने वाले करीब २० गानों में मैंने एक्टिंग कर ली है। यह मेरे लिए नया नहीं है। इससे पहले भी तन्हा दिल और नौजवान जैसे म्यूजिक एल्बम में मैं एक्टिंग करता ही आया हूं। मेरे अंदर जो एक्टिंग करने की इच्छा है, शायद वह म्यूजिक वीडियो से पूरी हो जाती है। दूसरे देशों में तो गायक ही म्यूजिक वीडियो में होते हैं। सिर्फ हमारे देश में ही ऐसा होता है कि गाना कोई और गाए तथा स्क्रीन पर कोई और दिखे। इसलिए मैं शुरू से ही अपने लवालजी और अन्य एल्बम के गानों के वीडियो में खुद ही आ जाता था। अपने पिछले म्यूजिक वीडियो तेरा हिस्सा हूं में तो मैं पायलट बन गया था। स्नाइपर में तो मैं थोड़ा बहक भी गया था और डान बन गया था। हालांकि अपने म्यूजिक वीडियो में मेरी कोशिश यही रहती है कि हर चीजें एक सामाजिक जिम्मेदारी के साथ ही रखें। अपने म्यूजिक वीडियो में मैं हमेशा दायरे में रहकर एक्टिंग करता हूं। कभी वो दायरा नहीं पार करता, जिससे किसी की भावनाएं आहत हों या अपमान हो।'

इन दिनों यूट्यूब चैनल के लिए म्यूजिक वीडियो बनाने पर फोकस कर रहे हैं शान। टीम स्वयं

हर अच्छे कलाकार को ताउम्र संघर्ष करना पड़ता है : प्रिया

सिटी आफ ड्रीम्स 2 में राजनेत्री पूर्णिमा के किरदार में हैं प्रिया। इंस्टाग्राम

संघर्ष कलाकारों के जीवन का एक अहम हिस्सा माना जाता है। कभी काम पाने का संघर्ष, कभी अच्छा काम पाने का संघर्ष तो कभी अपने स्टारडम को बनाए रखने का संघर्ष। हाल ही में डिज्नी प्लस हाटस्टार पर रिलीज हुई वेब सीरीज सिटी आफ ड्रीम्स 2 की अभिनेत्री प्रिया बापत संघर्ष को कलाकार के जीवन का अभिन्न अंग मानती हैं। दैनिक जागरण से बातचीत में उन्होंने कहा, 'हर अच्छे कलाकार को ताउम्र संघर्ष करना पड़ता है। एक अच्छा काम करने के बाद वह अपना अगला काम पहले से बेहतर करने के लिए संघर्ष करता है। संघर्ष का तरीका और रूप बदलता रहता है लेकिन संघर्ष तो जीवन भर चलता रहता है। हम ऐसा नहीं कह सकते हैं कि कोई बड़ा स्टार है तो उसका संघर्ष खत्म हो गया। डिजिटल प्लेटफार्म पर हर तरह की कहानियां बनने के कारण कलाकारों को काम मिलना थोड़ा आसान हुआ है, लेकिन संघर्ष सभी के जीवन में हैं।' सिटी आफ ड्रीम्स 2 में लंबे समय के अंतराल के बाद दोबारा पूर्णिमा के किरदार में आने को लेकर प्रिया कहती हैं, 'दोनों सीजन के अंतराल के बाद किरदार से थोड़ा भटकना स्वाभाविक होता है। मुझे शो की स्क्रिप्ट पढ़कर दोबारा अपना किरदार पकड़ने में मदद मिली। इस शो के टाइटल ट्रैक का भी मुझ पर गहरा असर रहा था। कभी-कभी तो मेरे किरदार की शूटिंग में 15-15 दिनों का अंतर हो जाता था, लेकिन सेट पर वापस लौटकर जैसे ही मैं टाइटल ट्रैक सुनती थी, पूर्णिमा फिर से मेरे दिमाग में आ जाती थी।' इस शो में प्रिया के साथ अतुल कुलकर्णी और सचिन पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में हैं।